द्विभाषिक

हिंदी–गोंड़ी (बस्तर क्षेत्र)

कक्षा 2

सत्र 2024–25

DIKSHA एप कैसे डाउनलोड करें?

विकल्प 1	:	अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें।
विकल्प 2	:	Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूंढ़े एवं डाउनलोड बटन पर tap करें।

DIKSHA

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें ?

DIKSHA App को लॉच करे → App की समस्त अनुमति को स्वीकार करें → उपयोगकर्ता Profile का चयन करें।

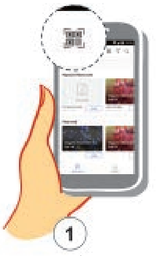

1 पाठ्यपुस्तक में QR Code को Scan करने के लिए मोबाइल में QR Code tap करें।

2 मोबाईल को QR Code पर केन्द्रित करें।

3 सफल Scan के पश्चात् QR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी।

डेस्कटॉप पर QR Code का उपयोग कर डिजिटल विषय–वस्तु तक कैसे पहुँचे ?

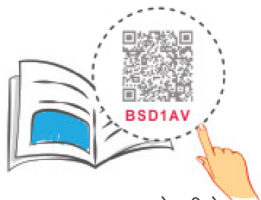

1 QR Code के नीचे 6 अंक का Alpha Numeric Code दिया गया है।

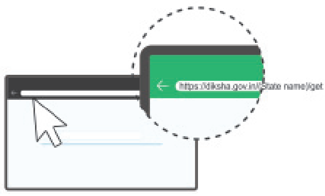

2 ब्राउज़र में diksha. gov.in/cg टाईप करें।

3 सर्च बार पर 6 डिजिट का QR CODE टाईप करें।

4 प्राप्त विषय–वस्तु की सूची से चाही गई विषय–वस्तु पर क्लिक करें।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

नि:शुल्क वितरण हेतु

प्रकाशन वर्ष – 2024

ekxin'kd

संचालक

एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.,रायपुर

सहयोग

प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री (दिल्ली विश्वविद्यालय),
डॉ. हृदयकांत दीवान (विद्या भवन, उदयपुर)
श्री रोहित धनकर (दिगंतर, जयपुर)

3IQQFS

संयोजक

डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

समन्वयक

डॉ. आर.के.वर्मा

सम्पादक मण्डल

श्री राजेन्द्र पाण्डेय, स्व.डॉ.सी.एल.मिश्रा, डॉ. विद्यावती चन्द्राकर,
श्रीमती विद्या डांगे

लेखक दल

राजेन्द्र पाण्डेय, सुधा खरे, अनूप नाथ योगी,सच्चिदानंद शास्त्री, दुर्गेश वैष्णव, छलिया वैष्णव, शोभा शंकर नागदा,रमेश शर्मा,दिनेश गौतम, विनय शरण सिंह, डॉ. राजेश शर्मा,रीता श्रीवास्तव, द्रोण साहू, पुष्पा शुक्ला, राजपाल कौर, लक्ष्मी सोनी, श्रीदेवी, मनोज चंद्राकर, मनोज साहू, खोजन दास डिडौरी

अनुवादक

विष्णु पोड़ियाम, विवेक कुमार वेन्जाम, मुन्ना पुजारी,
गंगो राम कर्मा, माड़का राम मंडावी, हिरमो राम वट्टी

स्रोत केन्द्र – जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान–बस्तर

जिला परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा – बस्तर

चित्रांकन

राजेन्द्र सिंह ठाकुर, रेखराज चौरागड़े, सुश्री अनीता वर्मा, मो. इकराम, श्री राजेश सेन

आवरण एवं ले आउट डिजाइनिंग

रेखराज चौरागड़े

प्रकाशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

मुद्रक

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुद्रणालय

मुद्रित पुस्तकों की संख्या – ....

आमुख

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के साथ ही यह आवश्यक हो गया था कि नवगठित राज्य के संदर्भ में शिक्षा के सरोकारों का पुनः निर्धारण किया जाए। आवश्यकता अनुसार पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों का नवीनीकरण किया जाए। प्रदेश की इसी आवश्यकता को ध्यान में रखकर सत्र 2003–04 में नई शिक्षा योजना के साथ नई पाठ्यपुस्तकों के सृजन का कार्य प्रारम्भ किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा आयोग और मानव अधिकार आयोग प्राथमिक कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बच्चों के बस्ते में बोझ से चिंतित है। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग भी इस चिंता को दूर करने के लिए प्रयासरत था। अंततः इस वर्ष उसकी पहल पर पाठ्यपुस्तकों के निर्माण की एक नई प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। शासन द्वारा लिए गए निर्णय के फलस्वरूप इस वर्ष कक्षा पहली और दूसरी के बच्चों के लिए हिन्दी, गणित और सामान्य अंग्रेजी की पृथक–पृथक पुस्तक होगी। इन पुस्तकों में वर्कबुक समावेशित है, अतः इन कक्षाओं के लिए पृथक से वर्कबुक बनाने की आवश्यकता अनुभव नहीं की गई।

पाठ्यपुस्तक के विकास में बच्चों की अभिरुचियों को ध्यान में रखकर सीखने की गतिविधियों का सृजन एवं एन.सी.ई.आर.टी. की हिन्दी पुस्तिका रिमझिम–2 के कुछ पाठों का चयन किया गया है। विद्यालयों की परिस्थितियों व सीखने के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए समूह अधिगम एवं स्व अधिगम पर बल देने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही पर्यावरणीय संचेतना, लिंग संचेतना आदि पहलुओं को ध्यान में रखकर पाठ्यपुस्तक संयोजित की गई है। पाठों में दी गई पाठ्यसामग्री एवं अभ्यास कार्य, भाषा शिक्षण की नवीन अवधारणाओं एवं लर्निंग आउट कम पर आधारित हैं। हम आशा करते हैं कि शिक्षक इस पाठ्यपुस्तक का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकेंगे।

अध्ययन–अध्यापन की प्रक्रिया रोचक और संपूर्ण कैसे बने इस पर सतत् प्रयास हो रहे हैं। यह पुस्तक भी इसी दिशा में एक कदम है।

इस पुस्तक की रचना शिक्षण के प्रति वैकल्पिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के उद्देश्य को सामने रखकर की गई है। इस पुस्तक में, आसपास होने वाली सहज क्रियाओं में भी भाषा के गणित के रूप को देखा जाएगा। इन क्रियाओं को रोचक गतिविधियों के साथ स्वयं करते हुए जब बच्चे आगे बढ़ेंगे तो अवश्य ही उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

इस पुस्तक में हर अवधारणा की शुरूआत संदर्भ से की गई है। बच्चे पहले से जितना जानते हैं उसका उपयोग उनके सीखने में हो, और वे अपने अनुभवों में कुछ नया जोड़ते चलें, फिर नई परिस्थितियों में उसका प्रयोग करें और धीरे–धीरे सीखते चलें, सीखने की इस प्रक्रिया को इस पुस्तक का आधार बनाया गया है। कक्षा 1 में यह अपेक्षा है कि कक्षा में बच्चे की भाषा का उपयोग हो, जिससे उसे अवधारणाओं को अपने भाषायी ढाँचे के साथ जोड़ने का अवसर मिले।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग. द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से Energized Text Books एक अभिनव प्रयास है, जिसे ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन (डाउनलोड करने के उपरांत) उपयोग किया जा सकता है। ETBs का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो–वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, संबंधित अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

इस पुस्तक को तैयार करते समय शिक्षकों, शिक्षक–प्रशिक्षकों तथा शिक्षा क्षेत्र से सक्रिय रूप से जुड़े अनेक विद्वानों का सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। फिर भी सुधार करने और नया जोड़ने की संभावनाएँ तो हमेशा ही रहेंगी। इसलिए यह पुस्तक जिनके भी हाथ में है उनसे अनुरोध है कि इसे बच्चों के लिए और बेहतर बनाने के लिए अपने महत्त्वपूर्ण सुझाव परिषद् को अवश्य भेजें।

संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

छत्तीसगढ़, रायपुर

शिक्षकों से कुछ बातें

कक्षा पहली की पुस्तक को पढ़ाते समय आपने देखा होगा कि भाषा–शिक्षण का उद्देश्य बच्चों को सिर्फ लिपि सिखाना नहीं है। आपने यह भी जाना होगा कि भाषा बच्चे के लिए बातचीत का माध्यम ही नहीं है वरन् उसके सोच को आगे बढ़ाने व पुख्ता बनाने का आधार भी है। भाषा के विविध उपयोगों से बच्चों की तर्क समझने व तर्क रचने की क्षमता तो बढ़ती है ही पर इसके साथ–साथ उनकी दृष्टि भी ज्यादा पैनी होती है। वह ज्यादा पहलुओं को ध्यान में रख सकते हैं और ज्यादा विस्तृत विवरण प्रस्तुत कर सकते हैं। कक्षा–1 में प्रस्तुत सभी तरीकों को जारी रखें व बच्चों को आत्मविश्वास प्राप्त करने के अधिक–से–अधिक मौके दें।

कक्षा–2 में हिंदी भाषा सिखाने की प्रमुख आवश्यकताएँ, जिन पर ज़ोर दिया जाना है नीचे दी गई हैं–

- हिंदी में विविध कविताओं, कहानियों व विवरण को पढ़कर समझने की शुरुआत करना।
- कविता व कहानी को हाव–भाव अथवा उतार–चढ़ाव के साथ सुनाने का अभ्यास करना।
- नए शब्दों के संदर्भ से अर्थ सीखने का प्रयास।
- अपने आस–पास के जीवन को पाठ की सामग्री के साथ जोड़ना व उनमें तुलना करना।
- दिए गए निर्देश को समझना व धीरे–धीरे कुछ बड़े निर्देशों को समझकर उपयोग कर पाना।
- कविता, कहानी, नाटक आदि को बच्चे खुशी–खुशी पढ़ना चाहें व नई किताबों की तलाश करें। इसके लिए इस सामग्री को पढ़ने व समझने में निहित आनंद को वे महसूस करें।
- बच्चे हिंदी और अपनी बोली में चर्चा करें व एक भाषा में कही जाने वाली बात को दूसरी भाषा में प्रस्तुत करें।
- बच्चों की, लिपि पढ़ने की क्षमता को आगे बढ़ाकर और वर्णों की पहचान के संदर्भ में उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना।
- पढ़ना सिखाने के प्रयास को जारी रखने के साथ–साथ कक्षा दो में लिखने को आगे बढ़ाना।

- यह अपेक्षा है कि बच्चे पाठ को पढ़कर नहीं तो कम–से–कम सुनकर अपने ढंग से समझने का प्रयास करेंगे। शिक्षक पाठ का विश्लेषण कर उसे पूरी तरह से समझा दें व बच्चे उसे याद कर लें यह भाषा सिखाने का उद्देश्य नहीं है।
- लिखने की क्षमता केवल अक्षर बनाने, शब्दों, वाक्यों अथवा वाक्यों की नकल करने तक नहीं है। यह तो सिर्फ लिख पाने की पहली सीढ़ी हो सकती है।
- अपने विचार, अपने मत, अपने उत्तर, अपने अनुभव बच्चे लिखें यह प्रयास शुरू होना है।
- स्वतंत्र रूप से ऐसे लिख पाने में स्वयं सोचकर चित्र बनाना भी साथ–साथ शुरू करने से मदद मिलेगी।
- लिख पाने के लिए अभिव्यक्ति की क्षमता, खुलापन व आत्मविश्वास तीनों ही बुनियादी जरूरतें हैं। इसके साथ ही कहीं पेंसिल पकड़ना, चलाना व अक्षर बना पाना भी शामिल हैं।

प्रत्येक पाठ में विभिन्न भाषाओं की शब्दावलियों का उल्लेख है। संबंधित शिक्षक अपने क्षेत्र विशेष की भाषा का सहयोग लें।

टीप – प्रस्तुत पुस्तक प्रायोगिक संस्करण है। बच्चे को प्रथम भाषा हिन्दी सिखाने में उसकी मातृभाषा से सहायता लेने हेतु यह संस्करण एक सार्थक प्रयास है। सुधार की संभावनाएं अवश्य होंगी अतः आप पालकों, बालकों, शिक्षिकों व समुदाय के अभिमत/सुझावों का सदैव स्वागत है। कृपया अपने विचारों से हमें अवश्य अवगत कराईए।

Email: *textbookscert@gmail.com*

विषय–सूची

	वरणमाला	2–9
1.	गुगे आड़ मोगे	10–17
2.	नूनी रानी ना पेंडूल	18–23
3.	बेने केतोर म्याऊँ?	24–31
4.	ऐड़ज करसता फूटबाल	32–43
5.	चतुड़ चीकू	44–49
6.	पेत्ते आड़ ऐन	50–59
7.	जुमला ता लाव	60–69
8.	बेनो	70–75
9.	मिट्टी	76–81
10.	नेकेय अत्ता	82–89
11.	करसाड़ मण्डी	90–97
12.	ऊँ टूम अत्ता	98–105
13.	ओन्ड़ काबूड़ वत्ता	106–113
14.	उप्पेल दोरकता सिस पेंसिल	114–123
15.	ऐद	124–127
16.	चुडला चुडला डाका	128–133
17.	चितरा कूट घूमेर	134–141
18.	ताना पेदेड़ बाता ?	142–151
19.	साहसी बनेआयमूट	152–157

विषय–सूची

	वर्णमाला	2 – 9
1.	तितली और कली	10 – 17
2.	गुड़िया रानी की शादी	18 – 23
3.	कौन बोला म्याऊँ	24 – 31
4.	भालू ने खेली फुटबॉल	32 – 43
5.	चालाक चीकू	44 – 49
6.	चींटी और हाथी	50 – 59
7.	एकता का बल	60 – 69
8.	कौन ?	70 – 75
9.	मिट्टी	76 – 81
10.	बहुत हुआ	82 – 89
11.	मड़ई–मेला	90 – 97
12.	ऊँट चला	98 – 105
13.	आई एक खबर	106 – 113
14.	चूहे को मिली पेंसिल	114 – 123
15.	धूप	124 – 127
16.	छोटे–छोटे कदम	128 – 133
17.	चित्रकोट जलप्रपात	134 – 141
18.	क्या है उसका नाम ?	142 – 151
19.	साहसी बनो	152 – 157
	यातायात सिग्नल	158

2S3HZJ

सीखने के प्रतिफल

सीखने–सिखाने की प्रक्रिया

सभी शिक्षार्थियों (भिन्न रूप से सक्षम बच्चों सहित) को व्यक्तिगत, सामूहिक रूप से कार्य करने के अवसर और प्रोत्साहन दिया जाए ताकि उन्हें :–

- अपनी भाषा में अपनी बात कहने, बातचीत करने की भरपूर आज़ादी और अवसर हों।
- हिंदी में सुनी गई बात, कविता, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने–सुनाने/प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने के अवसर उपलब्ध हों।
- बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समुचित स्थान मिल सकेगा और उनका शब्द–भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे।
- 'पढ़ने का कोना' में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की और विभिन्न भाषाओं (बच्चों की अपनी भाषा/एँ, हिंदी आदि) में रोचक सामग्री; जैसे – बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो–विडियो सामग्री उपलब्ध हों।
- चित्रों के आधार पर अनुमान लगाकर कर तरह–तरह की कहानियों, कविताओं को पढ़ने के अवसर उपलब्ध हों।

सीखने की संप्राप्ति **(Learning Outcomes)**

बच्चे –

LH201. विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा/और स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं, जैसे– जानकारी पाने के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना, अपना तर्क देना आदि।

LH202. कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से सुनकर अपनी भाषा में बताते/ सुनाते हैं।

LH203. देखी, सुनी बातों, कहानी, कविता आदि के बारे में बातचीत करते हैं और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।

LH204. अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को सुनायी जा रही सामग्री; जैसे – कविता, कहानी, पोस्टर, विज्ञापन आदि से जोड़ते हुए बातचीत में शामिल करते हैं।

LH205. भाषा में निहित शब्दों और ध्वनियों के साथ खेल का मज़ा लेते हुए लय और तुक वाले शब्द बनाते हैं; जैसे – एक था पहाड़, उसका भाई था दहाड़, दोनों गए खेलने . ... ।

LH206. अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि कहते/सुनाते हैं/आगे बढ़ाते हैं।

LH207. अपने स्तर और पसन्द के अनुसार कहानी, कविता, चित्र पोस्टर आदि आनंद के साथ पढ़कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं।

LH208. चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं पर बारीक अवलोकन करते हैं।

LH209. चित्र में या क्रमवार सजाए चित्रों में घट रहीं अलग–अलग घटनाओं, गतिविधियों

- विभिन्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों, जैसे – किसी कहानी में किसी जानकारी को खोजना, कहानी में घटी विभिन्न घटनाओं के क्रम को तय करना, किसी घटना के होने के लिए तर्क दे पाना, पात्र के संबंध में अपनी पसंद या नापसंद के बारे में बता पाना आदि।
- कहानी, कविता आदि को बोलकर, पढ़कर सुनाने के अवसर हों और उस पर बातचीत करने के अवसर हों।
- सुनी, देखी, पढ़ी बातों को अपने तरीके से कागज़ पर उतारने के अवसर हों। ये चित्र भी हो सकते हैं, शब्द भी और वाक्य भी।
- बच्चे अक्षरों की आकृति को बनाने में अपेक्षाकृत सुघड़ता का प्रदर्शन करते हैं। इसे कक्षा में प्रोत्साहित किया जाए।
- बच्चों द्वारा अपनी वर्तनी गढ़ने की प्रवृत्ति को भाषा सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा समझा जाए।
- संदर्भ और उद्देश्य के अनुसार उपयुक्त शब्दों और वाक्यों का चयन करने, उनकी संरचना करने के अवसर उपलब्ध हों।

और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं।

LH210. परिचित/अपरिचित लिखित सामग्री में रूचि दिखाते हैं और अर्थ की खोज में विविध प्रकार की युक्तियों का इस्तेमाल करते हैं; जैसे – चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर–ध्वनि संबंध का इस्तेमाल करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमान लगाना।

LH211. प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों की अवधारणा को समझते हैं, जैसे – 'मेरा नाम विमला है।' बताओ, इस वाक्य में कितने शब्द हैं? 'नाम' शब्द में कितने अक्षर हैं या 'नाम' शब्द में कौन–कौन से अक्षर हैं?

LH212. हिंदी के वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं।

LH213. स्कूल के बाहर और स्कूल के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय से) अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनकर पढ़ने का प्रयास करते हैं।

LH214. स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत चित्रों, आड़ी–तिरछी रेखाओं (कीरम–काटे), अक्षर आकृतियों से आगे बढ़ते हुए स्व–वर्तनी का उपयोग और स्व–नियत्रित लेखन (कनवैंनशनल राइटिंग) करते हैं।

LH215. सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से और तरह–तरह से चित्रों/शब्दों/वाक्यों द्वारा (लिखित रूप से) अभिव्यक्त करते हैं।

LH216. अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को अपने लेखन में शामिल करते हैं।

LH217. अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि आगे बढ़ाते हैं।

विषय–सूची (Contents)

अध्याय	पाठ का नाम	सीखने के प्रतिफल
	वर्णमाला	**LH211, LH212**
1.	तितली और कली	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH205, LH210, LH211, LH212, LH213, LH215, LH216**
2.	गुड़िया रानी की शादी	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH207, LH208, LH209, LH211, LH212, LH214, LH215, LH216, LH217**
3.	कौन बोला म्याऊँ	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH207, LH208, LH209, LH211, LH212, LH214, LH215, LH216, LH217**
4.	भालू ने खेली फुटबाल	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH207, LH208, LH209, LH211, LH212, LH214, LH215, LH216, LH217**
5.	चालाक चीकू	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH205, LH210, LH211, LH212, LH213, LH215, LH216**
6.	चींटी और हाथी	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH209, LH214, LH215, LH216, LH217**
7.	एकता का बल	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH209, LH214, LH215, LH216, LH217**
8.	कौन?	**LH202, LH203, LH204, LH206, LH211, LH215, LH216, LH217**
9.	मिट्टी	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH205, LH206, LH207, LH208, LH209, LH210, LH213, LH215, LH216**
10.	बहुत हुआ	**LH202, LH203, LH204, LH208, LH209, LH212, LH213, LH216, LH217**
11.	मड़ई–मेला	**LH202, LH204, LH206, LH215, LH216, LH217**
12.	ऊँट चला	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH211, LH212,LH215, LH216, LH217**
13.	आई एक खबर	**LH201, LH202, LH203, LH205, LH207, LH208, LH209, LH212, LH213, LH216, LH217**
14.	चूहे को मिली पेंसिल	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH205, LH210, LH211, LH212, LH213, LH215, LH216**
15.	धूप	**LH202, LH203, LH204, LH206, LH215, LH216, LH217**
16.	छोटे–छोटे कदम	**LH202, LH203, LH204, LH206, LH211, LH215, LH216, LH217**
17.	चित्रकोट जलप्रपात	**LH202, LH203, LH204, LH206, LH215, LH216, LH217**
18.	क्या है उसका नाम?	**LH201, LH202, LH204, LH207, LH210, LH211, LH212, LH215, LH216, LH217**
19.	साहसी बनो	**LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH206, LH215, LH216**

उदाहराणार्थ रूब्रिक्स

Chapter अध्याय	Sub-Topics उप-विषय	Level -1 स्तर-1	Level -2 स्तर-2	Level -3 स्तर-3	Level -4 स्तर-4
After the lesson, students will be able to : पाठ के बाद, विद्यार्थी कर सकेंगे :		**Remember, Recall, List, Locate, Label, Recite याद करना, स्मरण करना, सूचीबद्ध करना, खोजना लेबल करना, वर्णन करना**	**Understand, explain, Illustrate, summaries, match समझना, व्याख्या करना, संक्षेप में लिखना, उदाहरण देना, मेल करना**	**apply, organize, use, solve, prove, draw प्रयोग करना, व्यवस्थित करना, उपयोग करना, हल करना, साबित करना, चित्रण करना**	**evaluate, hypothesis, analyses, compare, create, categories मूल्यांकन करना, परिकल्पना करना, विश्लेषण करना, तुलना करना, सृजन करना, वर्गीकरण करना**
1	2	3	4	5	6
तितली और कली	• कविता हाव–भाव व लयबद्ध तरीके से सुना सकेगें। • नये कठिन शब्द सीख सकेगें। • नये शब्दार्थ सीख सकेंगे। • कविता का भावार्थ समझ सकेंगे। • प्रकृति से जुड़ाव महसूस कर सकेंगे।	• कविता लयबद्ध तरीके से सुनाते हैं। • नये शब्द पढ़ पाते हैं। • शब्दार्थ बता पाते हैं। • नये कठिन शब्द पढ़ व लिख सकते हैं।	• मिलते–जुलते शब्द ढूँढकर लिख सकते हैं। • तितली के आकार रंग–रूप पर समझ के साथ बताते हैं। • फूलों के बारे में बताते हैं। • महक से संबंधित पंसद–नापंसद चीजों के नाम लिखते हैं।	• रंग–बिरंगी गतिविधि करके रंगों के नाम बताते हैं। • कठिन शब्दों का प्रयोग कर पाते हैं।	• तितली–भौंरा फूलों के बारे में अपने शब्दों में बता पाते हैं।

वर्णमाला

हिन्दी वर्णमाला तग कोन्डे 52 अक्षरी मेन्दे

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण		
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह			
क्ष	त्र	ज्ञ				
ड़	ढ़	श्र				

वर्णमाला

हिंदी वर्णमाला में कुल 52 अक्षर हैं।

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण		
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह			
क्ष	त्र	ज्ञ				
ड़	ढ़	श्र				

कालिता अक्षरी

त्र	ज्ञ	क्ष	श्र
(त्+र)	(ज्+ञ)	(क् +ष)	(श् +र)

इवकी विड़सी इलेते वेंडे कालिता अक्षरी बनेमाता –

क् + य = क्य

च् + च = च्च

त् + त = त्त

च् + छ = च्छ

ग् + य = ग्य

स् + थ = स्थ

प् + य = प्य

ड् + ड = ड्ड

संयुक्त अक्षर

त्र	ज्ञ	क्ष	श्र
(त्+र)	(ज्+ञ)	(क् +ष)	(श् +र)

इनके अतिरिक्त इस प्रकार से भी संयुक्त अक्षर बनते हैं–

क् + य = क्य

च् + च = च्च

त् + त = त्त

च् + छ = च्छ

ग् + य = ग्य

स् + थ = स्थ

प् + य = प्य

ड् + ड = ड्ड

कातिला अक्षर तव शब्द

आँकी	भैया	उन्डा वहना
कृष्ण	भूम	बाता
पप्पू	गोंदरी	चप्पू
नेलय	कड़माम	पिल्ला
इसकूल	कागेत	नूल्ले
लड्डू	मूल्पे	वेड़का
उड़ा वहना	नेक्का नेलोटा	वेडा पिल्ला
नेला मांदानद	कोपल	स्लेट पट्टी

संयुक्त अक्षरों वाले शब्द

पत्ता	प्यार	प्यास
कृष्ण	पृथ्वी	क्या
पप्पू	प्याज	चप्पू
अच्छा	भाग्य	बच्चा
स्कूल	पुस्तक	मच्छर
लड्डू	संध्या	आनन्द
न्यारी	प्यारी	क्यारी
स्वास्थ्य	ग्वाल	स्लेट

क + ो + व + े = कोवे

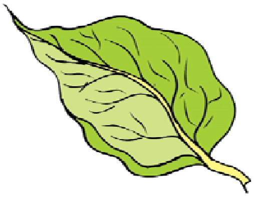

अ + ा + क = आक

ि+ ब + ल + य = बिलय

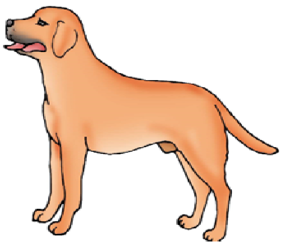

न + य = नय

ि+ प + क + ी = पिकी

ि+ प + ल् + ल + ा = पिल्ला

ब+न्+द+र = बंदर

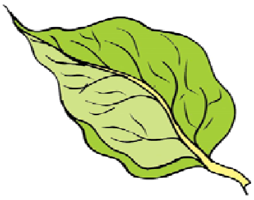

प+त्+त+ा = पत्ता

ि+ब+ल्+ल+ी = बिल्ली

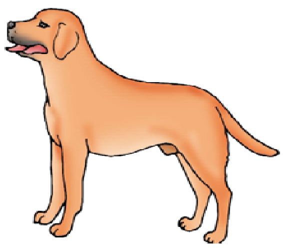

क+ु+त्+त+ा = कुत्ता

ग+ु+ड्+ड+ी = गुड्डी

ब+च्+च+ा = बच्चा

पाठ 1

xx vkM ekx

iovk l] ऐरस्कता, रंग रंगता, नेलोटा

जावुड़ कोर दग मत्ता अल्ले,
ओण्ड़ सुडला नेलटा मोगे।
गुगे तान वास केत्ता,
निम तोदीती नेक्का नेला।
इंजे तेदा कोन्डा नाहका,
आड़ मावा संग करसा।
नेकाय नेल्ला निमा ऐरस्कती,
ऐरस्कती निमा कोड़ी–कोड़ी।
मोगे पव आस पुईता रंग रंगता,
उबय केन्जी माटा खेल ता।
वेड़दीन संग ऐरस्कतद मिरनूर
गूगे तान पेरके पोयता मिरनूर

ज्ञानता उवाट – पाठ वे सोज तिन पारीमंज केन्जाट वेन्डे पारा केल्लाट। मोदल बोकते दोरकानव पुडक पतंगीन बारे ते पिल्लाकिन प्रश्न पूछा किमूर अभ्यास माला किन पेंसिल ते पूरा किमूट पाठनग वतनद कठिन शब्द किन अर्थ क्षेत्रीय भाषा/बोली केलाट।

2SCE27

पाठ 1

तितली और कली

छिटककर, महक, रंगीली, सुंदर

हरी डाल पर लगी हुई थी,
नन्ही सुंदर एक कली।
तितली उससे आकर बोली,
तुम लगती हो बड़ी भली।
अब जागो तुम आँखें खोलो,
और हमारे संग खेलो।
फैले सुंदर महक तुम्हारी,
महके सारी गली–गली।
कली छिटककर खिली रंगीली,
तुरंत खेल की सुनकर बात।
साथ हवा के लगी भागने,
तितली छूने उसे चली।

शिक्षण संकेत – कविता को गाकर सुनाएँ फिर दुहराने को कहें। आसपास में पाये जाने वाले कीट – पतंगों के बारे में बच्चों से प्रश्न पूछें। अभ्यासमाला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ क्षेत्रीय भाषा/बोली में बताएँ।

पाटा वेसोड़ ते

- गुगे मोगे नग बाड़ अंज मत्ता ?
- गूगे आड़ मोगे बाता बाता खेल करसता ?
- गूगे बाड़ इंजो केत्ता पेरके मोगे वेड़कता ?

ऐजा किमूट

- गूगे मोगे नग बेचूट अत्ता ?

नरकोम ☐ **झरविड़ता** ☐ **मूलपे** ☐

- निमा वेड़ दा ऐड़का बाले किति ?

कलिताव लिका

- पाटा वेसोड़ ते अव लिका मेहकाट, अव केंजा लाय नेक्का नेला आर्या बाले की मोंगे, नेल्ला।
- दोड़ इत्तव लिका, ते अपून मन ते लिका जोडा किमुट।

......केलाहट......... ......गुगे...... ....कोर.......

....

....

....

ऐरस्कता उमूके कोड़ी–कोड़ी

- ऐरस्कतद निकिन नेल्ला बेन्ड लगेम आता आड़ ओप्पो वेण्डे।

  नेल्ला ऐरस्कतादीन के तितोड ....

  ओपवा ऐरस्कत दीन केतितोड़ ....

- ओण्ड इतोता जाकता पेदेड लिका किमूट, ताना ऐरस्कतद मिकीन नेल्ला आड ओप्पो।

कविता से

- तितली कली के पास क्यों गई थी?
- तितली और कली ने क्या खेल खेला?
- तितली के क्या कहने पर कली खुश हो गई?

अंदाज़ा लगाओ

- तितली कली के पास कब गई होगी?

सुबह ☐ **दोपहर** ☐ **शाम** ☐

- तुमने समय का अंदाज़ा कैसे लगाया?

मिलते–जुलते शब्द

- कविता में से वे शब्द ढूँढ़ो जो सुनने में कली जैसे लगते हैं।

जैसे – कली, भली

- नीचे दिए गए शब्दों जैसे कुछ शब्द अपने मन से जोड़ो।

......बोलो......... ......तितली...... ....डाल ....

....

....

....

महके सारी गली–गली

- महक तुम्हें अच्छी भी लग सकती है और बुरी भी।

अच्छी लगने वाली महक को कहेंगे ....

बुरी लगने वाली महक को कहेंगे ....

- ऐसी चीज़ों के नाम लिखो जिनकी महक तुम्हें पसंद है और जिनकी पसंद नहीं है।

मन मेंदे	मन हिला
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

- मिवा बोकेते इले बैव–बैव फूंगार मिंदे बाना ऐरस्कतद नेक्काय नेल्ला। फूंगार ता पेदेड़ अपून माटा ते लिका किमुट
- मि लोक नग बाले बाले गब वाता ? (बालेकी – साबोन आड़ निय दा ऐरस्कतद)

मिवा माटा –

करसालय मोगे उबय पव अत्ता। मिड़ बाता बुतोत उबय तेरीतीड़ आड बाता बूतोत उबय तेदालाय कंजीवीड़। बाड़ ?

दायकल	अन्नवाल
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

पसंद है	पसंद नहीं है
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

- तुम्हारे आसपास ऐसे कौन–कौन से फूल हैं जिनकी बहुत तेज़ महक है?

  फूलों के नाम अपनी भाषा में लिखो।
- तुम्हारे घर में किस–किस तरह की महक आती है?

  (जैसे – साबुन या तेल की महक गुसलखाने से)

तुम्हारी बात

खेलने के लिए कली तुरंत जाग गई थी। तुम किस काम के लिए तुरंत जाग जाओगे और किस काम के लिए जागना पसंद नहीं करोगे? क्यों?

जागेंगे	नहीं जागेंगे
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

बानी–बानी ता

जावुड कोर तग मता ओण्ड नेलोटा मोगे।

पाटा वेसोड ते पोदला ता कोर दिन जाबुड बानी केत तद मेन्दे। दोड लिका कितदद जाक बाता बाता बानी रंग ता आया परता ?

.... गूगे .... पोड़द पुगार

.... आपा .... लड्डू

.... पेंसिल .... बटकी

.... नय .... कूसोड़

......................कमला पण्डी .... तोड़ीय

रंग–बिरंगी

हरी डाल पर लगी हुई थी
नन्ही सुंदर एक कली

कविता में पौधे की डाल हरे रंग की बताई गई है।
नीचे लिखी चीज़ें किन–किन रंगों की हो सकती हैं ?

....	तितली	....	सूरजमुखी
....	बैंगन	....	लड्डू
....	पेंसिल	....	प्याला
....	कुर्ता	....	साग
....	संतरा	....	मिट्टी

2SLA3U

ikB & 2

नूनी रानी ना पेंडूल

[kc] ehr] fopkj] djokj] lk;rk] ekyk] c/kkb] xhr] HkhMckj

चम्पा आड़ मंजु रेण्ड पिकी मत्ता रेड आहलो नेक्काय गोत मत्ता चम्पा नगा मत्ता मंजु नगा मत्ता रेड आहलो दिनाल मूलपे तगा फरसनू तवीन पोढेम आनू। ओण्ड दिना रेड आहलो उवाट कित्ता कि पेण्डूल कियकाल आऊर पेण्डूल किय डाल इन्जो जोंगडाम किया रोईता। रेड आहलो अपून लायोन ले सायता तालपता। इ चम्पा कीन लायो ना साया और अट्ट जंगडाम गिसीड़ पाडता। आ मंजू ना लायो ना कुर्ता आड टोपी पाडता। उमके गोत तीन पेण्डूल ता पेण्डूल कबुड कागेत लोहतोड़। पेण्डूल दिना ते सुरज ना लायो पुंगार रामू काकाल आऊर डोल पेसतोर आड 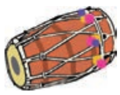 चम्पा मंजू वंण्डे नेलाय मनूट इंजो पाटा पारता इले ते **vkM** (पापाल) पेण्डूल अत्ता।

पाठ 2

xfM;k jkuh dh 'kknh

गहरी, मित्रता, तय करना, मदद, माला, बधाई गाना, जुट जाना

चंपा और मंजु दो थीं। दोनों में गहरी मित्रता थी। चंपा के पास थी। मंजु के पास था। दोनों रोज शाम को में खेलती थीं। उनके भी पास–पास थे। में भी वे एक साथ पढ़ती थीं।

एक दिन दोनों ने तय किया कि वे और की शादी करेंगी। अगले दिन से ही वे शादी की तैयारी में जुट गईं। दोनों ने अपनी–अपनी माँ से मदद माँगी। इधर चंपा की माँ ने का लहंगा और दुपट्टा बनाया। उधर मंजु की माँ ने का कुर्ता और तैयार की। सब मित्रों को शादी का निमंत्रण कार्ड भेजा गया। शादी के दिन सूरज की माँ ने फूलों की दो बना दीं। भैया मिठाई की दुकान से और ले आए। उन्होंने पंडित को भी बुलवाया। रामू काका ने बजाया और ने बधाई गाई। इस तरह और की शादी हुई।

Kku rk mikV %&

1. पाठ पो आयलाय बुनेके करयी वड़।
2. पाठ पोरेम आमाम पेय पुछेम माटा नाले पोटेम आइम।
3. ओरतूर ओरतूर उमके पिला कीन पोढा कीमुट।

'kCnkFk

नरगे	=	नेल्ला नरगे	गोत	=	गोत
उवाट किम	=	विचार करना	जुट जाना	=	बुतोकिया मुतोर
सहायता	=	सहायता।	फुंगा	=	हाड़ेम
मया ता पाटा	=	पेण्डूल पाटा			

vH;kl

1- nkM fydk fdrrn fydk rk erycc vi|u ekVk r dykV &

संगतोर, फेंगा, सहायता, हायनद, किनद, नेकानेला, पटा

2. **futk; fdcky xMMk &**

1- pEiku ekny------------ xMMk eRrk

2- pEik vkM etu ykus ----------------------¼ckdr ckdr eRrk ,M eRrk

3- xMMk uuh u iVyk fuuy; vkM------------------------

सहायता तल तोर /बाबो

4.

5.

6.

3-

4-

शिक्षण संकेत :–

1.पाठ पढ़ने का अभ्यास पूर्व से ही कर लें।

2.पाठ का आदर्श वाचन करते समय प्रश्नोत्तर तकनीक का उपयोग करें।

3.बारी–बारी से सभी बच्चों से वाचन करवाएँ।

शब्दार्थ

गहरी	= अच्छी, गाढ़ी।	मित्रता	= दोस्ती।
तय करना	= निश्चित करना।	जुट जाना	= किसी काम में लगना।
मदद	= सहायता।	माला	= हार।
बधाई गाना	= शादी के गीत गाना।		

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

मित्रता, माला, मदद, तय करना, बधाई गाना

2. सही क्या है –

1.चंपा के पास .... (गुड़िया थी/गुड्डा था।)

2.चंपा और मंजू के घर .... । (पास–पास थे/दूर–दूर थे।)

3.गुड्डा व गुड़िया की शादी के लिए उन्होंने .... सहायता माँगी, (माँ से/पिता से)

4.मंजू की माँ ने .... कपड़े बनाए। (गुड्डे के/गुड़िया के)

5.सूरज की माँ ने .... (मिठाई बनाई/मालाएँ बनाईं)

6.रामू काका ने ....(ढोलक बजाया/बधाई गाई)

3. अपनी सहेलियों/मित्रों के नाम लिखो –

4. तुमने अपने गाँव/घर में शादियाँ देखी होंगी। शादियों में क्या – क्या होता है, उसके बारे में बताओ।

5. बाले मिड आक्षय तिहार ते बारेते केज ती इप्स तिहार बाले पडाना नद मेंन्दे पताकिमुट।

6. fp= mMh inM fy[kk fdeV

____

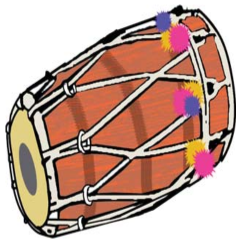

____

____

____

7- vi|u ykrrn ikurk d|Mrkr uuh vkM fiYyk ikMkgVA

8- xkney fdu dkyih ep\ Nkik ijk fdeV vkM jx okVVkA

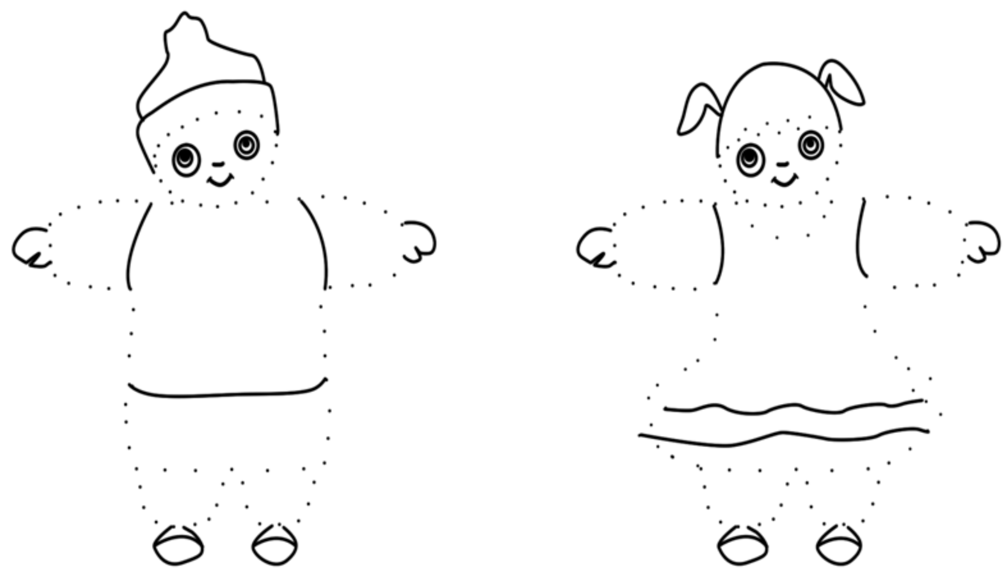

5. क्या तुमने अक्ती (अक्षय तृतिया) त्यौहार के बारे में सुना है। यह त्यौहार कैसे मनाया जाता है, पता करो।

6. चित्र देखकर नाम लिखो–

_ _ _ _ _ _ _ _ _

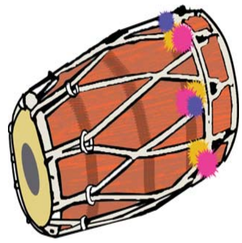

_ _ _ _ _ _ _ _ _

_ _ _ _ _ _ _ _ _

_ _ _ _ _ _ _ _ _

2T5275

7. अपने घर में पुराने कपड़ों से गुड़िया और गुड्डा बनाओ।

8. बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा करो और रंग भरो।

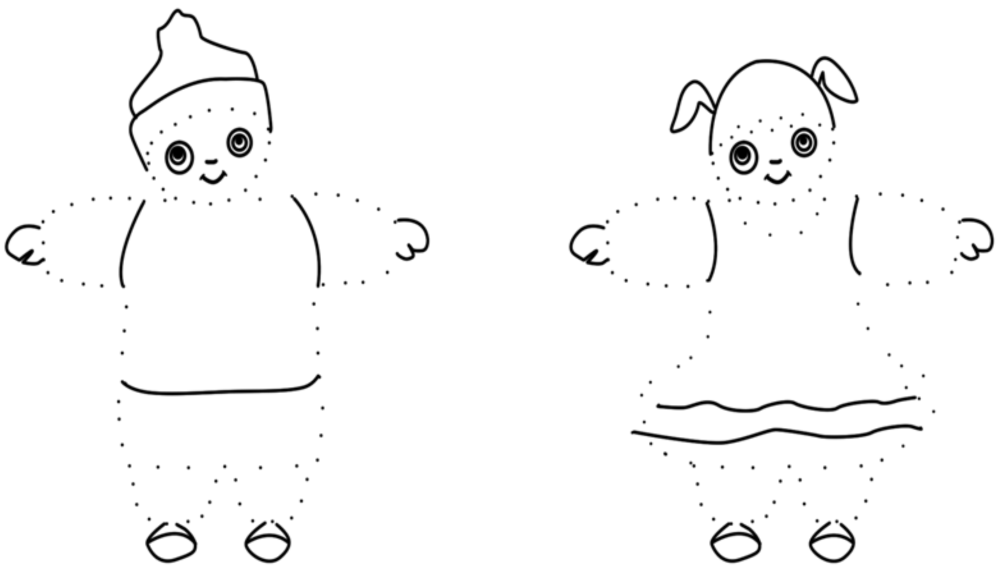

ikB&3

cuk drkj E;kÅ

पीला	म्याऊ	लेंग
पण्डे	लैगा	बीने–बीने
पेरंजूल	पोदला	टर्र–टर्र

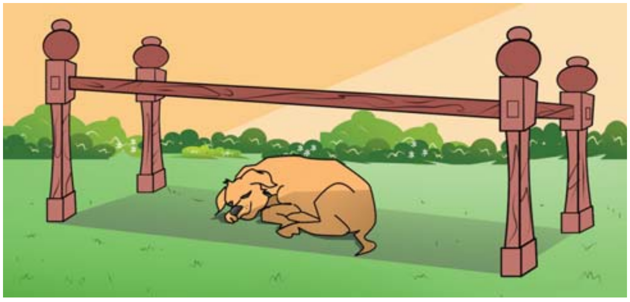

ओण्ड नय पिल्ला कटुल अडीन पटसो मता। अचूटे लेंग केंचता .... म्याऊँ नय पिल्ला पोद तेदी उददा। इद आह उडता, लेंग बेगा टिना वत्ता? बेगाय बेनोर इलवा मनूर ।

अद लोत तीना दूवाते वता। उचूटे मोदते पोदला नग टीना ओण्ड उप्पे लंगसो मुन्ने वत्ता। नई पिल्ला पुछा किता–निमा म्याऊँ

इंजो केत्ती। अयो, नना कोन चीं –चीं इंजो केंता नोना उप्पे केत्ता । नई पिल्ला पुंगार पोदला तग ऐवता पुंगार तग ओण्ड पेरंजूल वीसी उददी मता।

नई पिल्ला तान पुछा कित्ता– बालेरा निमा केती म्याऊँ?

अयो नना कोनी भिन्न–भिन्न किया नोना। वेण्डे लेंग वता म्याऊँ। तरीइ उटूल ओण्ड पण्डे उददी मत्ता। नई पिल्ला पण्डेत पुछा किता बाले निमा केती म्याऊँ ? नना कोनी टर्र टर्र केया नोना। वेण्डे लेंग वत्ता म्याऊँ। बेनो केतोर म्याऊँ? नना केतान म्याऊँ .... ?

पाठ 3

dku ckyk E;kÅ¡ \

पिल्ला	म्याऊँ	आवाज
मेंढक	फुदक	भिन्–भिन्
मधुमक्खी	झाड़ी	टर्र–टर्र

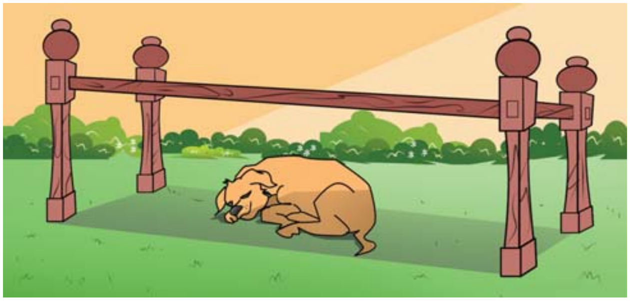

एक पिल्ला खाट के नीचे सो रहा था। तभी आवाज सुनाई दी .... म्याऊँ! पिल्ला झट उठ बैठा। इधर–उधर देखा आवाज कहाँ से आई ? कहीं कोई नहीं था। वह घर से बाहर आया। तभी पास की झाड़ी में से एक चूहा कूदकर सामने आया।

पिल्ले ने पूछा– "क्या तुम बोले म्याऊँ ?"
''नहीं, मैं तो 'चीं–चीं' बोलता हूँ''– चूहा बोला।
पिल्ला फूल के पौधे के पास पहुँचा। फूल पर एक मधुमक्खी बैठी थी। पिल्ले ने पूछा–''क्या तुम बोली म्याऊँ ?'' ''नहीं, मैं तो भिन्–भिन् करती हूँ।''

फिर आवाज आई ''म्याऊँ।''
तालाब के किनारे एक मेंढक बैठा था।
पिल्ले ने मेंढक से पूछा– ''क्या तुम बोले म्याऊँ ?''
''मैं तो टर्र–टर्र बोलता हूँ।'' फिर आवाज आई, "म्याऊँ।"
''कौन बोला म्याऊँ ?''

मैं बोली म्याऊँ...

f'k{k.k ldr & ikB ik<e vk;ke eu mpd ykuk ikMik uo ft;kr uk yx rk ekVk ogkVA vo yx fiYyk fdu iihg gh;k yk; dykVA rku ijd ikB ikVk fdeVA ikB ik<e vRrk ijd fiYyk fdu ekVk iNk fdeV vkj ekVk efyg fd;kun btk drkunA ifly r fydk dj;k unhu teyk fd;k un dRrk unA ikB rxk or rn iuon fydk fru eryc ekVk r dykVA

'kCnkFk

पिल्ला = नय पिल्ला, लेग = ध्वनि, भिन्–भिन् = मधुमक्खी की आवाज

vH;kl

1 · nkM fydk uk ekVk rk eryc vi u ekVk r dykV &

पिल्ला, मेंढक, मधुमक्खी, झाड़ी

2 · cuk i.M yx ijty rhrkj tkMh ik<yk xik ikMkV &

1. 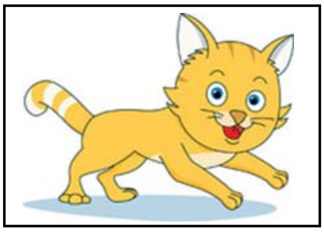 – गुन – गुन

2. – डोरक– डोरक

3. – भु – भु

4. – मियोग–मियोग

शिक्षण संकेत – पाठ आरंभ करने के पूर्व कुछ पालतू जानवरों की आवाज के संबंध में बच्चों से चर्चा करें। उसे बच्चों से निकालने को भी कहें तत्पश्चात पाठ आरंभ करें। पाठ के अंत में कुछ प्रश्न भी पूछें और उनको उत्तर देने हेतु प्रेरित करें। अभ्यासमाला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

पिल्ला = कुत्ते का बच्चा, आवाज = ध्वनि, भिन्–भिन् = मधुमक्खी की आवाज

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

पिल्ला, मेंढक, मधुमक्खी, झाड़ी

2. कौन कैसे आवाज निकालता है जोड़ी बनाओ –

1. 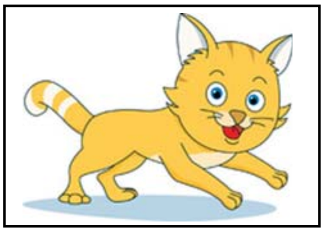 – भिन् – भिन्
2. – टर्र – टर्र
3. – भौं – भौं
4. – म्याऊँ–म्याऊँ

3 - futke ekVk rxk (✓) ता वेने पाडाट ।

क. पिल्ला नई पिल्ला बेगा पटटी मता ?
(कटूल अडीन / कटूल तीन पोर्रो)

ख. पुंगार तगा बाता उददी मता?
(पेरंजूल वीसी / पुड़य)

ग. तरीड उटूल वेनो उददी मतोर ?
(पण्डे / उप्पे)

घ. म्याऊँ बेनो केतोर ? केलाट।
(बिलाय / नई पिल्ला)

4 - cuk cukuk fiYyk \ MkM froxh futke tkMh ikMkV

d		[k
कोर्र पिल्ला	–	नई
नई पिल्ला	–	तलूड़ कोर्र
पैया	–	मेंड़ा
चितर पिला	–	गोड
पैया पदडी	–	गोर्रे

5 - vky lhet@,tkdhl dykVA

मिड़ आपून मोदल–मोदोल नेकाय लेंग केंजीतीड़। केलाट इव लेंग बेनोना।

1. घर्र – घर्र –
2. टन – टन –
3. ट्रिंग – ट्रिंग –
4. झुन – झुन –
5. ठन – ठन –

6 - vk.Mk; vk;u yx ro fydk uk yx fdeVA

क. साड़ी – गाड़ी

ख. टर्र–टर्र – फर्र–फर्र

3. सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाओ।

क. पिल्ला कहाँ सोया था ?
(खाट के नीचे / खाट के ऊपर)

ख. फूल पर कौन बैठा था ?
(मधुमक्खी / कीड़ा)

ग. तालाब के किनारे कौन बैठा था ?
(मेंढक / चूहा)

घ. म्याऊँ कौन बोला ? बताओ।
(बिल्ली / पिल्ला)

4. कौन, किसका बच्चा है? रेखा खींचकर सही जोड़ी बनाओ।

क		ख
चूजा	–	कुत्ता
पिल्ला	–	मुर्गी
बछड़ा	–	भेड़
छौना	–	गाय
मेमना	–	हिरन

5. सोचकर बताओ।

तुम अपने आस – पास बहुत सी आवाजों को सुनते होगे। बताओं ये आवाजें किसकी हैं?

1. घर्र – घर्र –
2. टन – टन –
3. ट्रिंग – ट्रिंग –
4. झुन – झुन –
5. ठन – ठन –

6. एक जैसी ध्वनि वाले शब्दों का उच्चारण करो।

क. साड़ी – गाड़ी
ख. टर्र–टर्र – फर्र–फर्र

ग. आस – पास

घ. झट – पट

6 . बेनो–बेगा दोरकी तोर

डेडा 1	डेड़ा 2	जीव – जंतु
....	....	ताड़ाज
....	....	किरयाड़
....	....	ऐन
....	....	गोंड

7- fd l mMk dky

1. दोड़ इताद लिका तगा 12 टन जियात ना पेदेड आड़ सुडला जीवा ता पेदेड मिंजता। वान मेहकी पढ़ेम आयमूट।

हा	थी	गि	घो	ड़ा	म
गा	ऊँ	ल	में	ढ	क
य	ट	ह	लो	म	ड़ी
ब	क	री	ना	ग	धा
त	शे	र	हि	र	न
ख	र	गो	श	भा	लू

2. छापा तिन उमके पाड़ाट आड़ रंग कीस पेदेढ़ लिखा किमुट।

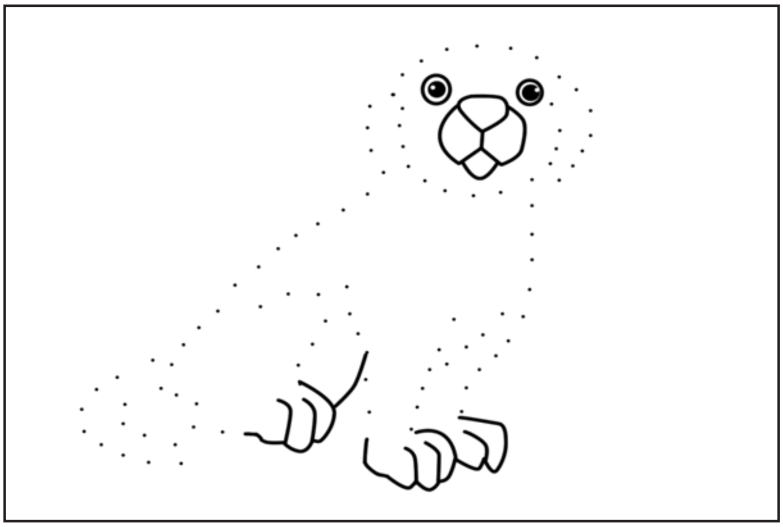

ग. आस – पास

घ. झट – पट

6. कौन – कहाँ मिलेगा

स्थान 1	स्थान 2	जीव – जंतु
....	....	साँप
....	....	तोता
....	....	हाथी
....	....	गाय

7. गतिविधि –

1. नीचे बने वर्ग में बारह पशुओं एवं जंतुओं के नाम छिपे हैं, ढूँढ़कर पढ़ो।

हा	थी	गि	घो	ड़ा	म
गा	ऊँ	ल	में	ढ	क
य	ट	ह	लो	म	ड़ी
ब	क	री	ना	ग	धा
त	शे	र	हि	र	न
ख	र	गो	श	भा	लू

2. चित्र पूरा करो एवं रंग भरकर उसका नाम लिखो –

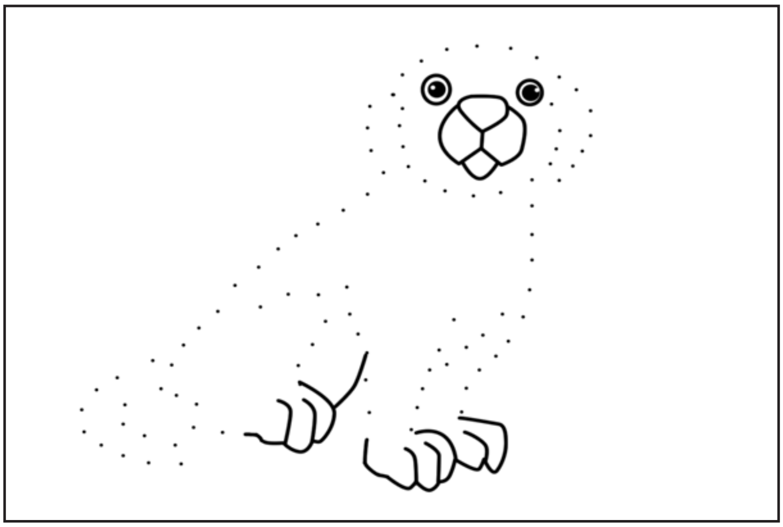

ikB&4

,Mt djlrk QVcky

डोय, उड़तोर, उका बक्का, गुमाम, टंडा, गोड़ाम

इड़गांम कालाम मत्ता। नरकोम ता वेड़दे सर तीड़यी गुमाम मत्ता। ओण्ड डुवाल ता पिल्ला मोददा आड़स रिंगोट आस नेडी माड़ा ता अडिन पटटी मत्ता।

इदी ऐड़ज नरकोम वेलया लाय पेईस मत्ता जाले आलसो मत्वा। अचूटेन ताना कोण्डा नेडी माड़ा अडीन अड़ता।

कोण्डा नाहकी आलस तोर आह। फूटबाल। आलसंतोर तेन करसी सुड़ून उब्बाम पेपिह तितान।

पाठ 4

Hkkyw us [kyh QVckWy

गर्मी, नजर, हड़बड़ी, कोहरा, फुर्ती, आफत

सर्दियों का मौसम था। सुबह का वक्त। चारों ओर कोहरा ही कोहरा। एक शेर का बच्चा सिमटकर गोल–मटोल बना जामुन के पेड़ के नीचे सोया हुआ था।

इधर भालू, साहब सैर पर निकल तो आए थे लेकिन पछता रहे थे। तभी उनकी नज़र जामुन के पेड़ के नीचे पड़ी।

आखें फैलाई, अक्ल दौड़ाई – अहा! फुटबॉल। सोचा, चलो इससे खेलकर कुछ गर्मी हासिल की जाए।

मूने, पेरके उड़वा एड़ज। डुवाल ता पिल्लान काल दे विगता। उक्का बक्का आस डुवाल पिल्ला कैयता आड़ ओण्ड माड़ा ता कोर दग लंगी वेंड़गता ।

जाले कोर उरंगता। ऐड़ज उब्बाय समझेम अत्ता।

आलसता आड़ मिर्री अंज कईक किन मुन्ने किस मिर्री ऐतता।

आव देखा न ताव। भालू जी ने पैर से उछाल दिया शेर के बच्चे को।

हड़बड़ी में शेर का बच्चा दहाड़ा और फिर पेड़ की एक डाल पकड़ ली।

मगर डाल टूट गई। भालू साहब जल्दी ही मामला समझ गए। पछताए, लेकिन अगले ही पल

दौड़कर फुर्ती से दोनों हाथ बढ़ाए और शेर के बच्चे को लपक लिया।

अरे इद बाता डुवाल पिल्ला वेण्डे पोर्रो ऐस्सालय केता रोइता।

ओण्ड तावा वेण्डे ऐड़ज दादाल पोर्रो ऐस्सा। रेण्ड तावा मुण्ड तावा आड़ गटटी –गटटी आयेन आनूर।

अरे यह क्या! शेर का बच्चा फिर से उछालने के लिए कह रहा था।

एक बार फिर भालू दादा ने उछाला। दो बार तीन बार फिर बार–बार यही होने लगा। शेर के बच्चे को

उछलने में मज़ा आ रहा था। परंतु भालू थककर परेशान हो गया था।

ओह, किस आफत में आ फँसा। बारहवीं बार उछालते ही भालू ने घर की ओर दौड़ लगाई और गायब हो गया।

डुवाल पिल्ला तिन नेकाय वेड़का वानूर । जाले ऐड़ज अवयी मंज किच्चा आस मत्ता। ओह बेद किच्चा ते टुंडतान बारा तावा पोर्रो ऐस्सी लोना मिर्रा लाय अर्र पोईता आड़ माइत्ता। इदाते डुवाल पिल्ला नेल अड़ता कोर वेण्ड उरंगता ।

अचूटेन अगा फर्र गुम तगा बुतो कियानोर वत्तोर आड़ डुवाल ता पिल्लान मुण्डा किया रोईतोर कोर उरीस इत्ती तड़ा दण्डूम।

डुवालता पिल्ला केत्ता–जामा सामड़ेम कोन आया ईम। नना इंजे वातान। पर्र दगा बुतो कियानोर अत्ता पेरके डुव पिल्ला वेण्डे अगा टिना मिरता। अद आलता–जीका मतके, नैकाय दोरकीता

अब की बार शेर का बच्चा धड़ाम से ज़मीन पर आ गया। डाल भी टूट गई।

तभी माली वहाँ आया और शेर के बच्चे पर बरस पड़ा – ''डाल तोड़ दी पेड़ की। लाओ हर्जाना।''

शेर के बच्चे ने कहा– ''ज़रा ठीक तो हो लूँ।'' माली ने कहा ''ठीक है।

मैं अभी आता हूँ।'' माली के वहाँ से जाते ही शेर का बच्चा भी नौ दो ग्यारह हो लिया। उसने सोचा– ''जान बची तो लाखों पाए।''

Kku rk mikV &

'kCnkFkZ

गोड़ाम = मुसीबत, गुमाम = धुंध, वेड़यदे = समय, धरबा =उस्प ने पोईतोर

vH;kl

1 - nkM fy[k fdrn fydk uk eryo viu ekVk rs dykVA

गुमाम, नरकोम, माईता नेल, उक्काबक्का, नेडी

2- nkM fy[kk iNk rk eykgVA

क. डूवाल ता पिल्ला माडा ता कोर बाड़ पोइता ?

ख. डुवाल ता पिल्ला बाड़ केईत्ता ?

ग. ऐड़ज साहव बाता माटत सेंगा आलसना ?

घ. ऐड़ज बाड़ केत्ता? ओह बाता गोड़ाम तरा तुण्डतान ?

3 - br rn fy[k fru ik<e vkl] ik<e vrrn oklkM rhu rVVkM jkIkV &

क. एड़ज नू डूवाल ता पिल्ला तीन पोर्रो ऐसता।

ख. डूवाल ता पिल्ला माड़ा ता कोर दीन पोईता।

ग. ऐड़ज वेय तन लोना मिर्रता।

घ. ऐड़ज साहेब नरकोम वेलया पेहीता ।

ड़. ऐड़ज नू डूवाल ता पिल्ला तिन लंगी पोईता।

4 - ekUrj@tkys ckys vkrk@ckys v;j erh&

क. ऐड़ज डुवाल ता पिल्ला तिन पोयोक ?

ख. डुवाल ता पिल्ला अगा टिना मिरोक ?

5 - fdl mMkV &

क. ऐडज डुवाल ता पिल्ला तिन पोर्रो ऐसता अचूट अद केईता ।
ताना केया नद लेंग बाले, ताक केयी तोहाट।

ख. दोड लिका कित तद बुतो तिन बाले कियानोड़, कक्षा तगा किस तोहाट।

लंगी पोयतानद इचाड़ ईड़सानद ओयोन/किस्कने	मोयानंद मोजा केरदानद उक तव गिसड़ी पिरानद

शिक्षण संकेत – पाठ आरंभ करने के पूर्व सर्दियों के मौसम और कोहरे के बारे में एवं ठंड से बचने के लिए किए जाने वाले उपाय के बार में चर्चा करवाएँ। साथ ही बच्चों के द्वारा खेले जाने वाले खेलों के विषय में बातचीत करें । पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

आफत = मुसीबत, कोहरा = धुंध, वक्त = समय, लपक = पकड़

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ ।

कोहरा, सुबह, गायब, जमीन, हड़बड़ी, जामुन

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो ।

क. शेर के बच्चे ने पेड़ की डाल क्यों पकडी ?

ख. शेर का बच्चा क्यों दहाड़ा ?

ग. भालू साहब किस बात पर पछताए ?

घ. भालू ने क्यों कहा – ओह! किस आफत में आ फँसा ?

3. दिए हुए वाक्यों को पढ़कर पढ़ी गई कहानी के क्रम में जमाओं –

क. भालू ने शेर के बच्चे को उछाल दिया।

ख. शेर के बच्चे ने पेड़ की डाल पकड़ ली।

ग. भालू ने घर की ओर दौड़ लगाई।

घ. भालू साहब सैर को निकले।

ड. भालू ने शेर के बच्चे को लपक कर पकड़ लिया।

4. क्या होता अगर –

क. भालू शेर के बच्चे को न पकड़ता ?

ख. शेर का बच्चा नौ दो ग्यारह न होता ?

5. करके देखो –

क. जब भालू ने शेर के बच्चे को उछाला, वह दहाड़ा।
उसके दहाड़ने की आवाज़ कैसी होगी, बोलकर दिखाओ।

ख. नीचे लिखे कामों को कैसे करते हैं ? कक्षा में करके बताओ।

लपकना कंघी करना दबे पाँव चलना	फेंकना मोज़ा पहनना धुले कपड़े निचोड़ना

6- **Moky rk fiYyk d:thgrk vi|u ekVkA**

डुवाल ता पिल्ला लोन अंज अपुन बाबो–यायोन अपुन वेसोड़ केता। अद बाता के जिहता इंगा केलाट।

7- **[ky&[ky** दे

क. फूटवाल दीन फूट वाल बाड़ केति तोड़?

ख. इतोता खेल दा पेदेड़ केलाट, अगा बाल ते करसा नोड़ ?

पिट्ठूल ....

8- **feok c>e r!**

इड़गाम ते नेयदा नाल डुवाल ता पिल्ला मोददा आस उददी मता।

मी विचार ते डुव दा पिल्ला इड़गाम ते नेयदालाय बाता–बाता उवाट किया परसो मता

9- **bMxke r! u;nkukn &**

ऐड़ज इडंगाम ते नेयदालाय फूटबाल करसालाय आलसता। इडंगाम ते नेयदालाय बाता बाता कितिड़ (✓) तान बेन्ने वाटाट।

क. मिर्रा नोड़ी

ख. मलगानव गिसड़ी केरस लोना उदी मंतिड़।

ग. कामड़ा मुच्ची तीड़।

घ. किस आरा नोड़ी

ड़. किड़ंग तद ऐर उन्टीड़।

च. कासतद ऐर ते मितीड़।

छ. कास–कास चाहा उन्टीड़।

6. शेर के बच्चे ने सुनाई आपबीती

शेर के बच्चे ने घर जाकर अपने माता–पिता को अपनी कहानी सुनाई। उसने क्या–क्या सुनाया होगा? बताओ।

7. खेल–खेल में

क. फुटबॉल को **फुट बॉल** क्यों कहते होंगे?

ख. ऐसे खेलों के नाम बताओ जिनमें **बॉल** (गेंद) का इस्तेमाल करते हैं।

पिट्ठूल ....

8. तुम्हारी समझ से

ठंड से बचने के लिए शेर का बच्चा गोल–मटोल सिमटकर बैठ गया था।

तुम्हारे विचार से शेर का बच्चा ठंड से बचने के लिए और क्या–क्या कर सकता था?

9. ठंड से बचना

भालू ने ठंड से बचने के लिए फुटबॉल खेलने की बात सोची। तुम ठंड से बचने के लिए क्या–क्या करते हो ? (✓) का निशान लगाओ।

क. दौड़ लगाते हो।

ख. गर्म कपड़े पहनकर घर में बैठते हो।

ग. रज़ाई ओढ़ते हो।

घ. आग तापते हो।

ङ. ठंडा पानी पीते हो।

च. गर्म पानी में नहाते हो।

छ. गर्म–गर्म चाय पीते हो।

2U6KDQ

ikB 5

prM phd

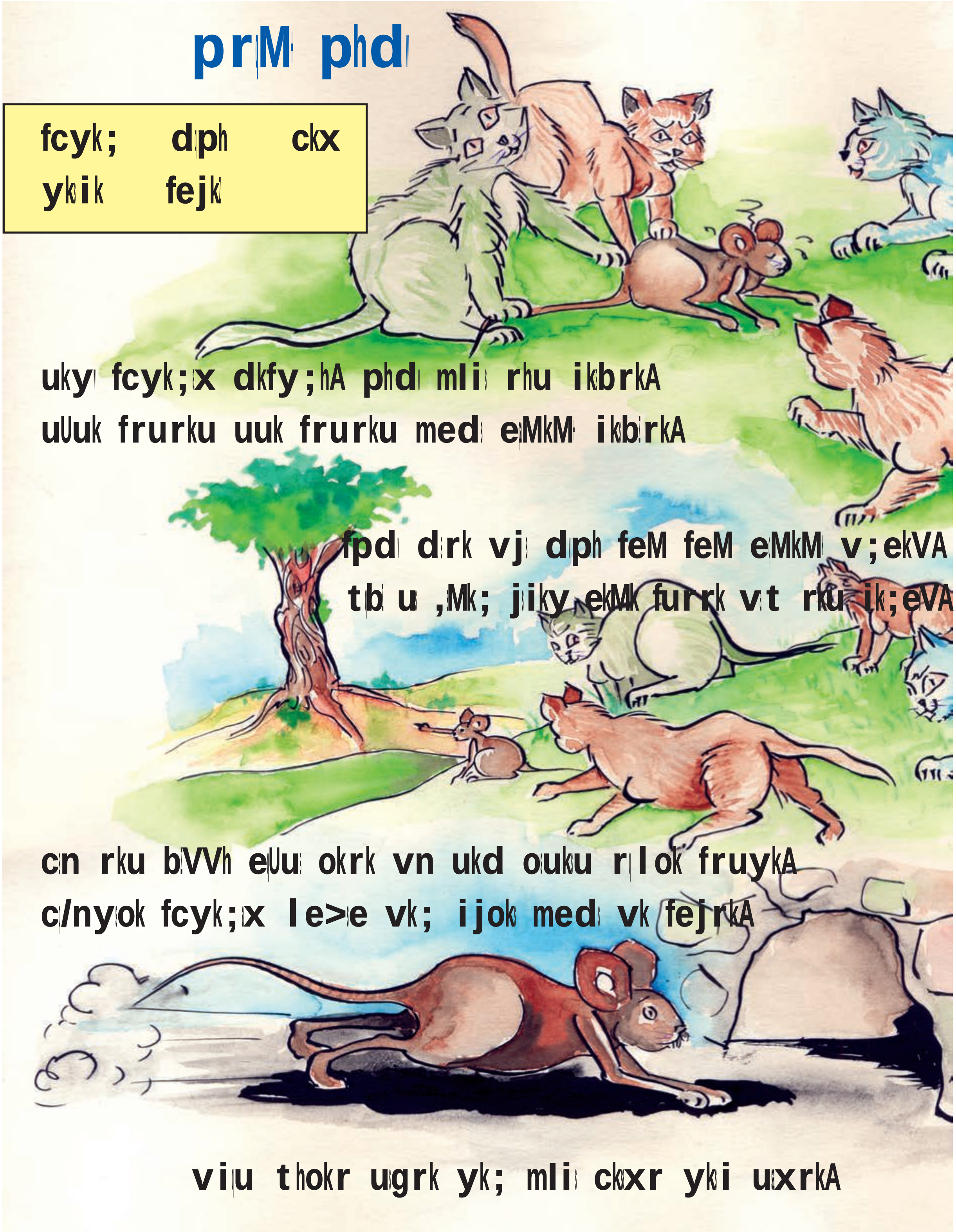

fcyk;	dph	ckx
ykik	fejk	

uky fcyk;x dkfy;hA phd mli rhu ikbrkA
uUuk frurku uuk frurku med eMkM ikbrkA

fpd drk vj dph feM feM eMkM v;ekVA
tb u ,Mk; jiky ekMk furrk vt rku ik;eVA

cn rku bVVh eUu okrk vn ukd ouku rlok fruykA
c/nyok fcyk;x le>e vk; ijok med vk fejrkA

viu thokr ugrk yk; mli ckxr yki uxrkA

ikB 5

pkykd phd

बिल्ली मौसी हिस्सा
अंदर दौड़

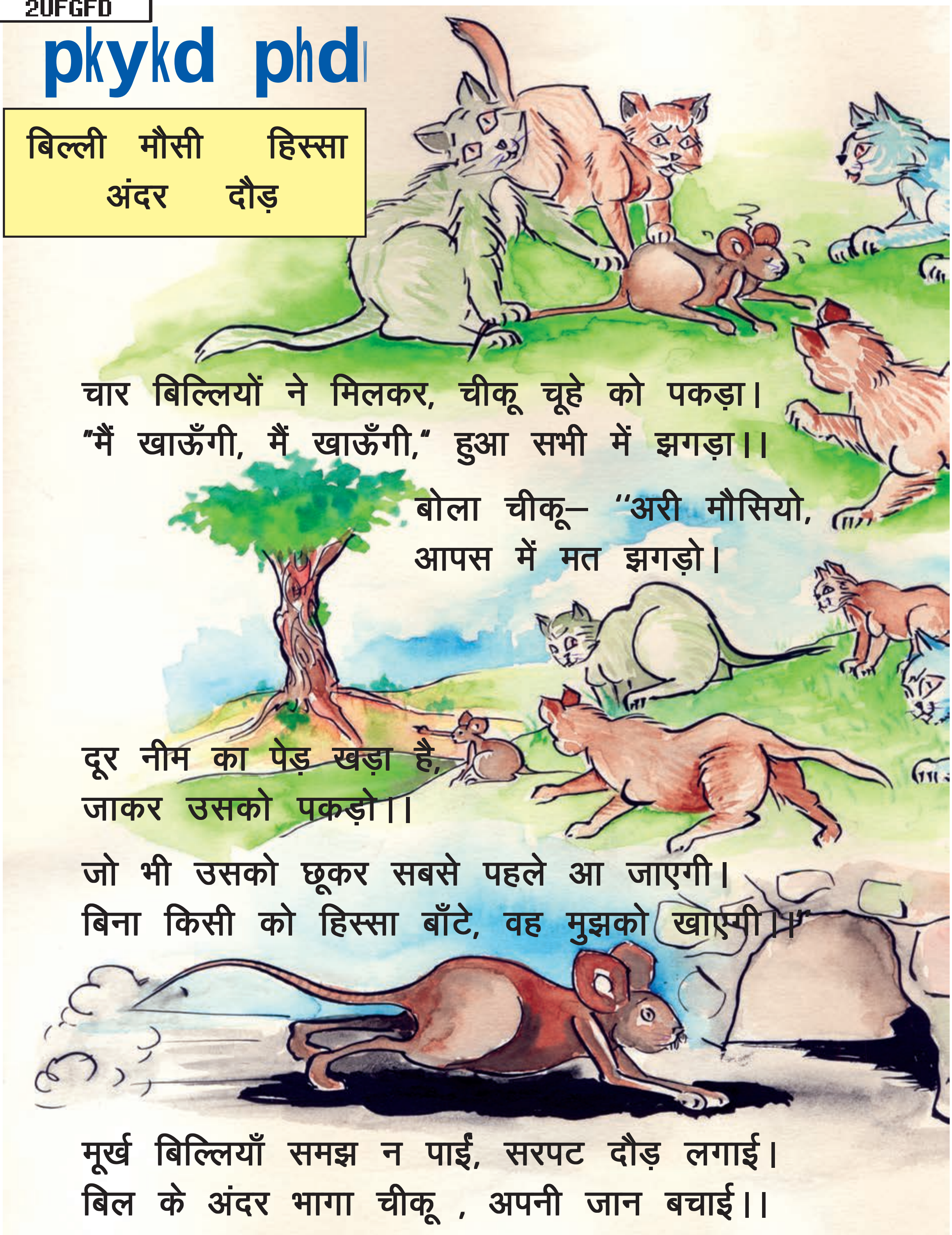

चार बिल्लियों ने मिलकर, चीकू चूहे को पकड़ा।
"मैं खाऊँगी, मैं खाऊँगी," हुआ सभी में झगड़ा।।

बोला चीकू– "अरी मौसियो,
आपस में मत झगड़ो।

दूर नीम का पेड़ खड़ा है,
जाकर उसको पकड़ो।।

जो भी उसको छूकर सबसे पहले आ जाएगी।
बिना किसी को हिस्सा बाँटे, वह मुझको खाएगी।।"

मूर्ख बिल्लियाँ समझ न पाईं, सरपट दौड़ लगाई।
बिल के अंदर भागा चीकू , अपनी जान बचाई।।

f'k{k.k ldr &ikV olkM ikMe vk;ku eUu mli vkM foyk; rk cre rk ekVk fiYyku lx ogkVA jklh et todh todh clkM ikVk rhu ikMe v;eV rku ijd fiYyku lx vk;u ikjk dykVA mli uk lrM ekVk fiYyku lx iNk fdeV@ vkM fydk fd;k dykVA vkM tkp fdeV@ xyrh vr rnhu uyk jklk dYkkVA ikV rxk orrn fydk rk iuon fy[k rk eryc dYkkV

vH;kl

1- nkM fydk fdrnr fydk rk eryc viu ekVk r dykV &

बिलाय, कूची, बाटा, लोपा, उप्पे, माड़ा

2- ikMe vkl le>e vk;eV &

बिलाय	–	बिलायंग	मुत्ते	–	मुत्ते
ताली	–	....	ठेगा	–	....
आरी	–	....	गिसीड़	–	....

3- olkM ikVk rx co fydk rxk ^M* ork vn fydk fru vkph et fydk fdeVA

मिर्रा ______ ____________ ____________

4- fydk rd or rn fru MkM fdeV &

नना बे दाया मुंतान? मनाल बे दाया मुंताल?

मिड़ बे दाया मुंतिड? मिड़ मानेय बे दाय मुंतिड़?

ओर बे दायमुतोर? ओड़ बे दाय मुंतोड़?

5. आसली/ऐजाकीस केलाट –

1. पाटा वे सोड़ तीन वेसोड़ ले केलाट?
2. उप्पे आड बिलाय ते बेनो दिब्बे सतुड़ मत्ता?
3. उप्पे बिलायांग ते नेयदालाय आड़बाता उवाट किया परदानद मत्ता?

शिक्षण संकेत – कविता पठन के पूर्व चूहे तथा बिल्ली के स्वभाव को लेकर बच्चों से बातचीत करें। लय तथा अभिनय के साथ कविता को प्रस्तुत करें। फिर बच्चों से उसी तरह दुहराने को कहें। चूहे की चालाकी के संबंध में बच्चों से प्रश्न करें। अभ्यास माला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। उत्तर की जाँच करें। गलत उत्तरों को पुनः सुधारने के लिए कहें। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताएँ।

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

बिल्ली, मौसी, हिस्सा, अंदर, चूहा, पेड़

2. पढ़ो और समझो।

बिल्ली	–	बिल्लियाँ	नारी	–	नारियाँ
ताली	–	....	लाठी	–	....
आरी	–	....	साड़ी	–	....

3. कविता के जिन शब्दों में 'ड़' वर्ण आया है, उन शब्दों को छाँटकर लिखो।

दौड़   ———   ————   ————

4. वाक्यों में आए परिवर्तन को रेखांकित करो।

मैं कहाँ जा रहा हूँ ?	हम कहाँ जा रहे हैं ?
तुम कहाँ जा रहे हो ?	तुम लोग कहाँ जा रहे हों ?
वह कहाँ जा रहा है ?	वे कहाँ जा रहे हैं ?

5. सोचकर बताओ –

1. कविता को कहानी में सुनाओ ।
2. चूहा और बिल्ली में कौन अधिक चालाक था?
3. चूहा बिल्लियों से बचने के लिए और क्या तरीका अपना सकता था?

6 · ik<e vk;eV vkM le>e v;eV &

7. छापा पाड़ाट आड़ ताना वेसोड़ लिका किमूट (बेदे ओण्ड)

बिलाय, उप्पे, मोलोड़

- -

- -

- -

6. पढ़ो और समझो।

7. चित्र बनाओ और उसके बारे में लिखो – (कोई एक)

बिल्ली, चूहा, खरगोश

33F89I

ikB & 6

iRrs vkM+ ,u

pkMk yMkbZ rjlk rjlh Ånkun fcrh mik; vdy

ओण्ड रानी (डेड्ड़ा) पेत्ते मत्ता। साड़ोत सेगांत अद दिनल गुप्पते आनूर। उमके पेत्ते तान संग अन्नू।

अद गुप्पते ओन्ड ऐन मनूर अद दिनाल तिड़िसो मूनूर। बेन टिन इद माड़ात ऊर्रीनूर बेनटिन अद माड़ा तिन ऊर्री नूर। उचूक तिनूर, आदो ऐसनूर आदो ऐसनूर। लाटूम सोंडाते ऐर निहनूर आड़ ऐर मिनूर। अवूर मावक किव ऐर ते मिहनर। माव किन संग वेण्डे नाह सान ले तुरसान ले किनूर। उमकेड़ तान संग वेर्रीनूड़।

तान संग बेनोर बाड़ इंजो केलवा मनूड। ऐनीन संग सोबेड़ वेरयी नूड़। तान बेनोर बाताय इंजोर केलवा मनूड़ा एनीन संग सोबेड़ आपेत ते मनूड़। ओण्ड दिना ता माटा। रानी पेत्ते ऐनीन संग कालियैता। आड़ केता, निम नाटोड़ किन आपेत किती इद नेल्ला अयो। ऐन केता कोटो मन्न। सुडीला जीवा बितवेंड माटा।

पाठ 6

चींटी और हाथी

सूँड़	जंग	धक्का–मुक्की	फूँक	बित्ता	जुगत	अक्ल

एक रानी चींटी थी। भोजन की तलाश में वह रोज जंगल जाती। सभी चींटियाँ उसके साथ जातीं।

उस जंगल में एक हाथी रहता था। वह दिनभर घूमता रहता था। कभी इस पेड़ को तोड़ता, कभी उस पेड़ को तोड़ता। कुछ खाता, कुछ फेंक देता। लंबी सूँड़ में पानी भरता और नहाता। दूसरे जानवरों को पानी से भिगोता। जानवरों से वह धक्का–मुक्की भी करता, चींटियों को मसल देता। सभी उससे डरते थे। उससे कोई कुछ न कहता। हाथी से सभी तंग थे।

एक दिन की बात है। रानी चींटी हाथी से मिली। वह बोली, ''तुम दूसरों को सताते हो, यह ठीक नहीं।''

हाथी बोला, ''चुप रह! छोटी–सी जान, बित्ता भर जुबान। मेरी मर्जी, मैं चाहे जो करूँ।

नावा मन नना बाताय वेण्डे कितान ।

रानी पेत्ते केता डुवाल तीन सेगा केच्चीतान।

ऐन कवस केत्ता डुवाल तीन संग बाता केतीती?

अद नवा लाव दे मुखिया पेददाल बनेय अतोर। रानी पेत्ते कोटो अता। अद रोंडा तग अंज मिंजता। ऐनी इ आह तिड़िसोर मता। रानी पेत्ते किश्कने मोसोर सोड़ा तगा नेंगता। एनी अपून वेड़का ते मत्ता। पेत्ते सुडूम ताले लोपाय नेंगसोर अत्ता। इदाम रानी पेत्ते ऐन ता सुडूम तीन कच्चा रोइता। ऐनी आपेत आया रोईता। अचूटे लाव दे सोंडूम तीन उकनूर। इंदनूर उदनूर । बेददे उवाट काम किवो। रानी पेत्ते कचसो के मता । ऐनी इंदता। अचूट रानी पेत्ते केत्ता वेड़का वत्ता पापा। इंजे बाड़ केयीती ? रानी पेत्ते ऐनी न कच्चसोर मत्ता। ऐन कुड़िता। केता पेत्ते रानी पेत्ते रानी मापी किम मापी किम इंजे बेनोन के आपेत किवोन। बेनोन के सुडला समझेम अयोन। रानी पेत्ते आलसता ऐन तीन इंजे बुध्द वता। रानी पंत्ते सोंडूम तीन दुवाते पेईत्ता आड़ केत्ता, ऐन दादा। ऐन दादा। वेलाम अवूर अता। ऐन सुडूम लेहस तलात उहता।

शिक्षण संकेत– पाठ तगा वेसोड़ता ज्ञान माटा ता मोला कीन पिल्लान समझ किमूट अवूर सुडला–सुडला वेसोड़ ते पिल्लान केंजा लाय रूप किमूट। नाटेना बतेम तीन आलसी मंज वे सोड ता मोला केलाट। पाट तगा वत तद पुनवर लिखा (कठिन शब्द) ऐजा लेवा, लिखा तिन ऐजा किस ओडाय माटा ले केल्लाट।

रानी चींटी बोली–''शेर जी से कह दूँगी।''
हाथी हँसकर बोला,
''शेर से क्या कहेगी ?
वह मेरे दम पर मुखिया है।''

रानी चींटी चुप हो गई। वह घास में जाकर छिप गई। हाथी इधर– उधर घूम रहा था।

रानी चींटी चुपके से उसकी सूँड़ में घुस गई। हाथी अपनी मौज में था। चींटी सूँड़ के अंदर घुसती ही गई।

अब रानी चींटी ने हाथी की सूँड़ को काटना शुरू किया। हाथी परेशान होने लगा। उसने जोर–जोर–से सूँड़ पटकी। फूँक लगाई। कोई जुगत काम न आई। रानी चींटी ने काटना बंद नहीं किया। हाथी चीख पड़ा।

तब रानी चींटी बोली, "आया मजा बच्चू! अब क्यों रोते हो ? आई नानी याद ?"

रानी चींटी हाथी को काटती रही। हाथी गिर पड़ा। बोला, ''चींटी रानी, चींटी रानी! माफ करो, माफ करो। अब किसी को नहीं सताऊँगा। किसी को छोटा न मानूँगा।'' रानी चींटी ने सोचा, "हाथी को अब आई अक्ल"। रानी चींटी सूँड़ से बाहर आई; बोली, ''हाथी दादा! हाथी दादा! जमाना बदल गया है।''

हाथी ने सूँड़ उठाकर हामी भरी।

शिक्षण संकेत – पाठ में निहित उद्देश्य एवं मूल्य को बच्चों को समझाएँ। अन्य छोटी–छोटी कहानियों से बच्चों में सुनने की क्षमता विकसित करें। स्थानीय परिवेश को ध्यान में रखते हुए कहानी में निहित मूल्यों का ज्ञान कराएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों का अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

'kCnkFk

आपेत	=	आपेत किनूर	= बेड़का	=	मस्ती
बेंजेर	=	जीभ	= उवाट	=	तरकीब, उपाय
मन	=	इच्छा	= हामी भरना	=	ओ इंपो तलात उहना

vH;kl

1 . दोड़ लिका ना मतलब अपून माटा ते केलाट –

सुडूम, मुंड़ाड, नाहसनूर, उदा, उवाट, बुध्द

2 . केल्लाट बेद माटा निज्जाम आड़ बेदद फंद।

क. उमके पेत्ते रानी पेत्तेन संग गुप्पते अन्नू। (––––––)

ख. ऐन माव कीन संग मया किसो मत्ता। (––––––)

ग. रानी पेत्ते किस्करे ऐन ता सोंडा तगा नेंगता। (––––––)

घ. गुपा ता माव रानी पेत्तेन संग आपेत आनूड़। (––––––)

3. उल्टे अर्थ वाले शब्दों को पढ़ो व समझो –

नेल्ला	–	ओप्पो	लोपा	–	दुवाते
पोरो	–	दोड़	दुकाम	–	सुकाम
दिब्बे	–	सुडून	बिड़िया	–	सुडला

4. नीचे लिखे शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे करो –

ऐत सोडा तोका काल रेक्का मुकुर पल्क कोण्डा

क. किरयाड़ ता .... नेतुर रंग मन्ता।

ख. ऐन ता .... लाटुम मंता।

गा. पिटटे ता रेण्ड़ .... मंता।

घ. मावक ना नालू .... मंता।

ड़. नई दा .... वंगम मंता।

च. ऐन ता केवक .... नाले मंता।

छ. ऐनता .... बिड़या–बिड़या मंता।

ज. ऐम ता .... सुड़िला मंता।

शब्दार्थ

सताना	=	तंग करना	मौज	=	मस्ती
जुबान	=	जीभ	जुगत	=	तरकीब, उपाय
मर्जी	=	इच्छा	हामी भरना	=	हाँ कहना

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ–

सूँड़, जंग, धक्का–मुक्की, फूँकना, जुगत, अक्ल

2. बताओ, कौन–सी बात सही और कौन–सी गलत है।

क. सभी चींटियाँ, रानी चींटी के साथ जंगल जाती थीं।(––––––)

ख. हाथी जानवरों से प्यार करता था। (––––––)

ग. रानी चींटी चुपके से हाथी की सूँड़ में घुसी। (––––––)

घ. जंगल के जानवर रानी चींटी से परेशान थे। (––––––)

3. उल्टे अर्थ वाले शब्दों को पढ़ो व समझो –

अच्छा	–	बेकार	भीतर	–	बाहर
ऊपर	–	नीचे	दुखी	–	सुखी
ज्यादा	–	कम	बड़ा	–	छोटा

4. नीचे लिखे शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे करो –

सूपा	सूँड़	पूँछ	पैर	पंख	चोंच	दाँत	आँखें

क. तोते की –––––––––––––– लाल होती है।

ख. हाथी की –––––––––––––– लम्बी होती है।

ग. चिड़िया के दो –––––––––––– होते हैं।

घ. जानवरों के चार –––––––––––– होते हैं।

ङ कुत्ते की –––––––––––––––– टेढ़ी होती है।

च. हाथी के कान ––––––––––––– जैसे होते हैं।

छ. हाथी के –––––––––––––––– बड़े–बड़े होते हैं।

ज. हाथी की –––––––––––––––– छोटी होती हैं।

5. fd l mMkdky %&

अपुन मोदोल ता अवूर वेण्ड़ी सुड़िला वेसोड़ कक्षा तगा केंजाहाट।

6- vky lh et dykV &

इदाम ते पेत्ते आड़ ऐन कलित के इह काह के बाता माटा वेहतीतोड़ ?

.... ।

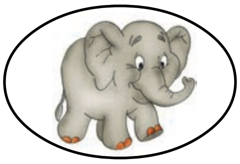

.... ।

.... ।

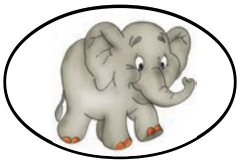

.... ।

7- iRRk x|ik rx ckrk&ckrk fr r rk bxk\ feM ckrk&ckrk frufrM\

....

....

....

....

....

5. गतिविधि :–

आसपास की अन्य छोटी कहानियाँ कक्षा में सुनाओ ।

6. सोंचकर बताओ –

अगली बार जब चींटी और हाथी मिलेंगे तो आपस में क्या बातचीत करेंगे ?

.... ।

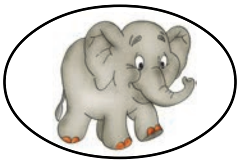

.... ।

.... ।

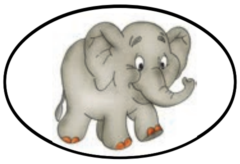

.... ।

7. चींटी ने जंगल में क्या – क्या खाया होगा ? तुम क्या – क्या खाते हो ?

....

....

....

....

....

8. पेत्ते तीन गुप्पतग तिन्दा लाय अवूर बाता–बाता दोरकता इंगा okuk isnsM+ fy[kk fdeVA

....

....

....

....

9 . गुपा ता फोटो पाडी रंग भोरा किमूट –

8. चींटी को जंगल में खाने के लिए और क्या – क्या मिला होगा, उनके नाम लिखो।

....

....

....

....

9. जंगल का चित्र बनाकर रंग भरो –

33XZCT

ikB& 7

t|eyk rk yko

ihdky ikMok MkMk uy vkxyhrhun oVkrkj
fdLehun xku vkM Ik;rk e|;rkj tkgkj

गुपा तग ओण्ड पिकोल माड़ा मता। अद माड़ा तग नैकाय दीब्बे पाड़ेवा मता। पाड़ेवा पैयाल अपून साड़ो मेहकालाय पारिसो मंता। नरका अतके अव उमके पिकोड़ माडा तग मलनू।

ओण्ड़ दिन ता माटा। पारेवा साड़ो मेहकालय पारिइता। सुडुन ऐड़ाय अंज ओण्ड सुडिला पाड़ेवा के ता उड़ाट आह उड़ाटा। नेल दगा बेचोर साड़ो फर्र ने मेंदे। उमके पाड़ेवा आह उड़ा मुन्ता। अवी किन नेल तगा नेकाय पेड़ेक तोंदता। अव उसतोम उसतोम दोड़ डिगा रोईता। अचूटे ओण्ड मुसेल (मुयतोर) परेवा केता, कोठटो कोठटो। इंजे अग्गा अनमाट। गुपा ते इच्चोर पेड़ेक बेग्गा टीना वत्ता?

अवूर पाड़ेवा केता, बेगाय टीना वेण्ड़े वावी वड़ाट मनाल सोबेड़ पेड़ेक तीन्दा काल। पारेवा नेल डीगता। अव पेंड़ेक तिन्दा मुयता। जाले मुसेल पारेवा अवी किन संग अनो। अद ऐड़ाय तीना उड़सो मत्ता। पाड़ेवा पोट्टा पंजना पेड़ेक कीन तितता। आड़ अव पारिया मेंहका रोइता जाले पारिया परवो। अव जाल तग (तुण्डी) फसेम। आस मनू पारेवा केया रोईता, तेवाट तेवाट मोमो जाल तग फसेम अतोम।

पाठ 7

एकता का बल

पीपल	कबूतर	भोजन	धरती	चिल्लाना	बहेलिया	
क्षमा	इशारा	मित्र	उन्हें	मदद	बूढ़ा	धन्यवाद

जंगल में पीपल का एक पेड़ था। उस पेड़ पर बहुत–से कबूतर रहते थे। कबूतर दिनभर भोजन की खोज में उड़ते रहते। रात होने पर वे सब पीपल के पेड़ पर लौट आते।

एक दिन की बात है। कबूतर भोजन की तलाश में उड़े। थोड़ी दूर उड़ने पर एक छोटा कबूतर बोला, ''देखो, उधर देखो। धरती पर कितना दाना बिखरा पड़ा है।''

सभी कबूतर उधर देखने लगे। उन्हें धरती पर बहुत–सा दाना दिखाई पड़ा। वे धीरे–धीरे नीचे उतरने लगे।

तभी एक बूढ़ा कबूतर बोला, ''ठहरो, ठहरो। अभी वहाँ मत जाओ। जंगल में इतना दाना कहाँ से आया?''

दूसरा कबूतर बोला, ''कहीं से भी आया हो। आओ, हम सब मिलकर दाना चुगें।''

कबूतर धरती पर उतर गए। वे दाना चुगने लगे। पर बूढ़ा कबूतर उनके साथ नहीं गया। वह दूर से ही देखता रहा। कबूतरों ने पेट भर दाना खाया। अब वे उड़ना चाहते थे, पर उड़ न सके। वे जाल में फँस गए थे। कबूतर चिल्लाने लगे, ''बचाओ, बचाओ, हम जाल में फँस गए हैं।''

अचूट ओण्ड पाड़ेवा केईता– ओ उड़ाट। अर्रे अरे कोन बेबतोर ओर मन किन माकिन पोयता वाया रोईतोर। मुसेल पाड़ेवा केतोर मिड़ आलासमाट। सोबेड कालई लाव किमूट। जाल दीन पोई स पारयाट। उमके पाड़ेवा कालई लाव कित्ता। जाल सुडून पोर्रो तेदाम पाड़ेवा अवूर लाव कित्ता। इदाम पाड़ेवा जाल दीन पोईस पारीया रोईता।

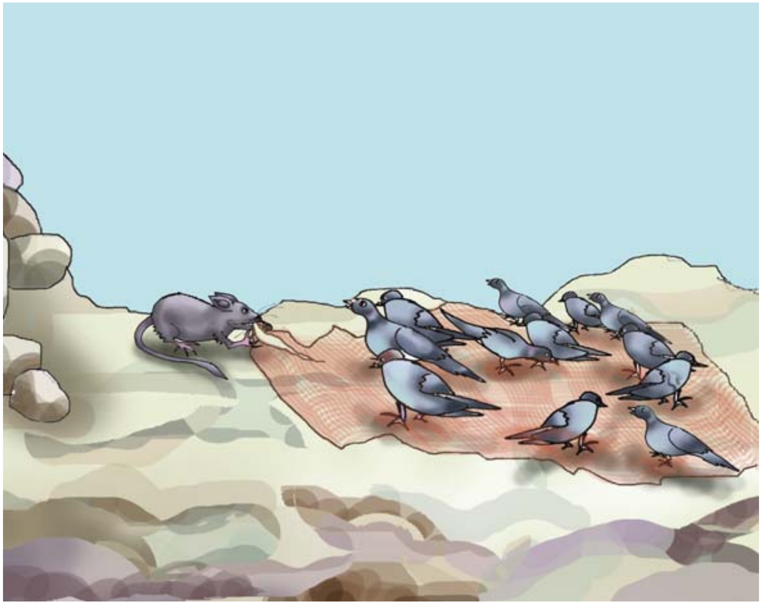

मूसेल बुढा पाड़ेवा मुन्ने–मुन्ने पारिसो मनूड़। उमके पाड़ेवा ताना पेरके मत्ता। मूसेल बुढा पाड़ेवा अवी कीन पोईस ने काय ऐड़ाय पारित्ता। ओर ओण्ड़ किरके मोरके लोत ता तोहतोर। ओर केत्तोर, इगा ओण्ड़ उप्पे मंदानोर ओर नावा गोत। ओर माकीन सहायता कितोर। इगाय डिगाट। मूसेल पाड़ेवा उप्पे कंरगतोर। उप्पे जाल दीन कदिईता। पारेवा जाल दिना पेड़ेवाल माफी तालसा। आड़ धन्यवरद इत्ता।

f'k{k.k ladr & जुमला ता अर्थ पिल्लान केतानद। कक्षा तग मेदद टेबल तिन ऐवितिलय पेकोड़क केलाहट। वेण्ड़े अदे टेबल तिन ओरे पेकान संग ऐहुड़ पेकोड़ काल पि मंज ऐवाट। पेकोड बाता महसूस कितोड़ तान कक्षा ता आउर पेकोड़ संग तुसाट। जुमला वेन्डे आउर वेसोड़ कक्षा तग केजादत। तीपल भावना किन पेकोड़ा माटा ते केलाहट।

तभी एक कबूतर चिल्लाया, ''उधर देखो। अरे, अरे, वह तो बहेलिया है। वह हमें पकड़ने आ रहा है।''

बूढ़ा कबूतर बोला, ''घबराओ मत। सब मिलकर जोर लगाओ। जाल को लेकर एक साथ उड़ चलो।''

सभी कबूतरों ने मिलकर जोर लगाया। जाल कुछ ऊँचा उठा तो कबूतरों ने और जोर लगाया।

अब कबूतर जाल लेकर उड़ने लगे। बूढ़ा कबूतर आगे–आगे उड़ रहा था। सब कबूतर उसके पीछे थे।

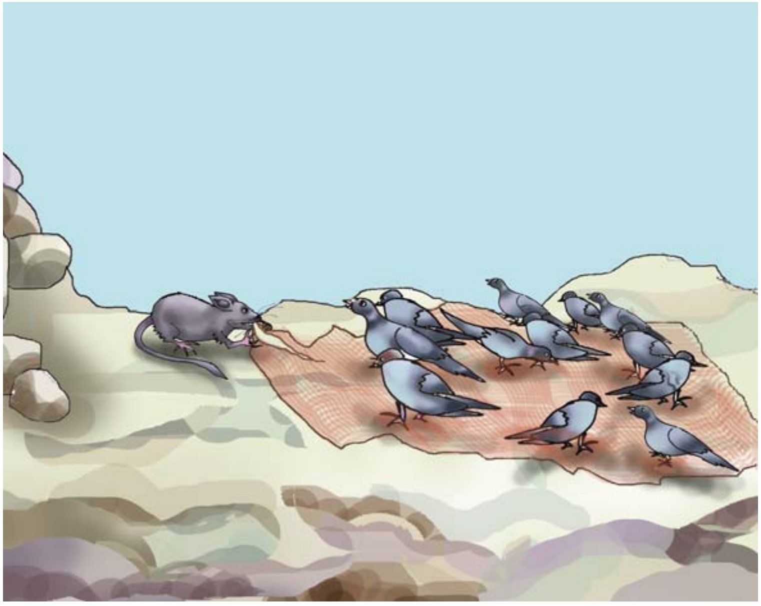

बूढ़ा कबूतर उन्हें लेकर बहुत दूर उड़ गया। उसने एक टूटे–फूटे मकान की तरफ इशारा किया। वह बोला, ''यहाँ एक चूहा रहता है। वह मेरा मित्र है। वह हमारी मदद करेगा। यहीं उतर जाओ।''

बूढ़े कबूतर ने चूहे को बुलाया। चूहे ने जाल काट दिया। कबूतर जाल से निकल आए। उन्होंने चूहे को धन्यवाद दिया। सभी कबूतरों ने अब बूढ़े कबूतर से क्षमा माँगी और उसे धन्यवाद दिया।

शिक्षण संकेत – एकता का अर्थ बच्चों को बताएँ। कक्षा में रखी मेज को किसी एक बच्चे से हटाने को कहें फिर वही मेज उस बच्चे के साथ पाँच अन्य बच्चे मिलकर हटाएँ। बच्चे ने क्या महसूस किया उसे कक्षा के अन्य बच्चों से साझा करवाएँ। एकता की कोई अन्य कहानी कक्षा में सुनाएँ। कठिन भावों को बच्चों की भाषा में स्पष्ट करें।

'kCnkFk

काल	=	माफी	मेहकानद	=	सहायता
संगतोर	=	बागुड़	बहेलिया	=	वेटा मनेय

vH;kl

1- okM fy[kkfdro 'kCnk fdu vFk vi|u ekVk r dykgV &

बहेलिया, क्षमा, इशारा, मदद (वेटा मनेय, माफी, किश्मिनद, सहायता)

2- nkM fy[kkfdro i'uk uk mRrj dykgV &

क. पड़ेवा बेगा मन्जो मत्ता?

ख. उडला पड़ेवा बाता तनिन उड़ता?

ग. मुयतोर पड़ेवा आऊर पड़ेवा किन संगे बाड़ अंनो?

घ. पाड़ेवा बाड़ परया परवो?

ड़. मुयतोर पड़ेवा सबेड़किन पोईस बे ओत्ता?

च. उमके पड़ेवा मुयतोर पड़ेवातिन बाड़ माफी तालप्ता?

3- ekok lgk;rk rkM cuk&cuk enMA

डोडा सेंगा ....

मेन्दुत सेंगा ....

ज्ञान सेंगा ....

गिसड़िन ....

4 - fuTke 'kCn ¼✓½ vkph ert fpUg okVVkA

(अनम, भूम, सहायता, क्षमा, बागुड़)

क. नेकाय दिब्बे अनम .... फार्र आस मत्ता। (भूम, मांयोल)

ख. गुफा तग इचोर .... बेगा टिना वत्ता? (अनम, डोडा)

ग. पड़ेवा .... नन ईरकतान (बागुछ़, चिकता)

घ. उप्पे मावा .... कीता। (सहायता, दया)

ड़. पड़ेवा मुयतोर पड़ेवा तिन ....तालप्ता। (क्षमा, सहायता)

शब्दार्थ

पाँव = पैर, क्षमा = माफी, तलाश = खोज, मदद = सहायता
मित्र = दोस्त, बहेलिया = जाल बिछाकर पक्षियों को पकड़ने वाला।

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

बहेलिया, क्षमा, इशारा, मदद

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. कबूतर कहाँ रहते थे ?

ख. छोटे कबूतर ने क्या देखा ?

ग. बूढ़ा कबूतर दूसरे कबूतरों के साथ क्यों नहीं गया ?

घ. कबूतर क्यों नहीं उड़ सके ?

ङ बूढ़ा कबूतर सबको लेकर कहाँ गया ?

च. सभी कबूतरों ने बूढ़े कबूतर से क्षमा क्यों माँगी ?

3. हमारे मददगार कौन – कौन हैं –

भोजन के लिए – ....

स्वास्थ्य के लिए – ....

शिक्षा के लिए – ....

कपड़ों के लिए – ....

4. सही शब्द चुनकर ✓ का निशान लगाओ।

(दाना, धरती, मदद, क्षमा, जाल)

क. बहुत–सा दाना ————————— पर बिखरा था। (धरती, आसमान)

ख. जंगल में इतना ————————— कहाँ से आया ? (दाना, खाना)

ग. कबूतर ————————— में फँस गए। (जाल, कीचड़)

घ. चूहा हमारी ————————— करेगा। (मदद, दया)

ङ कबूतरों ने बूढ़े कबूतर से ———————— माँगी। (क्षमा, सहायता)

5- ड, ढ़, त्र. क्ष, अक्षर 'से' बनला जोटक गोटक शब्द डगरय करी लिखा

________ ________ ________ ________

6- futke rhu dkyih et ekVk ikMkV vkM dykV

क. पारेवा – बागुड़ कदिसिता।

ख. उप्पे – मुने मुने पारिसो मत्ता।

ग. परेवाकिन – पाकोड़ माड़ा तग मनूर।

घ. मुरातोर पारेवा – उप्पे तीन नेल्ला केतोड़।

7- i<evk;eV vkM le>evk;eVA br ro v{kj fdu rku ydu ikMhet fy[kkfdeV &

मुयतोर	–	मुयतोड़	मूयतोड़
उप्पे	–	________	________
गधा	–	________	________
गुर्राम	–	________	________

8 - brkn Nkik rhu fprk fdl ekVk ikMV &

पड़ेवा माड़ा तगा मनता

पड़ेवा .... कोकिता

....

....

....

5. ड़, ढ़, त्र, क्ष वर्णों से बने एक–एक शब्द खोजकर लिखो।

———————— ———————— ———————— ————————

6. सही मिलान कर वाक्य बनाओ और बोलो –

क.	कबूतर	–	जाल काट दिया।
ख.	चूहे ने	–	आगे–आगे उड़ रहा था।
ग.	कबूतरों ने	–	पीपल के पेड़ पर रहते थे।
घ.	बूढ़ा कबूतर	–	चूहे को धन्यवाद दिया।

7. पढ़ो और समझो। दिए गए शब्दों के अनुसार शब्द बनाकर लिखो।

बूढ़ा	–	बूढ़े	–	बूढ़ों
चूहा	–	———————	–	———————
गधा	–	———————	–	———————
घोड़ा	–	———————	–	———————

8. दिए गए चित्र को पहचानकर वाक्य बनाओ –

कबूतर पेड़ पर रहता है ।

कबूतर .... चुगता है ।

....

....

....

9 . छापा उड़ी वेश मंज वेसोड़ पाड़हट।

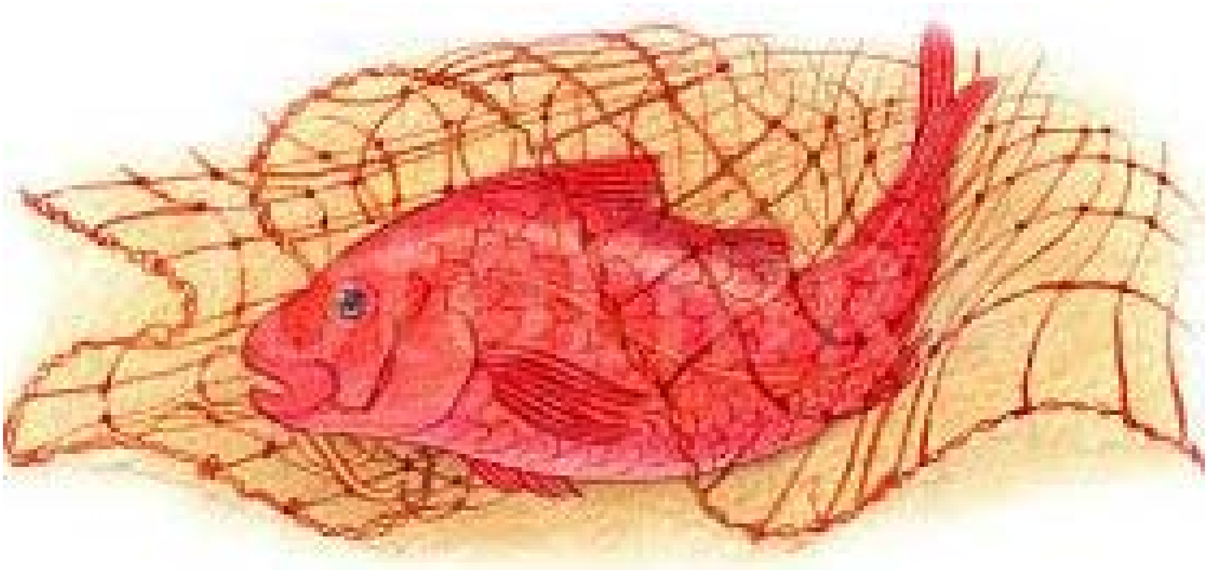

9. दिए गए चित्र पर चर्चा कर कहानी बनाओ।

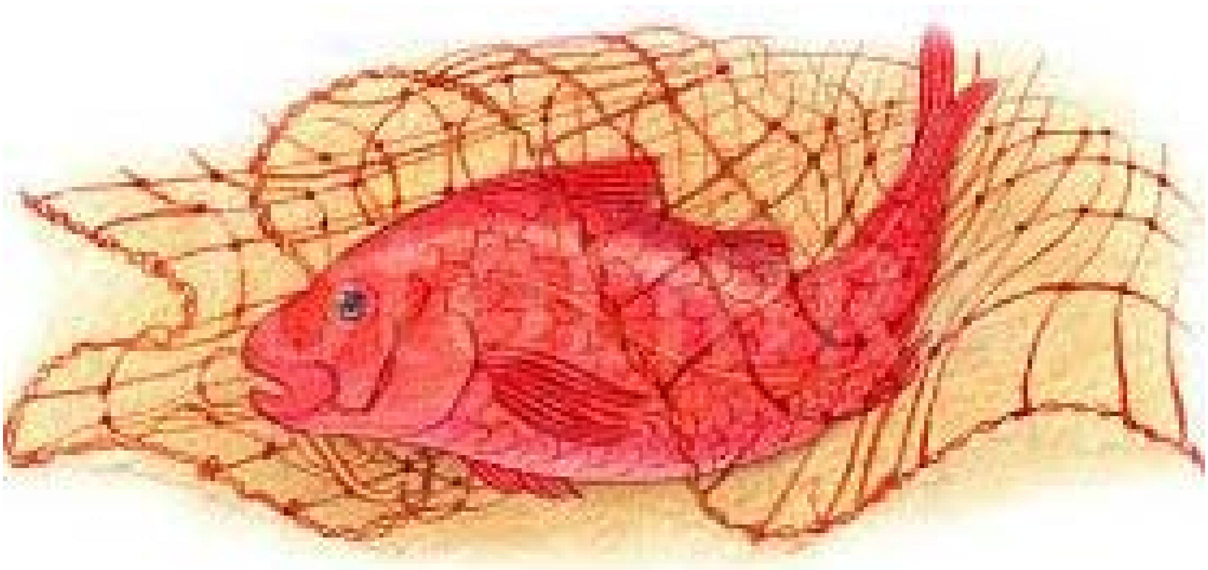

34GRG4

ikB&8

cuk \

लेंज	ऐरडडावहता	मूसमूस
प्रश्न	ऐडता	बिमलविल

लेंज इलोक कचोन नरखा।
मनाक दिशा तोतितोर बेनो ?
पोड़द इलोक कचोन पेयाल
सोन इना पोतेर बेनो ?
ऐडता इन्दा इलोक कचोन,
दुनिया ता ऐरउड़ा वहत दीन पिऐर बेनों ?
मेटा इलोक कचोन
मिगता गोदोर पोंगीऐर बेनो ?

माड़ाक इलोक कचोन
हरियाली गुलय किवेर बेनों ?
फुग्गा इलोक कचोन
लिक–लिक कवेर बेनो ?
नभ, मोयोल इलोक कचोन
बिमल विल पाड़ा परवेर बेनो ?
मन्नल इलोक कचोन, केलाहट
इव कोन्डे प्रश्न तेऐर बेनो ?

Kku rk mokV %& आसल पाटा वेसोड़ किमूट आड़ पेकोड़क वेन्ड़े केता लय केतानदा मेटा, इन्दा, गोदोर, माड़ा, कररे, आदि किन वेस मज पेकोड़ किन माड़ा मेटा ता सरल चुडला–चुड़ला माटा ने करीतिनद। ओड़ा माटा ते पाटा वेसोड़ ता अर्थ केता नद आड़ कठिन शब्दा ना अर्थ ते चिता किलय करीतिनद।

पाठ 8

कौन ?

चाँद	प्यास	मुस्काता
प्रश्न	निर्मल	इन्द्रधनुष

अगर न होता चाँद, रात में
हमको दिशा दिखाता कौन ?
अगर न होता सूरज, दिन को
सोने–सा चमकाता कौन ?

अगर न होतीं निर्मल नदियाँ
जग की प्यास बुझाता कौन ?
अगर न होते पर्वत, मीठे
झरने भला बहाता कौन ?

अगर न होते पेड़, भला फिर
हरियाली फैलाता कौन ?
अगर न होते फूल बताओ,
खिल–खिलकर मुस्काता कौन ?

अगर न होते बादल, नभ में
इंद्रधनुष रच पाता कौन ?
अगर न होते हम, तो बोलो,
ये सब प्रश्न उठाता कौन ?

शिक्षण संकेत – लयबद्ध कविता पाठ करें और बच्चों को दुहराने को कहें। पहाड़, नदी, झरने, पेड़–पौधे, आदि पर चर्चा कर बच्चों को पर्यावरण की सरल छोटी–छोटी बातों से अवगत कराएँ। उनकी भाषा में कविता का अर्थ बताएँ एवं कठिन शब्दों के अर्थ से भी परिचित कराएँ।

'kCnkFk

नभ = आकाश जगत = दुनिया, संसार
मेटा = पहाड़ प्रश्न = सवाल
हरियाली = चारों ओर हरा–ही–हरा होना
ऐडता = बिना मैल का, स्वच्छ, साफ

vH;kl

1 . दोड़ इताव शब्द किन अर्थ अपुन माटा ते केलाहट –

मोयोल, मेटा, ऐडतद, हरियाली, तोड़य

2- vkyyh e t vkUMk vkUMk okD; r mRRkj fy[kk fdeVA

क बेद नरखा लेंज पेयो अद नरखा बाले लगीता ?

———————————————————————————

ख पेयल मनाक बाले वेस दोरकिता ?

———————————————————————————

ग हरियाली बातत मयदा बतोपिता ?

———————————————————————————

घ बिमलविल दग बेसक रंगी मेनदे ?

———————————————————————————

3- bn ikB o l kM inM iyVk fdr d ehM ckrk inM okVMh vkM ckM

4- ehM c l |Vu fcey foYk mMrhM \ mMrhM tky c l |urk c l |urk jxh eurk dykgVA

शब्दार्थ

नभ	=	आकाश	जग	=	दुनिया, संसार
पर्वत	=	पहाड़	प्रश्न	=	सवाल
हरियाली	=	चारों ओर हरे–भरे, पेड़–पौधों का होना			
निर्मल	=	बिना मैल का, स्वच्छ, साफ			

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

नभ, पर्वत, निर्मल, हरियाली, मिट्‌टी

2. समझकर एक–एक वाक्य में उत्तर लिखो।

क. जिस रात चाँद नहीं निकलता, वह रात कैसी लगती है?

____

ख. दिन में उजाला हमें किससे मिलता है ?

____

ग. हरियाली किनके कारण दिखाई पड़ती है ?

____

घ. इंद्रधनुष में कितने रंग होते हैं ?

____

3. अगर तुम्हें इस कविता का नाम बदलने को कहे तो तुम क्या नाम दोगे और क्यों ?

4. क्या तुमने इन्द्रधनुष कभी देखा है ? देखा है तो तुम्हे कौन – कौन से रंग दिखाई देते हैं, बताओ।

5- Nkik ikMh jix Hkjrh fdeV &

(भाड़ा, मेटा, पोड़द, इन्दा, फुगर, बिमलविल)

5. चित्र बनाकर रंग भरो –

(पेड़, पर्वत, सूरज, नदी, फूल, इंद्रधनुष)

34ZIJE

ikB&9

feV~Vh

मिट्टी, बूँद, सोंधी–सोंधी, सुंदर, रंग–बिरंगे, खिलौने, सलोने, मोल

नारदे, कोड़दे वेडाते तोड़य
दुवेत तोड़य लोना तोड़य।
टप–टप, टप–टप पोटक अड़के,
गम–गम बासना तोड़य।

तोड़य दे लोना बनेमता बेचके,
तोड़य दग नितता बेचके
नेलोटा पुगांर पुईता तोड़य
कोन्डेड़ा बोझा तेइतीता तोड़य।

गमला कुन्ड़ा सजेमता नेलोटा
रंग–रंगता बनेमता खिलौना।
बाताय मोला पोयोतोड़य,
आलसट बाता–बाता हिता तोड़य।

djukn mokV %& ikVk olkMfru vkly i< vk;eV vkM fiyk idkMfdu oUM drky; dykgVA ikVk olkM rx oro iuuo 'kCn fdu viu ekVk r vFk dykgVA vH;kl i'u rjk brok ekVk ukyk i< vkl fiyk idkMfdu vkM vH;kl rx i'u fdu ifly r gy fd;k dfyMA

359EL2

पाठ 9

मिट्टी

मिट्टी, बूँद, सोंधी–सोंधी, सुंदर, रंग–बिरंगे, खिलौने, सलोने, मोल

गाँव, गली, खेतों में मिट्टी
बाहर मिट्टी, घर में मिट्टी।
टप–टप, टप–टप बूँद पड़ी तो,
महकी सोंधी–सोंधी मिट्टी।।

मिट्टी से घर बने हैं कितने,
मिट्टी पर वे खड़े हैं कितने।
सुंदर फूल खिलाती मिट्टी,
सबका बोझ उठाती मिट्टी।।

गमले, मटके सजे सलोने,
रंग–बिरंगे बने खिलौने।
कुछ भी मोल न लेती मिट्टी,
सोचो क्या–क्या देती मिट्टी।।

शिक्षण संकेत :– कविता का सस्वर वाचन करें एवं बच्चों को दुहराने के लिए कहें। कविता में आए अपरिचित शब्दों का अपनी भाषा में अर्थ बताएँ। अभ्यास के प्रश्नों में दिए गए निर्देशों को पढ़कर बच्चों को समझाएँ व अभ्यास के प्रश्नों को पेंसिल से हल करवाएँ।

dk; dkuhcy ekVh y f[kykukeu cuk;d I d \

मोनू आड़ जय मण्डी तह अतोड़ा। मण्डी तग ओड़ नेल–नेलोटा करसानव उड़तोड़। लोना वास ओड़ वेन्ड करसानव पाड़ा लय आसुतोड़। लोना मुन्ने परपा तोड़य मत्ता। ओड़ इड़वुड़ अलो परपा तोड़य दे करसानव पाड़ा पोयपितोड़। जाले परपा तोड़य दे करसानव बनेम अयो। परपा तोड़य दग मिंजतद बालो लांगी मज केता। अरे, मोनू! इद तोड़य दे करसानव बनेम अयो। दाट, मनल बेगाटेय ने लोटा तोड़य मेहकल। सुडून ऐड़ेय ओन्ड लोना बनेम आसो मत्ता। मुन्ने उसको ता दिब्बा मता। मोनू, जय आड़ बालो करसानव पाड़ा लय उसको तग ऐर तोसतोड़। उसको तिना ऐर पोंगता। उसको तग मिंजतद कुलबोके केत्ता। जय दादा! इद उसको, इवेटे कर सानव बनेम अयो। अगम ओन्ड ऐड़ा पुड़य तोड़य कात सो मता। अद गोयसो वत्ता आड़ गुड़गा वकिस मंज केत्ता, ''मोनू नानो! इन्दा तोड़य दे करसानव नेला बनेम अत्ता।'' सोबे इन्दा उटूल ता तोड़य कात तह। तोड़य दिना रोंडा पेहिता, तोड़य जामा किस। सोबे कलयि मंज करसानव पाड़ता।

'kCnkFk

खुबे सुंन्दर	=	सुंदर,	मोल	=	मूल्य
माटीर बास	=	सूखी मिट्टी पर पानी पड़ने से उठने वाली सुगंध			

vH;kl

1- ry fy[kkj i ueuj mŸkj vyukj Hkk'kk u I kxk &

क. माटी ले काय –काय जमक बनसी ?

ख. खिलौना काय–काय समको बनसी ?

2 ry fy[kk "kCnkeud i<k vkÅj fy[kkA

गाँव – ....। माटी – ....।

माटीर बास – ....। सुंन्दर – ....।

रंग रंगर– ....। खूबे सुंन्दर – ....।

3- i<k vkj I e>dj fy[kk &

गाँव – गोंड़, छांय ...., ... फूल – .... ,..........

बास – .... ,.......... बिगसलार – .... ,..........

पारा – .... ,..........

बाले बेदे वेन्डे तोड़क

मोनू और जय मेले में गए। मेले में उन्होंने सुंदर–सुंदर खिलौने देखे। घर आकर उन्होंने भी खिलौने बनाने चाहे। घर के सामने मुरम पड़ी थी। वे दोनों मुरम के खिलौने बनाने लगे। पर मुरम के खिलौने नहीं बने। मुरम में छिपी मकड़ी ने उचककर कहा, ''अरे, मोनू! इस मिट्टी के खिलौने नहीं बनेंगे। चलो, हम कहीं अच्छी मिट्टी ढूँढ़ते हैं।'' थोड़ी दूर एक मकान बन रहा था। सामने रेत का ढेर लगा था। मोनू, जय और मकड़ी ने खिलौने बनाने के लिए रेत में पानी डाला। रेत में से पानी बह गया। रेत में छिपे घोंघे ने कहा, ''जय भैया! यह तो रेत है, इसके खिलौने नहीं बनेंगे।'' वहीं एक केंचुआ मिट्टी खोद रहा था। वह रेंगता हुआ आया और गर्दन मटकाकर बोला, ''मोनू दीदी! नदी की मिट्टी के खिलौने अच्छे बनेंगे।'' सबने नदी के किनारे की मिट्टी खोदी। मिट्टी में से घास निकाली, मिट्टी इकट्ठी की। सबने मिलकर खिलौने बनाए।

शब्दार्थ

सलोने = नेलोटा मोल = मोला

गम–गम बसना = सूखी मिट्टी पर पानी पड़ने से उठने वाली सुगंध

अभ्यास

1. दोड़ लिखाकीतव प्रश्न कीन उतर अपुन माटा ते केलाट–

क. तोड़य दे बाता–बाता जाकी बनेमाता ?

ख. खिलौने बाता–बाता जाकी नक बने माता ?

2. दोड़ लिखा किताब शब्दो किन पढ़ेमास आड़ लिखाकिमूट –

नार – ....। तोड़य – ....।

बासना – ....। नेलोटा – ....।

रंग–रंगता – ....। सलोने – ....।

3. पढ़ेमय आड़ समझेमास लिखाकिमूट–

नार – काल,–छड़म, ..., ... पुंगार –......... ,..........

मेस्कता – .... ,.......... कुमीता –......... ,..........

कोड़ – .... ,..........

4. तोड़य तचमंज खेलना पाड़ट बोले की माड़ा बेलान कसेला, गीलास उवचके वतके आचे अवी कीत बने कीम अपून कक्षा तग गास पाट।

5. श्लोकता लिख कीस जागा तग पिला कीन ओस मज आगा टा तोड़ी दिया किया आड़ अन्तार तीसेगा विचार करें।

वेन्जी ना वेडा बट कुये उटुल

वेन्जे वेडा	ऐड़का	इन्दा उटूल

4. मिट्टी लाकर खिलौने बनाओ, जैसे– चक्का, बेलन, लोटा, गिलास, आदि। सूख जाने पर उन्हें रँगो और अपनी कक्षा में सजाओ।

5. निम्नलिखित स्थानों पर बच्चों को ले जाकर वहाँ की मिट्टी एकत्र करवाएँ और उनके अंतर के बारे में चर्चा कराएँ–

1. धान का खेत 2. मैदान 3. नदी किनारे

धान का खेत	मैदान	नदी किनारे

35IAHP

पाठ—10

नेकेय अत्ता

चिकला असकट रूप हुआ कोटो

मोयोल दादा
नेकेय अत्ता।
सिकला—सिकला
मूसूड़—मूसूड़

ऐड़का सोबेड़ कीन
वाता काको ना
कोन्डे लोना
नारका पल्ली
बल वियना
वेंड़दिता।

बे दायानद
बेगा करसनाद
लोना मज
असकाट आयनद
बाले कच तिर दे
मेंदे कोटटो क्रियाड़ पिटे

पोड़द दादा
ऐद तरवी
तरीई इन्दा
माड़गी निना अनी
दादा निमा वेन्ड
किमू दुआ

करयानद संकेतः— पाटा वेसोड़तितन जामा किस पाराट आड़ पिला पेकोड़किन वेन्ड़े पारालय केलाहट। मूसूड़ कालम आड़ अद नफीत बदले आय नव किन वेहट। ओड़ा मेटा ते पाटा वे सोड़ ता अर्थ केलाहट आड़ कठिन शब्द ना अर्थ सिता किस केलाहट।

पाठ 10

बहुत हुआ

35S6PC

कीचड़, बोरियत, सुआ, दुआ, मौन

बादल भइया
बहुत हुआ !
कीचड़–कीचड़
पानी पानी,

याद सभी को
आई नानी,
सारा घर
दिन रात चुआ।

जाएँ कहाँ !
कहाँ पर खेलें ?
घर में फँसे
बोरियत झेलें।
ज्यों पिंजरे में
मौन सुआ।

सूरज दादा
धूप खिलाएँ,
ताल नदी
सड़कों से जाएँ,
तुम भी भैया
करो दुआ !

शिक्षण संकेत – लयबद्ध कविता पाठ करें और बच्चों को दुहराने को कहें। बरसात के मौसम और उस समय होने वाली परिवर्तनों पर चर्चा करें। उनकी भाषा में कविता का अर्थ बताएँ एवं कठिन शब्दों के अर्थ से भी परिचित कराएँ।

शबदार्थ

कोटो	शांत, चुप	रूप	क्रियाड़ रूपो
तरई	तरीइ	पोड़द	सूर्य

अभ्यास

1. बमूसुड़े केत काचोन भी मन तग बाता–बाता शब्द वाता आलसीट आड़ लिखा किमूट

....

....

....

2- बेनटिन नेक मूसूड़ वाता अनटीन बेगा करसानोड़ी बाता–बाता करसा नोड़ी ?

....

....

....

3. नेकेय मूसूड़ वतके लोता बोकाते बाले तोपिता?
4. मूसूटे नेकेय मूसूड़ वाता अद मूसूड़ ऐर बेगा–बेगा दता?
5. इव कोन्डे मूसूटे नेय दालय बाता किता केलाहट –
   - मनेयक
   - पाड़ेवा
   - ऐड़ा पुड़य
   - नय
   - किके
   - मल

6. **नेकेय अत्ता**

बिड़ियो मनेयक इले बेसूट केतितोड़।
नेकेय अत्ता, इन्जे कोटो उदी मनूट

क. मनल ....

ख. नेकेय अत्ता, इन्जे लोपा दाट

शब्दार्थ

मौन	=	शांत, चुप	सुआ	=	तोता
ताल	=	तालाब	सूरज	=	सूर्य

अभ्यास

1. बारिश कहने पर तुम्हारे मन में कौन–कौन से शब्द आते हैं? सोचो और लिखो।

....

....

....

2. जब बहुत बारिश होने लगती है तब तुम कहाँ खेलते हो? कौन–कौन से खेल खेलते हो?

....

....

....

3. जब खूब तेज़ बारिश होती है तो तुम्हारे घर के आसपास कैसा दिखाई देता है?

4. बारिश में खूब पानी बरसता है। यह सब पानी कहाँ–कहाँ जाता है?

5. ये सब बारिश से बचने के लिए क्या करेंगे? बताओ –

– लोग
– कबूतर
– केंचुआ
– कुत्ता
– मछली
– मोर

6. बहुत हुआ !

बड़े लोग ऐसा कब कहते हैं –

बहुत हुआ, अब चुपचाप बैठो !

क. जब हम ....

ख. बहुत हुआ, अब अंदर चलो !

मनल --

ग. नेकेय अत्ता, इन्जो पटटा

मनल --

घ. नेकेय अत्ता इन्जे टी.बी. बन्द किमूट।

मनल --

7. पाठा वेसोड़ ।

पाठा वेसोड़ तग इले बाड़ केता आता

क. जोर दे मूसूड़ वतके माड़गी इन्दा हिना तोपिता।

ख. कोन्ड़े अगा सिकला अतके काकोना ऐड़का वाता

8. इन्जे वावोन

ओन्ड़े दिनम मोयूल आलसता नन इन्जे बेचूटेन अड़दा नोन अयोन। बेचुट नन अड़दीतान अचूट अड़दानोन अयोन अचुट वेन्डे नाकीन पेरली कीतोड़। बेचुट अड़दानोन अयोन अचूट वेन्ड़े नाकीन पेरलीकीतोड़ नेंड तिना अड़दना मोतम बन्द। वेन्डे बाले अत्ता इंगा? वेसोड़ तिन मुन्ने पेड़साट।

जब हम ....

ग. बहुत हुआ, अब सो जाओ!
जब हम ....

घ. बहुत हुआ, अब टी.वी. बंद करो!
जब हम ....

7. कविता से

कविता में ऐसा क्यों कहा गया होगा?

क. तेज़ बारिश होने पर सड़कें नदी बन जाती हैं।
ख. सब ओर कीचड़ होने पर नानी याद आती है।

8. अब नहीं बरसूँगा!

एक दिन बादल ने सोचा, मैं अब कभी नहीं बरसूँगा। जब मैं बरसता हूँ तब भी लोग मेरी बुराई करते हैं। जब नहीं बरसता हूँ तब भी मेरी बुराई करते हैं। आज से बरसना बिल्कुल बंद। फिर क्या हुआ होगा ? कहानी को आगे बढ़ाओ।

9. अपुन केल्ला :–

1. बाले निम्मा मुसुड़ तद दिनाते कागेत ता ओडा पाड़ी एरदग्गा नाड़ीतिड़। कागोत ता ओन्ड ओडा पाड़ाहट।
2. मुसुड दिना ते ऐरदे नाद के कचोन बाले आता ?
3. नींक सबले नेला कालम बेद ओपिता आड़ बाड़?
4. मुसुड़ तदेन लेकेन पाटा वेसुड़ मेंहकी कक्षा तग केंजीकीमूट?

9. अपने अनुभव बताओ –

1. क्या तुमने बारिश के दिनों में कागज की नाव बनाकर पानी में तैराई हैं। कागज की एक नाव बनाओं।
2. बारिश के दिनों में पानी में भीगना कैसा लगता है?
3. आपको सबसे अच्छा मौसम कौन–सा लगता है। और क्यों?
4. बारिश से संबंधित कविताएँ ढूँढकर कक्षा में सुनाओं?

3622QZ

ikB&11

djlkM e.Mh

कंगी	चिचायवार	माहरी
मंगल	फुगा	मसकिल

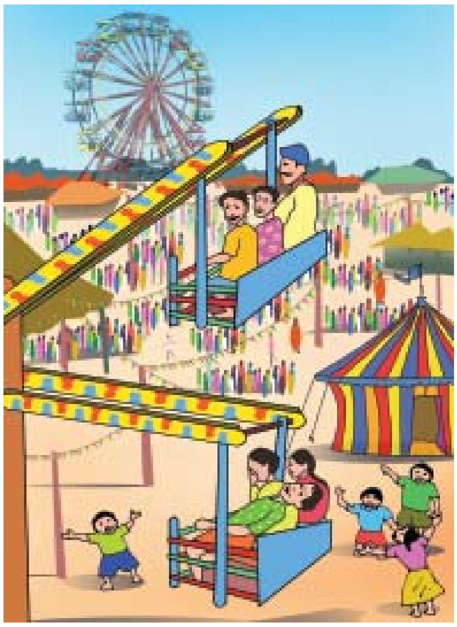

नेड नारदे करसाड़ मण्ड़ी आयमूता। बुधिया सुक वारो आड़ संगीत नेड नरखो तिन के मण्ड़ी दाय लय झोन्गड़ेम अत्ता। चैतू, मंगल आड़ समारू वेन्डे निई इसाड़ कीस झोन्गड़ेम मेन्देर। सोबेड़ पेखोड़े डोडा तिन मज मण्ड़ी अतोड़। ओड़ मण्डी तग ऐवदम–ऐवदम हुयाल नेकता। सोबेड़ उभय–उभय मण्डी तग ऐव तोड़। सोबोड़ हुयाल बोकाते निततोड़। हुयाल नितान के सोबेड़ हुयाल तग उदतान के हुयाल हुगा पोय पिड़ता। सोबेड़ पेकोड़ वेड़की मंज कोलाड़ आया पोयपिइतोड़ । समारू नेकय वेरिई मनूर तन मोखु तिन मीसी मनूर। सोबोड़ हुयाल हुगी मज मुने अतोड़। आचूटेन दफड़ा, निसान आड़ मोहरी ता लेग वत्ता। सोबोड़ वेड़की मज कोलाड़ आया पोयपिइतोड़ मण्ड़ी बत्ता मण्ड़ी वत्ता।

नेका नेलोट रंग–रंगता केरदानव आड़ फून्गा मलइतोड़ कोपा मनेयक ना कूड़याम तोपता। सोबेड़ मनेय नग्गोड़ लेंग ते येदसो ये दसो मूने आन्जो मनूड़। कोपा किन सियाहन कइ दग मण्ड़ी मत्ता। कोपा मनेय तान नार दीना परगन मण्ड़ी तग तच मनूड़। मण्ड़ी तग तान उरसकी मंज तान मानेम अतोड़। कोपा कीन येदनाद नग्गोड़ी कीन संग अत्ता। इन्जे मण्ड़ी नेकेय गुडी मत्ता मण्ड़ी तग नेल नेलोटा चुकानी मत्ता।

पाठ 11

मड़ई–मेला

कंघी	चिल्लाना	मोहरी
मंगल	फुग्गा	मुश्किल

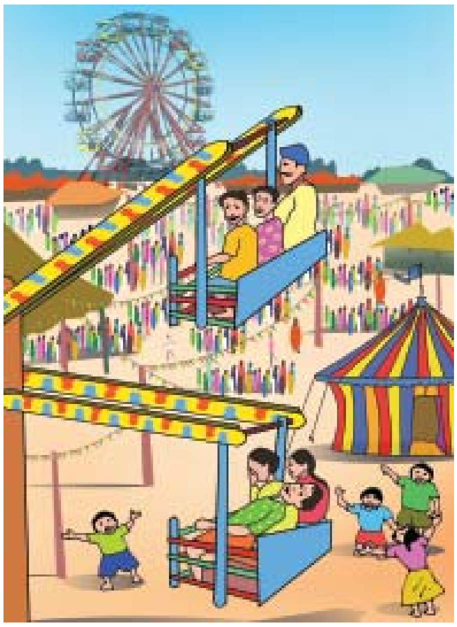

आज हमारे गाँव में मड़ई–मेला है। बुधिया, सुकवारो और संगीता आज सुबह से ही मेले में जाने के लिए तैयार हैं। चैतू, मंगल और समारू भी तेल, कंघी कर तैयार हैं। सभी बच्चे खाना खाकर मेला देखने चल पड़े।

वे मेले के करीब पहुँचे तभी उन्हें रहँचुली की आवाज सुनाई पड़ने लगी। जल्दी–जल्दी चलकर सब मेले में पहुँचे। सभी झूले के पास जाकर डट गए। जैसे ही झूला रुका सभी बच्चे बैठने के लिए कूद पड़े। बैठ जाने के बाद झूला शुरू हुआ। बच्चे खुशी से चिल्लाने लगे। समारू को बहुत डर लग रहा था। उसने अपना मुँह छुपा लिया था।

सभी झूला झूलकर वहाँ से आगे बढ़े। इतने में ही दफड़ा, निसान और मोहरी बाजे की आवाज सुनाई पड़ने लगी। सभी ओर खुशी का शोर उठा– ''मड़ई आ गई, मड़ई आ गई।''

सुंदर रंग–बिरंगी पोशाकों और फूल–मालाओं से सजे राउत लोगों का समूह दिखाई पड़ा। सभी लोग बाजे की धुन पर नाचते हुए आगे बढ़ रहे थे।

राउतों के मुखिया के हाथ में मड़ई थी। राउत लोग इसे गाँव से परघाकर मेले में लेकर आ गए थे। मड़ई को मेले में गाड़कर लोग उसकी पूजा करते रहे। राउतों का नाच बाजे–गाजे के साथ चल रहा था। अब मेला पूरी तरह से भर चुका था।

रंग–रंगता बुग्गा मण्ड़ी तग नेका नेला तोपनु पेखोड़ गुलगुल अताव भुजिया बुसा पिरकी लाडु करी लड्डू अस्सी आड़ तिन्जो वेल इतोड़। सुकवारों जलबी तिनता। समारू ओन्ड बिड़िया डान्डा अस तोर। ड़न्ड़ा कीन गोन्दा किस सोबेड़ उक्नूड़।

सोबेड़ पेकोड़ खिलौना दुकान तग ऐवतोड़। सुकवारो जहाज संगीता गुड़िया आड़ बुधिया रेल असता चैतू मल मंगल कार आड़ समारू ओण्ड़ बिड़िया ला बुग्गा असतोर। सो बेड़ पेकोड़ जाम जम अत्तोड़ आड़ लोना दाया पोयपितोड़। सोबेड़ नेकेय वेड़क ले मनूड़।

---

dj;k un mokj %& lxrk o.kZ ro 'kCn fdu mPpkj.k vkMs fy[kk fdun dj;kVA dfBu 'kCnk uk vFkZ vkMks eVk rs dykgVA i;'u uk vH;kl vx;s ifly rs fd;k dykgVA fiyk&irdkMfdu vkjkg&vojkg fdu lxs ink fdukn fdfj;kVA

'kCnkFkZ

बोकते	=	पास	पोशाक	=	केरद नव कुड़ता
लाडू	=	लड्डू	जमा	=	इकट्ठे
हुयाल	=	एक प्रकार का झूला			
गुड़य	=	पूजा कर स्वागत करके			
कुन्डुड़	=	ढप या ढपली की तरह का एक बाजा			
टूड़बूडी	=	एक प्रकार का बाजा			
मोहीर बाजा	=	पिपिहरी, शहनाई की तरह का बाजा			

मेले में तरह–तरह की दुकानें थीं। रंगीन फुग्गों से मेले में बहार आ गई थी। बच्चों ने गुलगुला, भजिया, मुर्रा लाड़ू, करी लड्डू खरीदे और खाते हुए घूमते रहे। सुकवारो ने जलेबी खाई। समारू एक बड़ा–सा गन्ना खरीद लाया। गन्ने के टुकड़े बनाकर सभी गन्ना चूसते रहे।

सभी बच्चे खिलौने की दुकान पर पहुँच गए। सुकवारो ने जहाज़, संगीता ने गुड़िया और बुधिया ने रेल खरीदी। चैतू ने मोर, मंगल ने कार और समारू ने एक बड़ी गेंद ली। सब बच्चे घूम–घूमकर सामान खरीदते रहे। अंत में सभी ने तरह–तरह के फुग्गे खरीदे। सभी बच्चे एकत्र हो जाने के बाद वापस घर की ओर चल पड़े। वे बहुत खुश लग रहे थे।

शिक्षण संकेत :– संयुक्त वर्ण वाले शब्दों के उच्चारण एवं लेखन का अभ्यास करवाएँ। कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ। प्रश्नों के अभ्यास यथास्थान पेंसिल से करवाएँ। बच्चों को आरोह–अवरोह के साथ पढ़ना सिखाएँ।

शब्दार्थ

करीब	=	पास	पोशाक	=	पहनने के कपड़े
लाड़ू	=	लड्डू	एकत्र	=	इकट्ठे
रहँचुली	=	एक प्रकार का झूला			
परघाकर	=	पूजा कर, स्वागत करके			
दफड़ा	=	ढप या ढपली की तरह का एक बाजा			
निसान	=	एक प्रकार का बाजा			
मोहरी बाजा	=	पिपिहरी, शहनाई की तरह का बाजा			

vH;kl

1 nkM brko 'kCnkfdu vFk viu ekVk r dykgV&

लगे, पहाड़ सइिकल राबती झूलना

2- nkM brko i'u uk mRrj dykgV&

क. हुयल बेदीन इनतोड़ ?

ख. कोया किन सियाहिन कइ दग बाता मता ?

ग. मण्ड़ी तग मनेय बातत मनेय अनुड़ ?

घ. कोपा मनेय ना कुड़ता बासुनता मत्ता ?

ड. पेकोड़ मण्ड़ी तग बाता–बाता तितोड़ ?

3- nkM brko tkdh uk jxh clurk&

क. पन्ड वंगा लालूम

ख. गुड़ूमपट ....

ग. नीम आकी ....

घ. मुड़ा ....

ड. पोड़द फुंगर ....

4-- f[kyku ro bn ndku rx ckrk ckrk vkIkukMhA

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

करीब, पोशाक, एकत्र, मुश्किल, रहँचुली

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. रहँचुली किसे कहते हैं ?

ख. राउतों के मुखिया के हाथ में क्या था ?

ग. मेले में लोग किसकी पूजा कर रहे थे ?

घ. राउत लोगों की पोशाक कैसी थी ?

ङ. बच्चों ने मेले में क्या–क्या खाया ?

3. निम्नलिखित चीजें किस रंग की होती हैं ? लिखो –

क.	पका टमाटर	लाल
ख.	श्यामपट	....
ग.	नीम के पत्ते	....
घ.	मूली	....
ङ	सूरजमुखी का फूल	....

4. खिलौने की इस दुकान से तुम क्या – क्या खरीदोगे –

——————————————————————————————

——————————————————————————————

5- fuek e.Mh rx ckrk&ckrk mM+rh fy[kkdhe &

——————————————————————————————

——————————————————————————————

6- eh&ukjn~ e.Mh cUVhuvkrk\ vkxk fuHkk ckrk&ckrk fdrh &

——————————————————————————————

——————————————————————————————

7- 'Cn rk j¡y

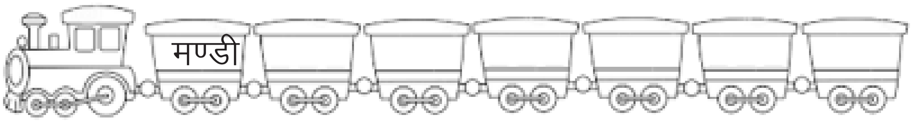

8- uuk bykd fuek okVh okD; Hkjrh fde &

क. ——————— रायपुर दय मून तन

ख. ——————— ऐर मिमून ती

ग. ——————— पढ़े आयमून तन

घ. ——————— रायपुर अन

ङ ——————— बे दायमून ती

9- fuek e.Mh vrd~ ckrk&ckrk vkIkuku

10- fdukn fdI¡Mukn –

1. गाते कागेत आड़ माचिसता रताडी डिब्बा ने रेल पाड़ाहट।
2. अपुन नार शहर ता मेला ता छापा कापी तग पाडाहट।
3. करसाड़ मण्ड़ी ता वेलिता अपुन अनुभव केलाहट।

———————————————————————————

———————————————————————————

5. तुमने मड़ई–मेले में क्या–क्या देखा ? लिखो –

———————————————————————————

———————————————————————————

6. तुम्हारे गाँव में मड़ई–मेला कब लगता है ? उसमें तुम क्या – क्या करते हो –

———————————————————————————

———————————————————————————

7. शब्दों की रेल –

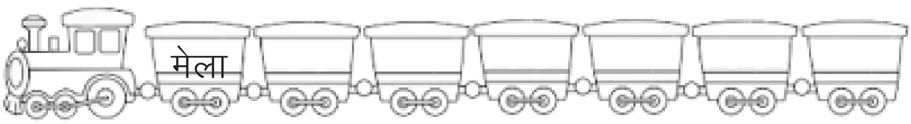

8. 'मैं' या 'तुम' लगाकर वाक्य पूरे करो –

क. ——— रायपुर जा रहा हूँ।
ख. ——— नहा रहे हो।
ग. ——— पढ़ रहा हूँ।
घ. ——— रायपुर जाओ।
ङ ——— कहाँ जा रहे हो?

9. तुम मेले में जाते तो क्या–क्या खरीदते ?

10. गतिविधि :–

1. गत्ते, कागज और माचिस की खाली डिबियों से रहँचुली बनाओ।
2. अपने गाँव/शहर के मेले का चित्र कापी में बनाओ।
3. मड़ई/मेले का भ्रमण कर अपना अनुभव सुनाओ।

36JTUA

ikB&12

Å¡Ve vRrk

Å¡Ve	ck>k
MsUx	xMxk

ऊँटूम अत्ता दादा ऊँटूम अत्ता,
ऊंगसोड़ मेलिसोड़ ऊँटूम अत्ता।

इचोर लाटूम कालकनद,
ड़ेंग लाटूम पाये तद।

डेंग पापे डेंग मुटूस,
मुठूस तेईस ऊँटूम अत्ता।

उसको मतके मनी कोन,
बोझा ऊँटूम कांजी कोन।

इरको कोनी उसको तगा,
उसको तगा वेग ऊँटूम अत्ता।
बेचुट आवई मंज उदीता,
बेले तिड़ई उदीता ऊँटूम।
केता परदीतोर बेना कोन,
ऊँटूम अत्ता दादा ऊँटूम अत्ता।

f'k{k.k ladsr & पाठ वेसोड़तिन लेंगते पारतोड़ आड़ पिल्लाकिन वेन्ड़े केलीज पुनवा शब्दाना अथ ओड़ा मराते केल्लाट चंद्र बिन्दुनव शब्दना उच्चरण करायात।

36TPVX

पाठ 12

ऊँट चला

ऊँट	**बोझ**	**फँसेगा**
ऊँचा	**गर्दन**	**करवट**

ऊँट चला भई, ऊँट चला
हिलता–डुलता ऊँट चला।
इतनी लंबी टाँगों वाला
ऊँची लंबी गर्दन उसकी।
ऊँची गर्दन, ऊँची पीठ,
पीठ उठाए, ऊँट चला।
बालू है तो होने दो,
बोझ ऊँट को ढोने दो।

नहीं फँसेगा बालू में,
बालू में भी ऊँट चला।
जब थककर बैठेगा ऊँट,
किस करवट बैठेगा ऊँट?
बता सकेगा कौन भला?
ऊँट चला भई, ऊँट चला।

शिक्षण संकेत — कविता को लयपूर्वक गाएँ और बच्चों को दुहराने को बोलें। अपरिचित शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ। चंद्रबिंदु वाले शब्दों का उच्चारण करना सिखाएँ।

'kCnkFk

भाई – तमूर बाली – उसको

vH;kl

1. लिखा किता माटा कीन अपुन माटा ते केलाट–

पापे, ओयहरानद, पोरो

2. ry: fy[kuk i: uk euj mŸkj lkxk &

क ऊटूम ता पापे बाले मनता ?

ख लाटूम कालकनाव आउर बेवे–बेव जानवर मनता ?

ग ऊँटूम बेसुनवा भूम तगा ताक परवीन ?

घ ऊँटूम ता मूवूस बाले मनता ?

ड ऊँटूम बाता काम वाता ?

च तड़यानाव काम ईनाव बिती जानवरता पेदेड़ केलाट ?

छ मियाग लोना तग ऊँटूम मतके अचोन अवेटे बाता–बाता बुतो केवीडे ?

3.

MÙd	mMyk
माड़ा	मोलोड़
____________	____________
____________	____________

4. चद्रं बिंद्र बीती आऊर बिना चन्द्र बिन्द्र बीती शब्द मन के बाचीकरी अलगे–अलगे लिखा

तोका, फुगर, नूल, फंद, पोरो, ढूढ, खूँट, छूट, ऐद, ऊँटूम, कनेड़

pnfcn uo 'kCn	byok pnfcn oky: 'kCn
________, ________	________, ________
________, ________	________, ________
________, ________	________, ________

शब्दार्थ

भई – भाई
बालू – रेत

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

गर्दन, करवट, ऊँचा

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. ऊँट की गर्दन कैसी होती है?

ख. लंबी टाँगों वाले अन्य जानवर कौन–कौन–से हैं?

ग. ऊँट किस तरह की भूमि में भी चल सकता है?

घ. ऊँट की पीठ की बनावट कैसी होती है?

ड. ऊँट किस काम आता है?

च. सवारी के काम आने वाले जानवरों के नाम बताओ।

छ. यदि तुम्हारे घर ऊँट होता तो उससे तुम क्या–क्या काम लेते?

3. ऊँट से ऊँचे व छोटे चीजों तथा जीवों के नाम लिखो –

ऊँचे	**छोटे**
पेड़	खरगोश
____________	____________
____________	____________

4. चंद्रबिंदु वाले तथा बिना चंद्रबिंदु वाले शब्दों को छाँटकर अलग–अलग लिखो।

पूँछ, फूल, ऊन, झूठ, ऊँच, ठूँठ, खूँट, छूट, धूप, ऊँट, आँसू।

चंद्रबिंदु वाले शब्द	**बिना चंद्रबिंदु वाले शब्द**
________, ________	________, ________
________, ________	________, ________
________, ________	________, ________

5. xfrfof/k %&

1. ऊँटूम ना छापा नव कागेतीय बुदई मंज बिलोक किमुट आड़ तान अपून झोला नग। आउर ऊँटूम ता छापा पड़ाट।

2. अपुन ले बिड़ियो इलोक गुरूजिन पूछा किस ऊँटूम ता रेन्ड इसुनता गुन केलाट अद आवुर बेदे वेन्ड जियात भिन्ने किनव।

6 . उकाबका पाटा पाड़ी वेढ़का।

चुडुन ऊँटूम ड़ेंक

चुडून तोका लाटूम
चुडून ड़ेंक ऊँटूम
मूटूस ड़ेंक

ऊँटूम तव माटा उबाय–उबाय केचमंज उड़ाट

वेंजेर वंगता कि

बाले अत्ता पाठा। इदाम इद पाटा तीन पेदेम पेदेड़ ईमूट

पोरो इत तग टान तीन लिखा किमुट।

1. ऊँट का चित्र पत्र – पत्रिकाओं से काटकर अलग करो और उसे अपने पोर्टफोलियो में लगाओ तथा ऊँट का चित्र बनाओ –

2. अपने बड़ों से या गुरुजी से पूछकर ऊँट की दो ऐसी विशेषताएँ बताओ जो उसे अन्य किसी भी जानवर से अलग करती हैं।

6. झटपट कविता पढ़कर मजा लो ।

कुछ ऊँट ऊँचा
कुछ पूँछ ऊँची
कुछ ऊँचे ऊँट की

पीठ ऊँची

''ऊँट'' शब्द जल्दी–जल्दी बोलकर देखो ।

जीभ लड़खड़ा गई न !

कैसी लगी कविता ? अब इस कविता को कोई नाम दो ।

ऊपर दी गई जगह में उसे लिखो।

7 . केलाट इवी कीन मीवा माटा ते चिता कीस पेदेड़ लिखाकिमुट –

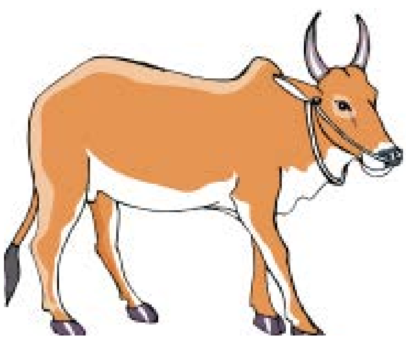

....

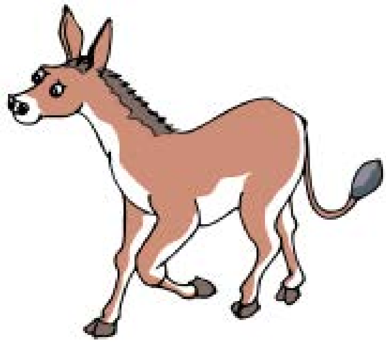

....

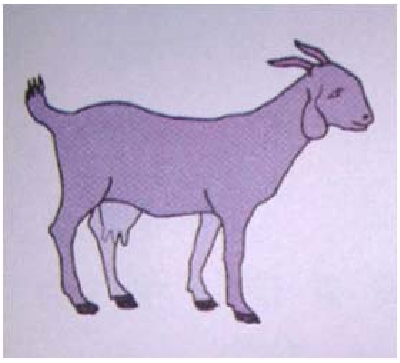

....

....

....

....

7. बताओं इन्हें तुम्हारी भाषा में क्या कहते है पहचान कर नाम लिखो –

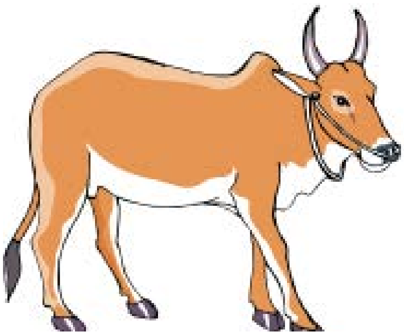

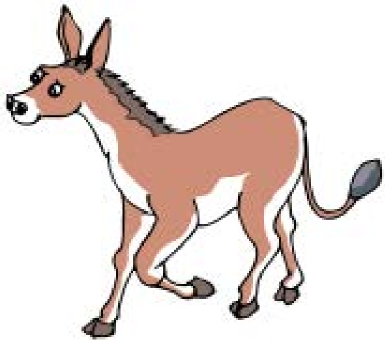

....

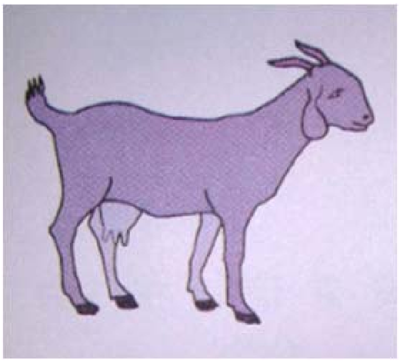

....

....

373KXK

ikB&13

ओन्ड़ काबूड़ वत्ता

fnYyh	vnj	ePNj	eD[kh
cnj	vkl	fVMM	lenj

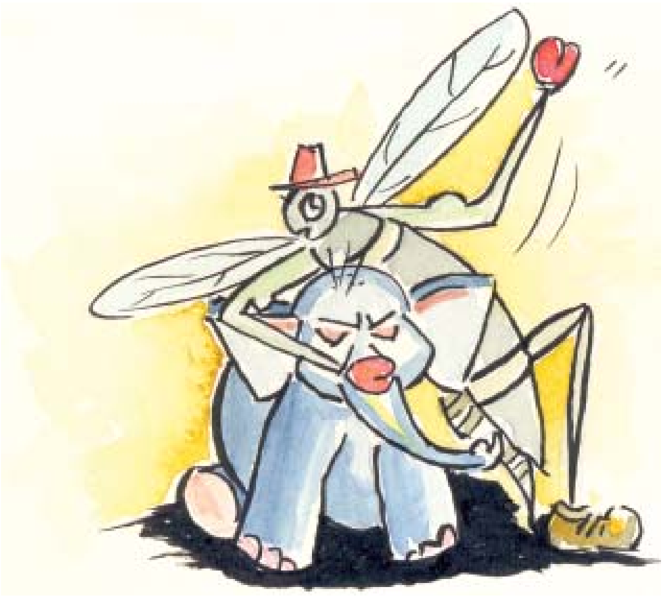

इन्जे काबूड़ दिल्ली तिना वत्ता,
वीस रानी तान तत्ता।
पापे येन तिन वाटता,
जीवा नोना ऐन बह किवेर ?

अन्ज अड़ता कुन्डा लोपा,
कुन्डात लोपा आड़ाई कोवे।
अवीकीन उड़ी ऐन केयता,
केयसो–केयसो वेन्डे अगेय गुड़िता।

पाठ 13

आई एक खबर

दिल्ली	अंदर	मच्छर	मक्खी
बंदर	आँसू	टिड्डे	समंदर

अभी खबर दिल्ली से आई,
मक्खी रानी उसको लाई।
टिड्डे ने हाथी को मारा,
हाथी क्या करता बेचारा?

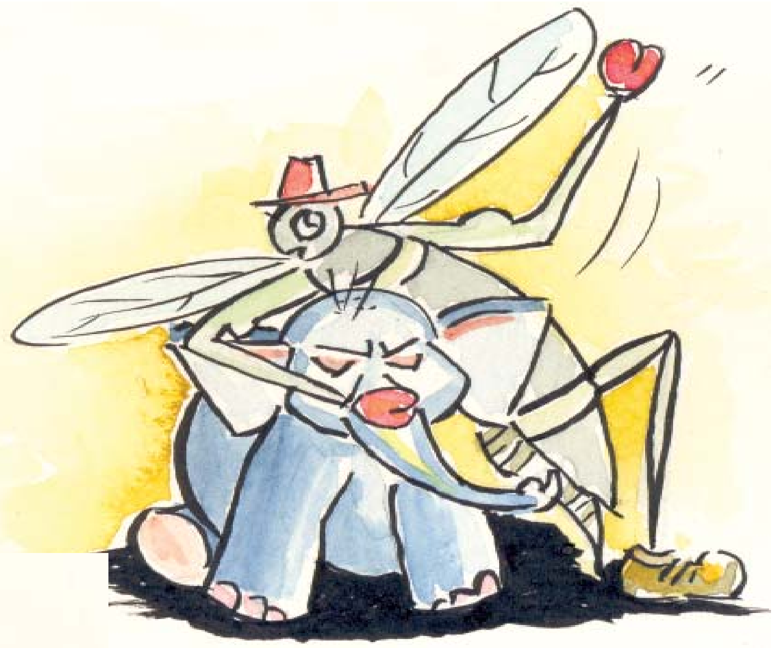

घुस बैठा मटके के अंदर,
मटके में थे ढाई बंदर।
उन्हें देखकर हाथी रोया,
रोते–रोते फिर वह सोया।

मोतम नितो ताना कानेड़,
कुन्डा बनेम अत्ता ओवोड़ गोदाड़।
मूडंदा मूनता ऐन कोवे,
फँसे मास मनु ताना लोपा।

केयानद केन्जी वत्ता नुले,
लात वटता नेकेय जोरदे।
कुन्डा ओरता पोंगता गोदाड़,
पेइता कोन्डे ऐनी कोवे।

Kkurk mokV ¼& पाठा वे सोड़ता नेल्लोट लेंगतिन संग पाट किमूट आड़ पिल्ला किन वेन्डे केता केल्लाट चुडला अक्षर नाव शब्द किन लिखा किमूट। बाले लोपाटे–लोपा छापाता उपयोग किमूट। पाट तग वनद कठिन शब्दान अर्थ ओड़ा माटटे केल्लाट।

रुकी नहीं आँसू की धारा,
मटका बना समंदर खारा।
लगे डूबने हाथी बंदर,
फँसे हुए थे उसके अंदर।

रोना सुनकर आया मच्छर,
लात जमाई उसने कसकर।
मटका फूटा बहा समंदर,
निकल पड़े सब हाथी, बंदर।

शिक्षण संकेत :– कविता का उचित लय के साथ पाठ करें और बच्चों से दुहराने के लिए कहें। संयुक्ताक्षर वाले शब्दों का अभ्यास करवाएँ। पाठ के बाद अनुस्वार – तथा आधे 'न' (न्) को आपस में बदलकर शब्द लिखवाएँ। जैसे – 'अन्दर से अंदर'। चित्रों का उपयोग करें। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

'kCnkFk

काबर = समाचार

समंदर = सागर, गोदाड

आड़ाई = दो और आधा मिलाकर बनी संख्या

vH;kl

1. nkM fy[kkfdro 'kCnk uk vFk viu ekVk r dykV &

खबर, समंदर, ढाई, अंडाई

2 . दोड़ इतव माटा न केलाहट –

क. कुन्डा बेचो बिड़या मत्ता ?

ख. आड़ाई कोवे बाले ते अत्ता ?

ग. कुन्डा बाले ओरता ?

3 - okD;k fdu i;kx fdeV & dUMk] dko]

4 - mnkgj.k mMkgV byrk mpd vkM 'kCn fy[kk fdeVA

उदाहरण– वांग नालू ओवोड़हिना

लोपा ——————, ——————, ——————

लात ——————, ——————, ——————

5 - eUM v{kj ro 'kCn fdu uMek rx v{kjhu iyVk fdl iuk 'kCn cuk dheV vkM fy[kk dheV

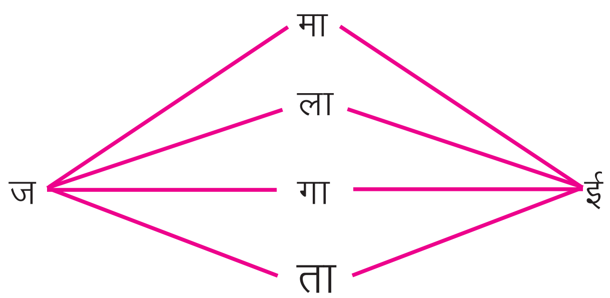

——————

——————

——————

——————

शब्दार्थ

खबर = समाचार

समंदर = सागर, समुद्र

ढाई = दो और आधा मिलाकर बनी संख्या

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा/बोली में बताओ –

खबर, समंदर, ढाई, अंदर,

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो –

क. मटका कितना बड़ा रहा होगा ?

ख. ढाई बंदर कैसे हुए होंगे ?

ग. मटका कैसे फूटा ?

3. वाक्यों में प्रयोग करो – मटका, बंदर

4. उदाहरण देखो। ऐसे कुछ और शब्द लिखो।

उदाहरण– धारा चारा खारा

अंदर ——————————, ——————————, ——————————

लात ——————————, ——————————, ——————————

5. तीन अक्षर वाले शब्दों के बीच के अक्षरों को बदल–बदलकर नए–नए शब्द बनाओ और लिखो, जैसे– जमाई।

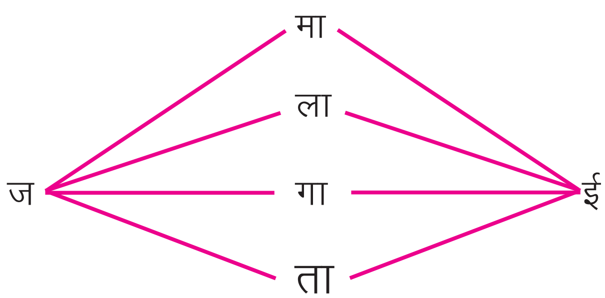

——————————

——————————

——————————

——————————

6 - ikBk oIkM rx oRrk l;Drkj ro 'kCn dhu vkph et fy[kk dheVA

जैसे– मक्खी, ——————— I, ——————— I,

——————— I, ——————— I,

7- dhIMukn %&

1. कोवेता वेसोड़ मेंकाट आड़ कक्षा तग आभिनय कीमूट।
2. मीक बेग बेगटिन काबूड़ी दोरकित्ता।
3. अपुन नारदे अत्ता बेदेय घटना ता काबूड़ केलाहट।
4. गुरूजी कक्षा तग नेट माटा कीसूड़नाद केया केलिर।

6. कविता में आए संयुक्ताक्षर वाले शब्दों को छाँटकर लिखो।

जैसे– मक्खी, ––––––––– ।, ––––––––– ।,

––––––––– ।, ––––––––– ।,

7. गतिविधि :–

1. बंदर से संबंधित कहानी ढूँढ़ो और कक्षा में अभिनय करो ।
2. तुम्हें खबरें कहाँ–कहाँ से मिलती हैं ।
3. अपने गाँव में हुई किसी घटना की खबर सुनाओ ।
4. शिक्षक कक्षा में **"आज की बात"** गतिविधि करवाएँ ।

37LD1V

ikB&14

mlir nkjdrk fl l ifly

उप्पे दोरकता पेंसिल

ओंड तावा ओन्ड उप्पे तिन्दालय बाता कोट मेहकनूर।

1

तान ओन्डे पेंसिल दोरकता। उप्पे तान पोइस मंज मिड़िस मिड़िस उड़ सोमता।

2

नाक विड़सिम नाक दायहिम पेंसिल उप्पे तिन केंई केंई केत्ता नना निवा बाता बुत्तो तोना नना खटिया ता गोंदा। तिन्द लय वेन्ड नना ओफोन।

3

नना निड़की कोरका नोना, उप्पे केत्ता नाक ना फलकीन ।

उजे आड़ चुडला किलय बाता की बाता कोरका वेयतीता। आड़ उप्पे पेंसिल तिन कोरका पोयपीता।

आय। नाक नोय रोयता निम नाकी माडेगता छापा पाड़ा लय इम अल्ला, पेरके निम बातय किनो जाले किम

4

नेलय, उप्पे केत्ता निम्मा छापा पाड़ा पेरके नना निकीन कची कची गोन्दा किनोना।

पाठ 14

चूहे को मिली पेंसिल

पेंसिल	ढूँढ़	आखिरी	अजीब

एक बार एक चूहा खाने के लिए कुछ ढूँढ़ रहा था।

1

उसे एक पेंसिल मिली। चूहा पेंसिल लेकर उसे उलट–पलट कर देखने लगा।

2

"मुझे छोड़ दो, मुझे जाने दो" ,पेंसिल चूहे से गिड़गिड़ाकर बोली, "मैं तुम्हारे किस काम की हूँ, लकड़ी का टुकड़ा हूँ। खाने में भी अच्छी नहीं लगूँगी।"

3

"मैं तुम्हें कुतरूँगा," चूहे ने कहा।

"मुझे अपने दाँत पैने और छोटे रखने के लिए हमेशा कुछ–न–कुछ कुतरना पड़ता है।" और चूहे ने पेंसिल कुतरना शुरू कर दिया।

"उई! मुझे दर्द हो रहा है। तुम मुझे आखिरी चित्र बना लेने दो, फिर तुम चाहे जो करना।"

4

"ठीक है," चूहे ने कहा। "तुम चित्र बना लो; फिर मैं चबाकर तुम्हारे टुकड़े–टुकड़े कर दूँगा।"

पेंसिल चुडून नेसकता, आड़ ओन्ड बिड़िया गुन्डरोला पाड़ता।

इद बाता पनीर ता गोन्दा उप्पे पूछाकिता।

ओ मन्नल इदीन पनीर उजो केत्ता कल पेंसिल केत्ता।

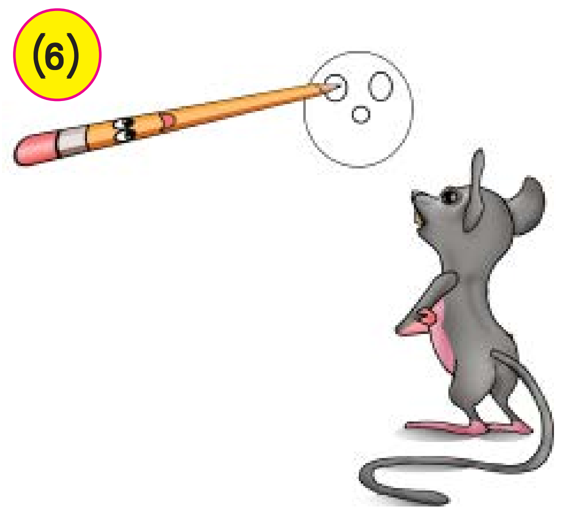

वेन्ड़े पेंसिल बिड़िया गुन्डरोलात लोपा मून्ड चुडला चुडला गुन्ड़रोला पाड़ता।

ओ, इद इन्जे पनीर हिना के लगामून्ता। उप्पे केत्ता इगा कोन बोन्गा तोयमूलन्ता।

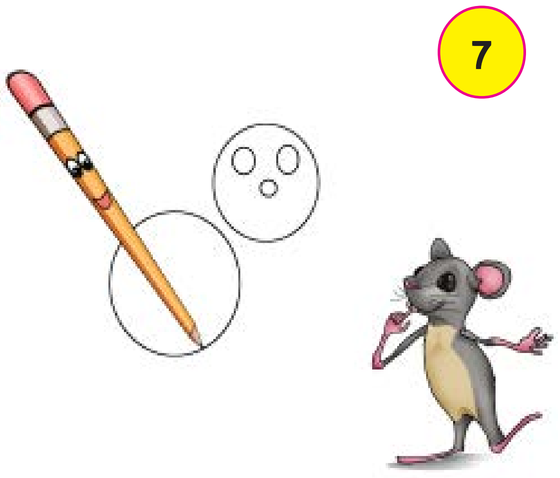

मन्नाल इदीन पनीर तग बोन्गा इन्जो केत्ता कल आड़ हद बिड़िया गुन्डरोला ता दोड़ वेन्डे ओंड बिड़िया गुन्डरोला पाड़ता।

अरे, इद सेब वैया, उप्पे वेड़कता, ओ तेन सेब इन्जो केत्ता कल पेंसिल केत्ता।

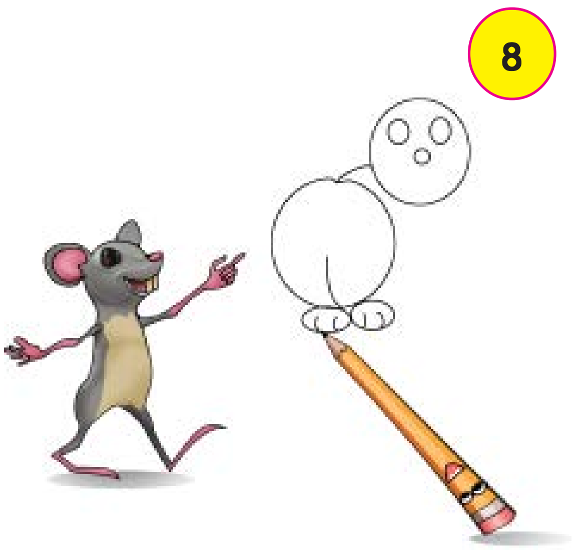

पेंसिल वेन्डे आउर बिड़िया गुन्डेरोलात बोकाते बसुनता की छापा पाड़ा पोयपिता।

पेंसिल ने ठंडी साँस ली। फिर उसने एक बड़ा–सा गोला बना दिया।

5

''यह क्या पनीर का टुकड़ा है?'' चूहे ने पूछा।

''हाँ, हम इसे पनीर ही कहेंगे'' पेंसिल ने कहा।

(6)

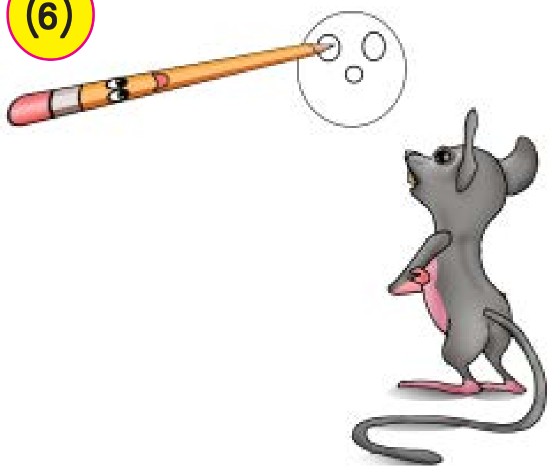

फिर पेंसिल ने बड़े गोले के अंदर तीन छोटे गोले बना दिए।

''हाँ, अब यह पनीर ही लग रहा है।'' चूहे ने कहा। ''इसमें तो छेद नजर आ रहे हैं।''

7

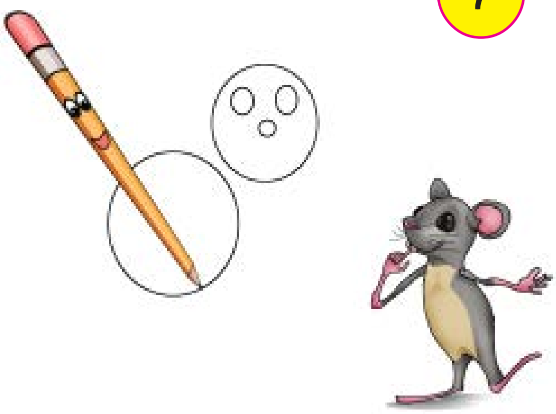

''चलो, हम इन्हें पनीर में छेद बोलेंगे।'' पेंसिल ने मान लिया और उसने बड़े गोले के नीचे एक और बड़ा गोला बनाया।

''अरे, यह तो सेब है,'' चूहा चहका। ''हाँ, इसे सेब कह लेते हैं,'' पेंसिल ने कहा।

8

पेंसिल फिर दूसरे बड़े गोले के पास कुछ अजीब–से चित्र बनाने लगी।

अरे यैयो नेड़ नेक्कय वेड़का वत्ता। इद चम –चम वैया।

9

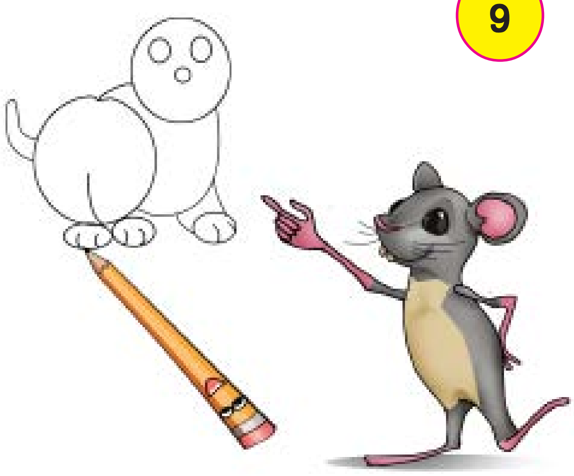

उप्पे पेयु ठग गुरख उसुल वत्ता उभय किम नन तिन्दा नोना।

पेंसिल पोरो गुन्डरोला तग पोरो रेन्ड चुडला मूड़ू पड़ता।

10

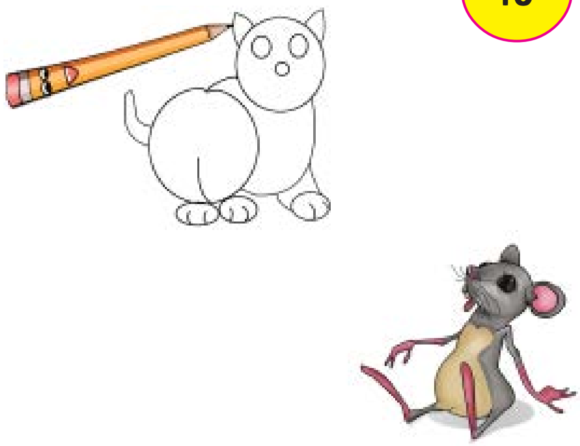

अरे अरे! उप्पे कोलाड़ अत्ता निम्मा इन्जे तेन बिलेय इना पाड़ा मूनती आउर तेन पाड़मा।

मन्तार पेंसिल पाडामूनतेय। हद पोरो टद गुन्डरोला तग लाटू– लाटू गाडोक आड़।

11

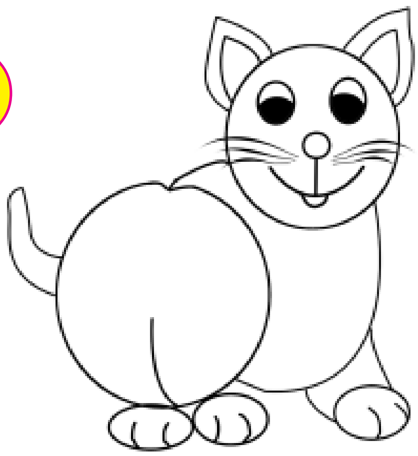

पेयुर पाड़ता। उप्पे वेरइ मज केयता अरे, बाबो इद निजाम बिलेय वैया। इड़साठ।

इले केच मज अढ मिरी अदे तान बोंगा तग लोपा नेंगता

12

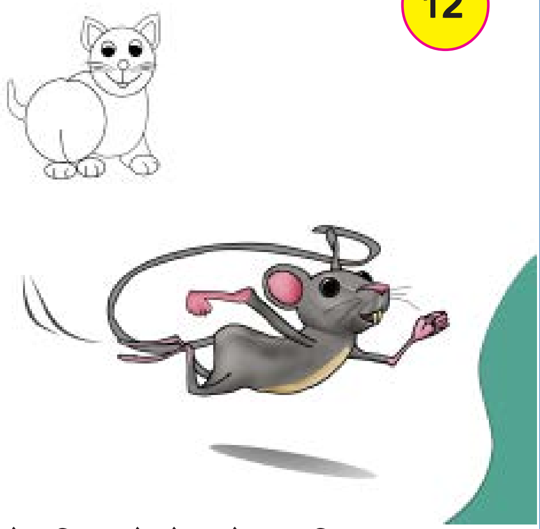

बाले निम वेन्डे ओन्ड बिलय तासुनता छापा पाड़ा पुनती तान उड़ी मंज उप्पे वेरीइ

"अरे, वाह! अब तो मजा ही आ गया। यह तो चमचम है।"

9

चूहे के मुँह में पानी आने लगा। "जल्दी करो! मुझे खाना है।"

पेंसिल ने ऊपरवाले गोले के ऊपर दो छोटे तिकोन बना दिए।

10

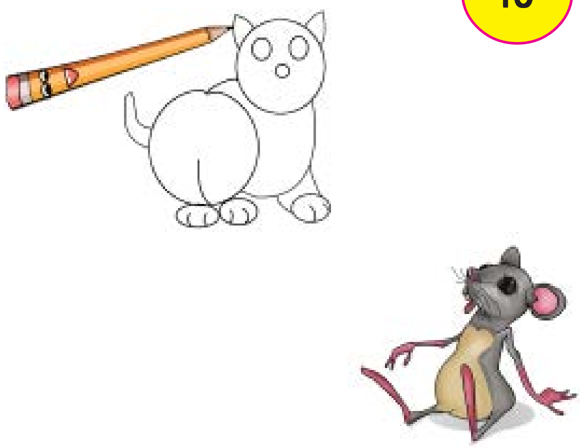

"अरे, अरे" चूहा चीखा। "अब तो तुम उसे बिल्ली की तरह बनाने लगीं। और आगे मत बनाओ।"

लेकिन पेंसिल बनाती गई। उसने ऊपर के गोले पर लम्बी–लम्बी मूँछें और मुँह बनाया।

11

चूहा डरकर चिल्लाया, "अरे, बाप रे! यह तो बिल्कुल असली बिल्ली लग रही है। बचाओ।"

ऐसा कहकर वह भागकर अपने बिल के अंदर घुस गया।

12

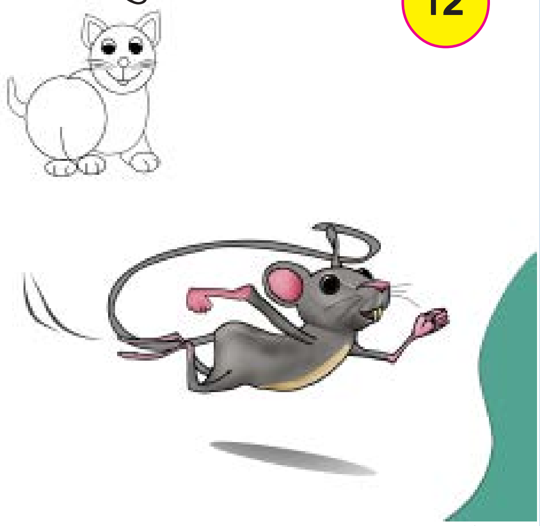

क्या तुम भी एक बिल्ली का ऐसा चित्र बना सकते हो, जिसे देखकर चूहा डर जाए?

Kkurk mokV %& छापातद वेसोड तिन पिल्लाकिन जमा आस पढेम आयी विल्लम उपे बिलयता आदतो नग वेत्ता केल्लाट। उप्पे बिल्लाय ने बारेते पिल्लाकिन जामकारी हिमूट/ताना छापा तोहट लोतावा जीव आंड जीवतव किन पेदेड़ लिखा किमूट। पाठ तग वतदड़ कठिन शब्द किन अर्थ ओड़ा माटा ते केल्लाट।

'kCnkFkZ

केयी केयी	=	विनती करना	मूंडमूडू	=	तीन कोनेवाला
असल जीव अत्ता	=	राहत पाना	मिरी मंज	=	दौड़कर
माड़ेंग	=	अंतिम	उजे	=	धारदार
बसुनता	=	विचित्र	नोयनद	=	पीड़ा
कोरकानाद	=	दाँत से काटना			
पनीर	=	दूध फाड़कर बनाया गया एक पदार्थ			
	=	दूध या छेने से बनी मिठाई			

vH;kl

1 - nkM+ bRrk 'kCn dhu vFk viuu ekVk rs dsykgV&

कोरकानाद, बसुनता, उजे, ऐड़य, पनीर

2 - bo iz'u fdru mRrj dsykgV \

क. उप्पे पेंसिल तिन बाड़ कोरकालय आनूर ?

ख. बिड़िया गुन्डेरोला उप्पे बाले तोप ता ?

ग. पाल पोड़ बाता?

घ. पेंसिल बेन्ना छापा पाड़ता ?

ड़. छापा उड़ी उप्पे बाले कित्ता ?

3 - mlis vkM+ fcys; rk ikBk osl kM+ irhM+ tkys dsykgV

4 - lgh 'kCn vkph ent byon M+Mk rx Hkjk dheV

(कोरकानाद, मिरमंज, आन्गालिता, माड़ाम, मून्ड)

क. उप्पे .... दूसरा बोंगा तन नेगता।

ख. उप्पे पेंसिलतिन .... रोयपिता।

शिक्षण संकेत :– चित्र–कथा को बच्चों को समूह में पढ़ने दें। बच्चों से चूहे–बिल्ली की आदतों पर चर्चा करवाएँ। मिकी माउस के बारे में बच्चों को जानकारी दें/लें, उसका चित्र प्रदर्शित करें। घरेलू, पालतू–पशुओं और जीवों के नाम लिखवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

गिड़गिड़ाना	=	विनती करना	तिकोन	=	तीन कोनेवाला
ठंडी साँस लेना	=	राहत पाना	भागकर	=	दौड़कर
आखिरी	=	अंतिम	पैने	=	नुकीले, धारदार
अजीब	=	विचित्र	दर्द	=	पीड़ा
कुतरना	=	दाँत से काटना			
पनीर	=	दूध फाड़कर बनाया गया एक पदार्थ			
चमचम	=	दूध या छेने से बनी मिठाई			

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

कुतरना, अजीब, पैने, दर्द, पनीर

2. इन प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. चूहा पेंसिल क्यों कुतरना चाहता था?

ख. बड़ा–सा गोला चूहे को कैसा दिखाई पड़ा?

ग. चमचम क्या होता है?

घ. पेंसिल ने किसका चित्र बनाया?

ङ चित्र देखकर चूहे ने क्या किया?

3. चूहे अथवा बिल्ली पर कोई कविता याद हो तो सुनाओ।

4. सही शब्द छाँटकर खाली स्थान भरो –

(कुतरना, भागकर, चिल्लाया, आखिरी, तीन)

क. चूहा –––––––––––––––––– दूसरे बिल में घुस गया।

ख. चूहे ने पेंसिल ––––––––––––– शुरू कर दिया।

ग. पेंसिल केत्ता नाक ओन्ड़ .... छापा पाडालय इम।

घ. वेन्डे पेंसिल बिड़िया गुन्डरोला ता लोया .... चुडल गुन्ड़रोला पाड़ता।

ड़. उप्पे वेरइ .... यैयो बाबो रे।

5 - 'kCn r [ky

rk t e g y

पोरो इतवा ताजमहल शब्द ते वर्णाते उचूक शब्द बनेम अत्ता

ताज, महल, लता, हल, ताल, मल

इले तेन दोड़ लिखा किताब शब्द तग टिना उचूक शब्द बना किमूट

d e y d d Mh

6- i<;keV vkM vky IB

क.	बिलय			उप्पे	–	चुहिया
	गुर्राम	–	घोड़ी	बर्रे	–	भैंस
	मेका	–	बकरी	गोड	–	कौन्दा
ख.	नावा		मेरी			नावा
	मनवा		हमारी			मनवा
	मिवा		तुम्हारी			मिवा

7 - jx&jxrk dkxr xkUnk fdI mIi Nkik VMkgV &

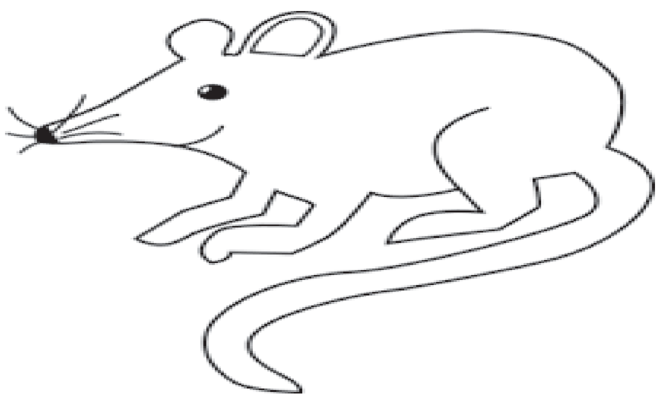

ग. पेंसिल ने कहा,– "मुझे एक ––––––––––– चित्र बना लेने दो।"

घ. फिर पेंसिल ने बड़े गोले के अंदर ––––––––– छोटे गोले बना दिए।

ङ. चूहा डरकर –––––––––––––––––, "अरे बाप रे!"

5. शब्दों का खेल।

ता ज म ह ल

ऊपर दिए गए ताजमहल शब्द के वर्णों से कुछ नये शब्द बने हैं जैसे –

ताज, महल, लता, हल, ताल, मल

इसी तरह नीचे लिखे शब्द में से तुम भी कुछ शब्द बनाओं –

क म ल क क ड़ी

6. पढ़ो और समझो।

क.	बिल्ला	–	बिल्ली	चूहा	–	चुहिया
	घोड़ा	–	घोड़ी	भैंसा	–	भैंस
	बकरा	–	बकरी	गाय	–	बैल

ख.	मेरा	मेरी	मेरे
	हमारा	हमारी	हमारे
	तुम्हारा	तुम्हारी	तुम्हारे

7. रंग – बिरंगे कागज के टुकड़े करके चूहे के चित्र में चिपकाओ।

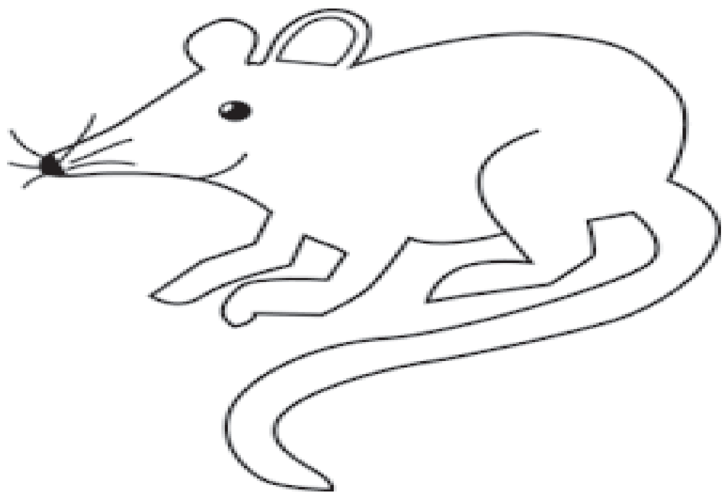

385556

ikB 15

,n

fdnj] eVk] nokM] fiV] vkdh] jDdk

अततद नरखा वत्ता वेस,
लोना दुवाड़ ते, डिगता ऐद।
किदरे–किदरे ते आँकी–आँकी नग,
कवसो–पारसो, अरपने ऐद।
मेटा मुख नग लंगता,
गोदोर किन संग करसिता ऐद।
गोदड़ गाकूड़ ते येन्दीता,
कोन्डेकीन बनेमता संगता ऐद

पिटे रेक्का नग मिड़क अत्ता
फुग्गा नग वल–वल ऐद।
भूम तिन अंधी–गोंधी
तोपिता ऐद।

dj;ku n mokV %& गुरूजी पाटा वे सोड़ तिन नेल्हा लेंग किस यति, गति आड़ हाव–भाव तिन संग किविर। आड़ पिला पेकोड़ किन वेन्डे केतालय केलाहट। पोड़द तिन संग माड़ा मेटा तव छापा ना उपयोग किस पाट तिन पढ़ूकिसमूट। कठिन शब्द पूछा किस पेकोड़ किन ताना अर्थ पेपिहिड़। उल्टा शब्द वाक्या प्रयोग इत्यादि अवकिन सहायता वेन्ड़ किमूट।

'kCnkFk

अततद = समाप्त हुई। पिटटे = चिड़िया। संगता = सखी, मित्र।
मेटा = पहाड़। किदरे = बहुत छोटा टुकड़ा

38E16T

पाठ 15

धूप

कण	पर्वत	आँगन	पंछी	पत्ते	पंख

बीती रात हुआ उजियारा
घर–आँगन में उतरी धूप।
कण–कण में, पत्ते–पत्ते पर
हँसती–गाती बिखरी धूप।
पर्वत की चोटी पर उछली
झरनों के सँग खेली धूप।
सागर की लहरों पर नाची
सबकी बनी सहेली धूप।

पंछी के पंखों पर चमकी
फूलों पर लहराई धूप।
धरती के कोने–कोने तक
देने लगी दिखाई धूप।

शिक्षण संकेत :– शिक्षक कविता का वाचन सस्वर, उचित यति–गति, लय तथा हाव–भाव के साथ करें और बच्चों से दुहराने को कहें। सूरज के साथ प्राकृतिक दृश्यों वाले चित्र का उपयोग कर पाठ को पढ़ाएँ। कठिन शब्दों को पूछकर बच्चों से ही उनके अर्थ निकलवाने का प्रयास करें। यथा अनुसार विलोम शब्द, वाक्य प्रयोग इत्यादि द्वारा उनकी सहायता भी करें। पाठ के अनुकरण वाचन की आवृति 4–5 बार हो। शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

बीती = समाप्त हुई। पंछी = चिड़िया। सहेली = सखी, मित्र।
पर्वत = पहाड़। कण = बहुत छोटा टुकड़ा

vH;kl

1- nkM fy[kk fdrko 'kCn fdu vFk viu ekVk r dykgV

पिटे संगता, मेटा।

2- bo i'u fdu mRrj viu EkkVk r dykgV

क. अततद नरखा बाता अत्ता ?

ख. मेटा हीर कोडी बाता लंगता ?

ग. पिटे रेक्का बाले पोत्ता ?

घ. बेनो सोबेना संगता बनेम अत्ता?

3- ikBk olkM rk ifdr;k fde ijk fdeV

क. अतद नारका अत्ता ....

ख. गोदोर किन संग ....

ग. गाकूड़ तग ऐन्दता ....

घ. नेल मुडू–मूडू ना ....

4- ikB rx okrk tkMh ro 'kCn fdu vkp ert fy[kk fdeV

————————————	——————————
————————————	——————————

5- mYVk vFk ro 'kCn fdu /;ku r i< vk;eV

नरकोम	–	मुलपे	डिगता	–	तरता
पुना	–	पानता	वत्ता	–	अत्ता
ऐद	–	देड़म	कावदानद	–	केयानद

6- dk] dh] d] dk feykfdl 'kCn ikM gV vkM invk;eV

	का	की	के	को
अद	ओना	ताना	—————	—————
बेन	—————	—————	—————	—————
सोबेड़	—————	—————	—————	—————

fdlM ukn fdlM dy

1. पोड़द पेटे आड़ फून्गारता छापा पाड़हट।
2. बेदे माड़ा मेटा ता छापा पाड़ी अपुन झोरा तग वाटाट।

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

पंछी, सहेली, पर्वत

2. इन प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में बताओ –

क. रात बीतने पर क्या हुआ ?

ख. पर्वत की चोटी पर क्या उछली ?

ग. पंछी के पंख कैसे चमके ?

घ. कौन सबकी सहेली बन गई है ?

3. कविता की पंक्तियों को पूरा करो।

क. बीती रात हुआ ––––––––––––––––––––––––––

ख. झरनों के संग ––––––––––––––––––––––––––

ग. –––––––––––––– की लहरों पर नाची।

घ. धरती के कोने–कोने तक ––––––––––––––––––––

4. पाठ में आए जोड़े वाले शब्द छाँटकर लिखो, जैसे– घर–आँगन

–––––––––––––   –––––––––––

–––––––––––––   –––––––––––

5. उल्टे अर्थ वाले शब्दों को ध्यान से पढ़ो।

सुबह	–	शाम	उतरी	–	चढ़ी
नई	–	पुरानी	आई	–	गई
धूप	–	छाँव	हँसना	–	रोना

6. का, की, के, को मिलाकर शब्द बनाओ और पढ़ो।

	का	की	के	को
उस	उसका	उसकी	––––––––	–––––––
किस	–––––––––	–––––––––	––––––––	–––––––
सब	–––––––––	–––––––––	––––––––	–––––––

गतिविधि :–

1. सूरज, चिड़िया और फूल के चित्र बनाओ।
2. किसी प्राकृतिक दृश्य का चित्र बनाकर अपने पोर्टफोलियो में लगाओ।

38MH8G

ikB 16

pMyk pMyk Mkdk

Mkdk udl; uykVk

चुडला चुडला डाका मावा,
मुन्ने पेड़सो दायकाल।
पोढ़ेम आयालय बेन्टीन विड़सवल मनल
दिन्नल पोढ़ेम आयालय दायकाल।
चुडला चुडला कयी मावा,
कोदरा नकाय पाड़ाकाल।
इव कोदरां नग्गा नक्का नलोटा,
पोदला नकाय उरसकाकाल।

लोना दुवाड़ तिन चुक रे तासाकाल,
कोड़कीन चुकरे पाड़ा कल।
बाले बतकानद मकिन आयानद,
बतकी मंजी मनल तोहता कल।

f'k{k.k& lwdr & पिल्लाकीन लेंग अरके पाटा वेसुड पोढेम आयालय मेल्लीय ओड अपुन बिलोक लेंग ते संगे वेन्ड़ पोढेम आया परदी तोर पेकोडकीन केल्लाट बेदे वेन्ड बुता चुड़ला आईयो। ओडकीन इद वेन्ड केल्लाट कि बुता कियालय वेचुटय वेरयना अयो। बेद काम कईदे पोईतके अच्चोन मापी केन डिसानद। कठिन माटा किनाव अर्थ ओडा माटाटे केल्लाट।

पाठ 16

छोटे–छोटे कदम

कदम, खूब, सुंदर

छोटे–छोटे कदम हमारे,
आगे बढ़ते जाएँगे।
पढ़ना कभी न छोड़ेंगे हम,
हर दिन पढ़ने जाएँगे।

छोटे–छोटे हाथ हमारे,
गड्ढे खूब बनाएँगे।
इन गड्ढों में अच्छे, सुंदर,
पौधे खूब लगाएँगे।

घर–आँगन को साफ रखेंगे,
गलियाँ साफ बनाएँगे।
कैसे जीना हमें चाहिए,
जीकर हम दिखलाएँगे।

शिक्षण–संकेत – बच्चों को लय के साथ कविता पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। वे अपनी अलग लय के साथ भी पढ़ सकते हैं। बच्चों को बताएँ कि कोई भी कार्य छोटा नहीं होता। उन्हें यह भी बताएँ कि मेहनत करने से कभी घबराना नहीं चाहिए, जो काम हाथ में लें उसे पूरा करके ही छोड़ना चाहिए। कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

'kCnkFk

कदम = डाका | खूब = नेकेय

vH;kl

1- nkM+ bro 'kCn fdu vFk viu ekVk r: dykgV &

डाका, दुवाड़, मेहनत, वाड़का

2- bo i:'uk dhu mRrj dykgV

क. पढ़ेम आयनद बाड़ जरूरी ?

ख. माड़ा पोदला ने मनक बाता फायदा ?

ग. लोना माड़ग इसकूल कोन्डे जगह सफाई बाड़ जरूरी ?

घ. पाटा वेसोड़ तग बाता माटा केत्ता ?

3- nkM+ fyf[k ro 'kCnk u: vkUMk okD;k ikMh e:t dykV &

मेहनत, फूल, गड्ढा, आँगन

4- i<+; le>:vk;eV vkM+ fy[kk fdeV &

पारा	–	कोर्ड़ी	माडा	–	माड़क
मोगे	–		कोन्दा	–	
संगतद	–		लोना	–	
जत्ता	–		पेयाल	–	

5- viu e;nk fy[kk fdeV &

6- i<+ vk;eV vkM+ le>:vk;eV &

दायनद –	नना दातन	निम दातिन	ओर दातोर
पढ़ेम आयनद –	नना पढ़ेम आतन	निम पढ़ेम आतिन	ओर पढ़ेम अतोर
लिखा –	....	....	....
कावदानद –	....	....	....
उड़ानद –	....	....	....

शब्दार्थ

कदम = पग, खूब = बहुत

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ–

कदम, आँगन, मेहनत, घबराना

2. इन प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. पढ़ना क्यों जरूरी है?

ख. पेड़–पौधों से हमें क्या लाभ हैं?

ग. घर, सड़क, स्कूल सभी जगह सफाई क्यों जरूरी है?

घ. कविता में किसके बारे में बात कही गई है?

3. निम्नलिखित शब्दों से एक–एक वाक्य बनाकर बोलो –

मेहनत, फूल, गड्ढा, आँगन

4. पढ़ो, समझो और लिखो –

गली	– गलियाँ	पेड़	– पेड़ों
कली	–	बैल	–
सखी	–	घर	–
चक्की	–	दिन	–

5. अपने बारे में लिखो –

6. पढ़ो और समझो –

जाना –	मैं जाता हूँ।	तुम जाते हो।	वह जाता है।
पढ़ना –	मैं पढ़ता हूँ।	तुम पढ़ते हो।	वह पढ़ता है।
लिखना –	....	....	....
हँसना –	....	....	....
देखना –	....	....	....

7- ikB rx co 'kCn rx d] g] x]rk mi;kx vRrk vofdu fy[kk fdeV &

क –	कागेत	————————	————————
ता –	तारी	————————	————————
ग –	गड़बम	————————	————————

8- viuk bldy e;nk fy[kk fdeVA

7. पाठ में जिन शब्दों में क, ह, ग, का उपयोग हुआ है, उन्हें लिखो–

जैसे –

क – कदम, ________ ________

ह – हम, ________ ________

ग – गलियाँ, ________ ________

8. अपने स्कूल के बारे में लिखो।

396NBR

ikB 17

fprjk dV ?kesj

नेका नेल्हा	घुमेर	पाटा
पोड़द अड़ता,	उदानद खोली	वेड़का

ऋचा आड़ रजनीश छुटटी ते बस्तर वेलया वातोड़। ओड़ मामल जगदलपुर तग मनतोर। मामन उदानाद खोली तग चितराकूट घूमेर ता ओन्ड बिड़ियाद छापा वेड़िस मनूर। रजनीश मामन पूछाकितोर। घुमेर त इद छापा बेगाटा।

मामल केतोर – अरे इद छापा बस्तर तग टा घूमेर ता नना मीकिन नाड़ घूमेर तोहता लय ओतान।

इम्मा दिन मामल किराया ते जीप मोटोल तततोर। सोबेड़ मनेय तिहाड़ अस उदी मानूड़। उभय सोबेड़ जीप उदतोड़ चितराकूट जगदलपुर दीना 40 किलोमीटर ऐड़ये मेन्दे। जीप ओन्ड घण्टा मेटे चितरा कूट ऐवता। घुमेर इन्जे ओन्ड़ मुन्ने मनूर।

लगभग 30 मीटर डेन्गा तिना इन्द्रावती इन्दा इगा आड़दिता। इन्दा ऐर पाल पाल तोपनूर। दोड़ बेगा ऐर आड़दिता, अगाटिना उम्मा हिना ऐर पोरो तोपनूर। पोरो टिना ऐर अड़के कोलाड़ आता ऐर दा चूडला–चूड़ला पोतक नेकेय वेड़का वानूर।

इन्जे मामन संग सोबेड़ मनेयक दोड़ इगा टिना आवुर नेका नेला तोपनूर। सोबेड़ मनेयक आन्ज मंज ओन्ड तग उदतोड़। सोबेड़ अगय उदी मज डोड तितोड़। ओड़ सोबेड़ आद उदी अदे घुमेर उड़सो मनूड़। पोड़द इन्जे अड़दालय आशो मनूर। मामल केतोर इगा टिना बेनोके दाय नाद मन इला।

मन्नतर इन्जे मनाक दाय। वेयतिता मामल केतोर। सोबोड़ अनजो अनजो वेन्डे घुमेर तिन उड़तोड़।

पाठ 17

चित्रकोट जलप्रपात

39FJDE

मनोरम	**जलप्रपात**	**संगीत**
अस्त होना	**बैठक कक्ष**	**आनंद**

ऋचा और रजनीश छुट्टियों में बस्तर घूमने आए हैं। इनके मामा जगदलपुर में रहते हैं। मामा की बैठक कक्ष में चित्रकोट जलप्रपात का एक बहुत बड़ा चित्र टँगा था। रजनीश ने मामा से पूछा, ''मामा जी! प्रपात का यह चित्र कहाँ का है?''

मामा ने कहा – ''अरे! यह चित्र तो बस्तर के ही जलप्रपात का है। हम तुम्हें कल यह प्रपात दिखाने ले चलेंगे।''

दूसरे दिन मामा किराए की जीप लेकर आ गए। सभी लोग तैयार होकर बैठे थे। जल्दी ही सब जीप में सवार हो गए। चित्रकोट जगदलपुर से लगभग 40 किलोमीटर दूर है। जीप 1 घंटे में चित्रकोट पहुँच गई। जलप्रपात अब उनके सामने था।

लगभग 30 मीटर (100 फीट) की ऊँचाई से इन्द्रावती नदी यहाँ गिरती है। जलधारा यहाँ दूध की तरह दिखाई दे रही थी। नीचे जहाँ धारा गिर रही थी, वहाँ से धुआँ–सा उठता दिखाई दे रहा था। पानी के गिरने से जो शोर हो रहा था, वह संगीत का आनंद दे रहा था। हवा के कारण जल की नन्ही–नन्ही बूँदें बड़ा आनंद दे रहीं थीं।

अब मामा के साथ सब लोग नीचे की तरफ आ गए। यहाँ से जलप्रपात और भी मनोरम लग रहा था। सभी लोग जाकर एक चट्टान पर बैठ गए। सबने वहीं बैठकर खाना खाया। वे सब वहीं बैठे–बैठे प्रपात का आनंद लेते रहे।

सूर्य अब अस्त होने ही वाला था। मामा ने कहा, ''यहाँ से हटने का जी तो किसी का नहीं है, पर अब हमें चलना चाहिए। मामा की आज्ञा थी।

fprjdkV ?kej

इन्जे ओड़ सो बेड़ जीप मोटोता अनजो मनूड़ा चितरा कूट तग उड़ तदिन ओड़ सोबेड़ बे चुटेन मारगा परवोड़।

f'k{k.k l¡dsr %& चितरा घुमेर ता छापा तोहता नदा। पेकोड़ (पिलाकिन) छापा ता प्रश्न पूछा किनाद। ऐर पोटक बाले तोयनू। ऐर भुडेर बाले नेकनुर। वेहट पाट तग वतव कठिन शब्द किन ओड़ माटा ने केलाहट।

शkCnkFk

घुमेर	=	चट्टानों को ऊपर से नीचे काटते हुए गिरता हुआ पानी			
नेका नेला	=	मन को अच्छा लगने वाला			
पाटा	=	गाना	बड़े पकना	=	बिड़िया कल
पोड़द अत्ता	=	छिप जाना	दिखाई पड़ता है	=	तोपिता
वेड़का	=	खुशी	हुकुम	=	आदेश

चित्रकोट जलप्रपात

सबने चलते–चलते प्रपात को फिर देखा। अब वे सब जीप की ओर बढ़ रहे थे। चित्रकोट का दृश्य वे सब कभी न भूल पाए।

शिक्षण संकेत :– चित्रकोट के जलप्रपात का चित्र प्रदर्शित करें। बच्चों से चित्र के संबंध में प्रश्न पूछें। पानी की बूँदें कैसी दिखाई दे रही थीं। पानी की धारा कैसी ध्वनि कर रही थी ? चर्चा करें। पाठ पढ़ने के लिए हर विद्यार्थी को अवसर दिया जाए। पाठ में आए कठिन शब्दों को उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

जलप्रपात	=	चट्टानों को ऊपर से नीचे काटते हुए गिरता हुआ पानी			
मनोरम	=	मन को अच्छा लगने वाला			
संगीत	=	गाना	चट्टान	=	बड़े–बड़े पत्थर
अस्त होना	=	छिप जाना	दृश्य	=	जो दिखाई पड़ता है।
आनंद	=	खुशी	आज्ञा	=	आदेश

अभ्यास

1- nkM fyf[krko 'kCnfdu viu ekVk r dykgV

नेका, नेला, घुमेर, अत्ता, वेड़का, पाटा

2- bo i'u fdu mRrj beV

क. चितरकुट घुमेर जगदलपूर तिना बेचोर ऐड़ये आता?

ख. चितरकोट बेद इन्दा ते घुमेर मेन्दे?

ग. मीड़ मामल बंगा मन तोर?

3- i<vk;ukn fy[kfdukn 'khry cI LV'ku /kkjk rk i;kx fd Ik vkUMk &vkUMk okD; dykgVA

4- Igh 'kCn vkph et by on MMk rx fy[kk fdeV &

पोड़द, आड़ता, घुमेर, वेड़का, नेला, तोपिता

क. चितरा कूट .... ओड कोन्डान मुन्ने मनूर।

ख. अगेय उदी उदी घुमेरता .... पोय सो मनूर।

ग. पोड़द इन्जे .... आय नदे।

घ. इद .... छापा बेगाटा ?

5- Ik< vk;eV vkM Ie> vkI fy[kkfdeV

नावा	मावा	पोड़या	पोड़या
मनवा	मनवा	लोना	लोक
मीवा	मीवा	दुकान	दुकानी
ओना	ओना	मेटा	मेटाह
बेंना	बेनोना	माड़ग	माड़गी

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

मनोरम, जलप्रपात, अस्त होना, आनंद, संगीत

2. इन प्रश्नों के उत्तर दो –

क. चित्रकोट जलप्रपात जगदलपुर से कितनी दूर है ?

ख. चित्रकोट किस नदी का जलप्रपात है ?

ग. तुम्हारे मामा कहाँ रहते हैं ?

3. पढ़ना, लिखना, शीतल, बस–स्टैंड, धारा का प्रयोग करते हुए एक–एक वाक्य बोलो।

4. सही शब्द चुनकर खाली जगह में लिखो –

(अस्त, जलप्रपात, आनंद, मनोरम दृश्य)

क. चित्रकोट का ––––––––––––– उनकी आँखों के आगे था।

ख. वहीं बैठे–बैठे वे प्रपात का –––––––––––– ले रहे थे।

ग. सूर्य अब –––––––––– होने ही वाला था।

घ. यह –––––––––– का चित्र कहाँ का है?

5. पढ़ो और समझकर लिखो।

मेरा	–	मेरे	स्थान	–	स्थानों
हमारा	–	–––––––	मकान	–	–––––––––
तुम्हारा	–	–––––––	दुकान	–	–––––––––
उसका	–	–––––––	पहाड़	–	–––––––––
किसका	–	–––––––	सड़क	–	–––––––––

6- vky lkB le>;keV vkM fy[kk fdeV

	ननह	मनल / मोम	निम्मा	ओर	ओर
डोडा	तिनतन	तिनतोम	तिनति	तिनतोर	तिनतोड़
पाटा	पाटा परीतन	परीतोम	परीति	परीतोर	पारापरी तोड़
करसानद	करसीतन	करसीतोम	करसीति	करसीतोर	करसी तोड़
मिरानद	मिरातन	मिरातोम	मिराति	मिरातोर	मिरातोड़

7- bo 'kCn fdu mYVj vFk ro 'kCn fdu fy[kkfdeV &

उभय दीनम

डेन्ग तेदतोर

दोड़ प्रश्न

अड़दानद वड़ा

हो

8- fdlM dky fdlMukn &

मामा शब्दातिन उलटा लिखा कितके वेन्डे मामा शब्द बनेम अता। आयेन वेन्डे आउर शब्द पाड़ाट।

9- cky ehM clVu bUnk xknkj bykd ?kej mMrhM rkuk y fy[kk fdeVA

6. सोचो, समझो और लिखो।

	मैं	हम	तुम	वह	वे
खाना	खाता हूँ।	खाते हैं।	खाते हो।	खाता है।	खाते हैं।
गाना	------	------	------	------	------
खेलना	------	------	------	------	------
दौड़ना	------	------	------	------	------

7. इन शब्दों के उल्टे अर्थ वाले शब्दों को लिखो –

जल्दी – दिन –
ऊँचा – जागा –
नीचे – प्रश्न –
गिरना – आना –
हाँ –

8. गतिविधि :–

'मामा'' शब्द को उल्टा लिखने पर 'मामा' ही बनता है। ऐसे ही दूसरे शब्द बनाओ।

9. क्या तुमने कभी कोई नदी, झरना या जलप्रपात देखा है? उसके बारे में लिखो।

39PFF2

ikB 18

rkuk inM ckrk \

fiV]	v{kj]	rMd]	ddM]	eu;]	rkdk

1. नेकाय नरकोम लोतिन ईद पोरो, दोरकिता नार–नार।
गुड़ूम रंग ता पिटटे किता कार–कार।।
केलाट ताना बाता पेदेड़ .... ?

2. चांदी इना नेकाय पोतीता लोना ताना ऐर।
मूड़ अक्षर ता पेदेड़ नेलोटा अद ऐर दा रानी।
केलाट ताना बाता पेदेड़ .... ?

3. कोकोरे कों केतीता दिनल नरकोम उभय।
तला तग लाल लाल कूकूड़, वेलइता नेकाय लाव कीस।।
केलाट ताना बाता पेदेड़ .... ?

4. मेटा तोर राजाल केत्तोर तिन्जमंज आवंग लोपानोर।
तान उड़ी मंज कोडेड़ मिजानोड़ आकी वेन्ड नेको ।।
केलाट ताना बाता पेदेड़ .... ?

Kkurk moV & इद पाठ तग ऐवी तीनद वेसोड़ पूछा किताद मेन्दे। वेसोड़ तिन पिल्ला पुत्ता केन्डे वेसोड़ तिन पिलाकिन पढा किया केल्लाट। उतर तिनलय चिन्हा हिमूट आड़ वेसोड़ता मालूम पाठयपुस्तकतग हिनद पोड़यातग पेंसिलते लिखा किविड़ । चूडून दूसारा वेसोडीन केतालय पिल्ला किन केल्लाट। कक्षातग रेन्ड बाटा पाड़ी मंज पिल्ला किन वेसोड़ केत्तालय केल्लाहट पिल्ला किन वेसोड़ता मन समझाकिमूट पाठ तग वतद कठिन शब्दतिन अर्थ ओना माटा ते केल्लाट।

39YBGP

पाठ 18

क्या है उसका नाम ?

पक्षी,	अक्षर,	तड़के,	कलगी,	मानुष,	पूँछ

1. बड़े सवेरे घर की छत पर, मिलता गाँव–गाँव।
काले रंग का पक्षी होता, करता काँव–काँव।।
बोलो क्या है उसका नाम –––––– ?

2. चाँदी जैसी खूब चमकती, घर है उसका पानी।
तीन अक्षर का नाम निराला, है वह जल की रानी।।
बोलो क्या है उसका नाम –––––– ?

3. कुकड़ूँ–कूँ बोला करता है, रोज सवेरे तड़के।
सिर पर लाल–लाल कलगी है, चलता खूब अकड़ के।।
बोलो क्या है उसका नाम –––––– ?

4. जंगल का राजा कहलाता, खाकर माँस गरजता।
उसे देखकर सब छिप जाते, पत्ता नहीं खड़कता।।
बोलो क्या है उसका नाम –––––– ?

शिक्षण संकेत – इस पाठ में पहेलियाँ पूछी गई हैं। पहेलियों से बच्चे परिचित हैं। हर पहेली को बच्चों से पढ़वाएँ। उत्तर के लिए संकेत दें और पहेली का हल पाठ्यपुस्तक में दिए गए स्थान पर पेंसिल से लिखवाएँ। कुछ अन्य पहेलियाँ पूछने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करें। कक्षा में दो दल बनाकर बच्चों से परस्पर पहेलियाँ पूछने को कहें। बच्चों को पहेली का भाव समझाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

5. माड़कनग लंगी परई जमास मन्दानव।
माने हीना मेन्पूल ताना तोका उंगसो मन्दानव।।
केलाट ओमा बाता पेदेड़ .... ?

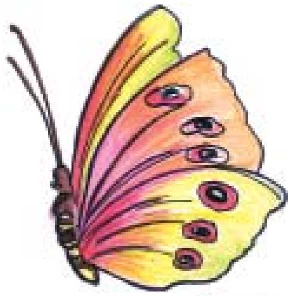

6. रंग रंगताव नाव पुंगर तग तिड़यानद।
कय ओतक मिरानद कयदे वेडे वावो
केलाट ओमा बाता पेदेड़ .... ?

7. कुयेर उटूल उददी मनता किके तिन्दानद बुतो।
लाटू कालक लाटू पापे केल्लाटराह बाता पेदेड़।।
केलाट ओमा बाता पेदेड़ .... ?

'kCnkFk

पिटटे	=	चिड़िया	निगनितोड़	=	ऐंठना
मानेय	=	मनुष्य, आदमी	शरीर	=	मेन्दूल
अलग	=	ओन लेखेन	कायदेवायनद	=	प्राप्त होना
चेंड़ी	=	कुकुड़	पतर ना खड़बार	=	फोटो मन्दानद
खड़कना	=	खड़–खड़ की आवाज होना			

'kCnkFk

1- nkM fy[kk fdro 'kCnfru vFk vuqi ekVkr dykV &

पिटटे, अक्षर, तड़के, कुकुड़, मानेयक, तोका

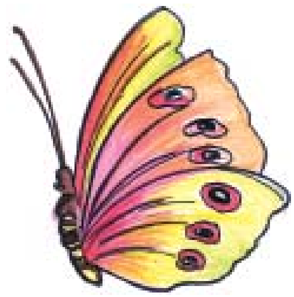

5. पेड़ों पर वह उछले–कूदे, झुंड बनाकर रहता।
मानुष जैसी काया उसकी, पूँछ झुलाता रहता।।
बोलो क्या है उसका नाम ––––– ?

6. रंग–बिरंगे पंखोंवाली, फूलों पर मँडराती।
हाथ बढ़ाओ तो उड़ जाती, हाथ नहीं वह आती।।
बोलो क्या है उसका नाम ––––– ?

7. नदी किनारे बैठा रहता, मछली खाना काम।
लंबी टाँगें, लंबी गर्दन, बोलो जी क्या नाम ?
बोलो क्या है उसका नाम ––––– ?

शब्दार्थ

पक्षी	=	चिड़िया	अकड़ना	=	ऐंठना
मानुष	=	मनुष्य, आदमी	काया	=	शरीर
निराला	=	अनोखा	हाथ आना	=	प्राप्त होना
कलगी	=	मुर्गे की चोटी	पत्ता नहीं खड़कना	=	पूर्ण शांति होना
खड़कना	=	खड़–खड़ की आवाज होना			

शब्दार्थ

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

पक्षी, अक्षर, तड़के, कलगी, मानुष, पूँछ

2- ydhj [khphdjh lgh tkMh cukvkA

कार–कार	–	कोके
कुहू–कुहू	–	कोर
खों–खों	–	काकड़
टें–टें	–	कोयल पिटटे
कुकड़ूँ–कूँ	–	मिट्टू

3- vkUMk&vkUMk “kCnk u mRrj fy[kk fd eV & mÙkj

क.	लालूम कुकुड़ बेनो तल्लाते मन्ता ?	कोर
ख.	पुंगा नग बेनो वेलईतोर ?	गुगे
ग.	वेनो मेटातोर राजाल हिन्दानोड़ ?	डुव
घ.	ऐरदा रानी बेदीन केता नोड़ ?	किके
ङ.	माड़ा तग लंगी पारई बेनो किनोर?	कोवे

4- v l|urx y[xrk 'kCnk fy[kkfdeV &

जैसे– पाला – फुंगा – ताला – कुयेर

इले – ________, ________, ________

वाता – ________, ________, ________

राजा – ________, ________, ________

डोडा – ________, ________, ________

2. रेखा खींचकर सही जोड़ी बनाओ।

काँव–काँव	–	बंदर
कुहू–कुहू	–	मुर्गा
खों–खों	–	कौआ
टें–टें	–	कोयल
कुकड़ूँ–कूँ	–	तोता

3. एक–एक शब्द में उत्तर लिखो – **उत्तर**

क. लाल कलगी किसके सिर पर होती है ? ....

ख. फूलों पर कौन मँडराता है ? ....

ग. कौन जंगल का राजा कहलाता है ? ....

घ. जल की रानी किसे कहते हैं ? ....

ङ. पेड़ों पर उछल–कूद कौन करता है ? ....

4. समान तुक वाले शब्द लिखो।

जैसे– पाला – माला – ताला – नाला

ऐसी – ––––––––, ––––––––, ––––––––

आता – ––––––––, ––––––––, ––––––––

राजा – ––––––––, ––––––––, ––––––––

खाना – ––––––––, ––––––––, ––––––––

5- xfrfof/k %&

हित दद पिटटीकिन केतानद अभिनय किमूट–

क. काकड़ –

ख. कोयल –

ग. गोड़ –

घ. गधा –

ङ. डुव –

च. पन्ड़े –

6 - Nkik cukfdeV &

गुगे, किके

5. गतिविधि :–

दिए गए पशु–पक्षियों के बोलने का अभिनय करो–

क. कौआ –
ख. कोयल –
ग. गाय –
घ. गधा –
ङ. शेर –
च. मेंढक –

6. चित्र बनाओ।

तितली, मछली

7- 'kkyk rx ekny ckdrs cuks cuks tho ;k fiVVs nkunhrk fy[kkfdeV&

पिटटे ....

जीवा ....

8- defr de jsM osl k fiYyku ykuk iNk fdl okoA

9- fHkus&fHkus i= if=dkvkfdu fiVVs vkMs thok uo Nkik egdh est oku viqu dkx ts rx VUMh fdeV vkM+ okuk inM+ fy[kk fdeVA

7. शाला के आसपास आपको कौन – कौन से जानवर या पक्षी दिखाई देते हैं – लिखो।

पक्षी ....

जानवर ....

8. परिवेशीय पहेलियाँ बच्चों से बुलवाएँ –

कम से कम दो पहेलियाँ बच्चे घर से पूछकर आएँ।

9. विभिन्न पत्र – पत्रिकाओं से पक्षियों और जानवरों के चित्र खोजकर उन्हें अपनी कापी में चिपकाओ और उनके नाम लिखो ।

3HY3AU

ikB 19

Ikg Ih cuvk;eV

ndk, mMrn fger eku;

गंगा इन्द उटूल ओन्ड दाका अतद राहड़ मेन्दे। बनारस भाटा नेकेय पनता अद दिना गंगा घाट तग नेकय ज्यादा कोवे आस मनू। अव कोवे इचोर गलेय वेरीव मनू मनेय जाकी कीन कायक नग टिना उदी मिरनू। तिन्दानव जाकी किन विड़सवा मनू।

ओन्ड दिना ता माटा नरेन्द्र पेदेतोर ओयतूर पेकल आट निना मलसो मतोर। ओर अटा तग ओन्ड झोरा वेड़िस मतोर नरेन्द्र चूडून ने ऐड़ये आँज मतोर। कि ओन्ड़ कोवे ओन पेरखे वत्ता।

कोवेत पेरखे वायनद उँड़ी मँज जोर दे ताक तोर। कोवे वेन्डे जोर दे ताका पिड़ता। कोवेन बोकाते वायनद उड़ी नरेन्द्र मिराह पोयपिईतोर। इव कोन्डेकीन ओयतुर सियाहन मनेय उड़सो मनूर। ओर नरेन्द्रदीन मिराय पेय पोय तोर आड़ बाढ़ मिररीती इन्जो केततोर।

3I7YCH

पाठ 19

साहसी बनो

प्रसिद्ध, दृश्य, हिम्मत, व्यक्ति

गंगा नदी के किनारे एक प्रसिद्ध शहर है बनारस। बात काफी पुरानी है। उन दिनों बनारस में गंगा के घाट पर बहुत अधिक बंदर हो गए थे। वे इतने निडर थे कि लोगों के हाथ से सामान छीन लेते थे। खाने का सामान तो वे छोड़ते ही नहीं थे।

एक दिन की बात है। नरेन्द्र नाम का एक लड़का बाजार से वापस आ रहा था। उसने कंधे पर एक झोला लटका रखा था। नरेन्द्र थोड़ी दूर ही गया होगा कि एक बंदर उसके पीछे लग गया। बंदर को पीछे आते देख नरेन्द्र ने अपनी चाल बढ़ा दी। बंदर भी तेज चलने लगा।

बंदर को करीब आते देख नरेन्द्र भागने लगा। इस सारे दृश्य को एक सज्जन देख रहे थे। उन्होंने नरेन्द्र को भागने से रोका और कहा– ''भागते क्यों हो?''

नरेन्द्र केततोर बाले वेय किनाद कोवे पेरखे मेन्दे । ओर मनेय केततोर वेरई मिरमा। निम वेरीतान के निक वेरितीता। कोटो, नीच मंज हिम्मत ते ताना मुका बला किम। नरेन्द्र हिम्मत कितोर। ओर निततोर। ओर नितान के केवे वेन्ड़ नीता। नरेन्द्र अपुन झोरा तेअतोर आड़ वाटा लय मिरतोर। नरेन्द्र दीन अपुन वायनाद उड़ी कोवे मिरता। पेकाना साहस तिन उड़ी मंज पुना कारयानाद दोरकता। ओर पेकल मूने आँज दुनिया ते स्वामी विवेकानंद पेदेड़ ते दाखा अत्ता।

नरेन्द्र बोला– ''क्या करूँ, बंदर पीछे पड़ा है।'' उस व्यक्ति ने कहा– ''डरकर भागो मत। तुम डर रहे हो इसलिए वह डरा रहा है। रुको, खड़े होकर हिम्मत से उसका मुकाबला करो।''

नरेन्द्र ने हिम्मत दिखाई। वह खड़ा हो गया। उसके खड़े होते ही बंदर भी खड़ा हो गया। नरेन्द्र ने अपना झोला उठाया और मारने दौड़ा। नरेन्द्र को अपनी ओर आता देखकर बंदर भाग गया। बालक को साहस की यह नई सीख मिली। वही बालक नरेन्द्र आगे चलकर दुनिया में स्वामी विवेकानंद के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

Kkurk mokV & स्वामी विवेकानंद जीना छापा कक्षातग तोहसमज ओड़ा विषय ते चुडीला किस केल्ला/पिल्ला किन केल्लाए ओण्ड़ दम अमेरिका तग दुनिया ते धर्मातिन संदर्भ ते ओन्ड़ नेकाय बुड़या सभा आता अगा स्वामी जी बेद भाषा हितोर अद दुनिया तग माने सहायता दोसा हितोर आड़ दुस्साहसतग मंतर उदाहरण हिस मंज समझा कितोर।

ञkCnkFk

परसिद	=	दाका	सियान	=	नेका नेलाटोर मनेय
हिमत	=	हिम्मत	निडर	=	वेरी रोर
मुकबिला	=	लाडेम			

1- nkM fy[kk fdro i'uk uk mRrj viu ekVk r d ykV &

क. बनारस ता दूसरा पेदेड़ बाता ?

ख. स्वामी विवेकानंद ना पिल्ला ताशूट ता बाता पेदेड़?

ग. नरेन्द्र बाड़ा मिरसो मत्तोर?

घ. पेकल कोवे किन वेरई मंज मिररके बाले आऐर ?

ड. मीकिन नए फुडेके बाले कितिड़?

च स्वामी विवेकानंद भारत ता सियाहन मनेय मतोर अपुन प्रदेश तोर बेनोरे सियाहन मनेयता पेदेड़ केलाहट?

2- nkM vk/kk 'kCn brko fdu nM fy[kkdheV et 'kCn ijk fdeVA

1. च......	2. प......	3. ब......
4. च......ना	5. प......ना	6. ब......ना
7. दौ......ना	8. ल......का	9. पक......ना

3. दोड़ इताव माटा कीन मियाले सही इलोक गलत लिखाकिमूट –

क. हाट नग कोवे नरेन्द्र दीन पेरखे पोड़े अत्ता। (————)

ख. कोवे नरेन्द्र झोरा पोयस मिरता। (————)

ग. कोवे नरेन्द्र वेरई मिरता। (————)

4 - okMgV] 'kCn fdu vrk{kjh ikMgV&

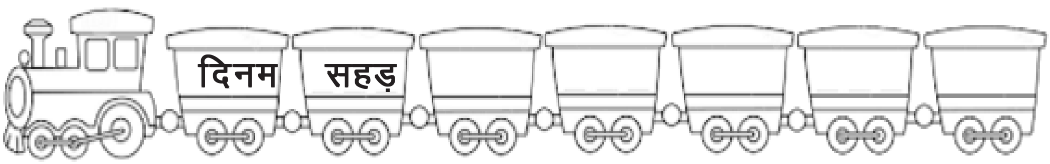

शिक्षण संकेत – स्वामी विवेकानंदजी का चित्र कक्षा में दिखाएँ। उनके विषय में संक्षेप में बताएँ। बच्चों को बताएँ कि एक बार अमेरिका में संसार के धर्मों के संदर्भ में एक बहुत बड़ी सभा हुई उसमें स्वामी जी ने जो भाषण दिया उसे दुनियाभर के लोगों ने सराहा। साहस और दुस्साहस में अंतर उदाहरण देते हुए समझाएँ।

शब्दार्थ

प्रसिद्ध	=	मशहूर	सज्जन	=	अच्छा आदमी
हिम्मत	=	साहस	साहसी	=	निडर होने का गुण
मुकाबला	=	सामना करना			

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में बताओ –

क. बनारस का दूसरा नाम क्या है ?

ख. स्वामी विवेकानंद के बचपन का नाम क्या था ?

ग. नरेन्द्र क्यों दौड़ रहा था ?

घ. अगर बालक बंदरों से डरकर भागता रहता तो क्या होता ?

ड. अगर कुत्ता तुम्हारे पीछे दौड़े तो तुम क्या करोगे ?

च. स्वामी विवेकानंद भारत के महान पुरुष थे। अपने प्रदेश के किसी एक महापुरुष का नाम बताओ।

2. नीचे अधूरे शब्द दिए गए हैं। ढ़, ड़ लिखकर शब्द पूरे करो–

1. च......	2. प......	3. ब......
4. च......ना	5. प......ना	6. ब......ना
7. दौ......ना	8. ल......का	9. पक......ना

3. नीचे लिखे कथन तुम्हारे अनुसार सही हैं या गलत। लिखो।

क. बाजार में नरेन्द्र बंदर के पीछे लग गया। (––––––––)

ख. बंदर नरेन्द्र का झोला लेकर भाग गया। (––––––––)

ग. बंदर नरेन्द्र से डरकर भाग गया। (––––––––)

4. आओ शब्दों की अंताक्षरी बनाएँ –

3IGUE5

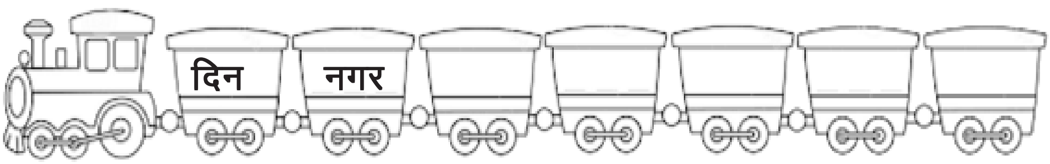

यातायात सिग्नल

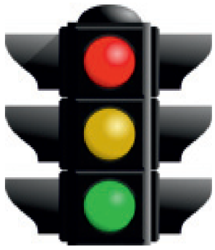

यातायात विद्युत सिग्नल सुरक्षित आवागमन में हमारी सहायता करती है। ये हमें सिग्नल पर सुरक्षित चलने एवं रूकने के लिए निर्देश देती है। इनके तीन रंग होते हैं। सभी रंगों का अपना महत्व होता है। आइए इन रंगों के बारे में जानें कि ये कैसे काम करते हैं :–

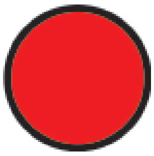

लाल बत्ती जलने पर हमेशा स्टॉप लाईन के पीछे रुकें।

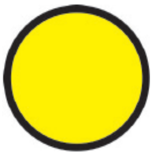

पीली बत्ती जलने पर यदि स्टाप लाइन पार कर चुके हैं तो तुरंत आगे बढ़ें।

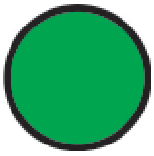

हरी बत्ती जलने पर रास्ता साफ होता है आगे बढ़ें।

उत्तर दो

सही शब्द चुनिए –

प्रश्न 1. यातायात विद्युत सिग्नल में .... रंग होते हैं। (एक/दो/तीन/चार)

प्रश्न 2. लाल बत्ती जलने पर हमें .... चाहिए। (चलना/रुकना/आगे बढ़ना)

प्रश्न 3. पीली बत्ती जलने पर हमें .... चाहिए। (चलना/रुकना/आगे बढ़ना)

प्रश्न 3. हरी बत्ती जलने पर हमें .... चाहिए। (चलना/रुकना/आगे बढ़ना)